THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 122 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.4 2082 सोमवार, 28 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'उचित अवसर नहीं मिला'

महाभियोग के खिलाफ जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा द्वारा दायर याचिका पर 28 जुलाई को सुनवाई करेगा। जिसमें उन्होंने तीन न्यायाधीशों की आंतरिक जांच समिति के निष्कर्षों और भारत के पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी है।

जस्टिस वर्मा ने आरोप लगाया है कि समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट पूरी करने से पहले उन्हें आरोपों का जवाब देने का 'उचित अवसर' नहीं दिया गया। यह विवाद 14 मार्च की एक घटना से उपजा है, जब दिल्ली स्थित उनके आवास पर आग लग गई थी।

'भारत के दुश्मन और आतंकियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं'

ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी

अरियालुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु दौरे पर कहा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे उसी की भाषा में जवाब देना जानता है। इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारत के दुश्मनों के लिए, आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है। जब मैं हेलीपैड से यहां आया तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति और एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का अहसास होना चाहिए।

चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए प्राचीन रोडमैप जैसा :

पीएम मोदी ने कहा कि चोल काल में भारत ने जो आर्थिक और सैन्य ऊंचाइयां हासिल कीं, वे आज भी हमें प्रेरित करती हैं। उन्होंने प्राचीन भारत के राजाओं की दूरदर्शिता को रेखांकित करते हुए कहा कि राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना का निर्माण किया, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी बात की।

पीएम मोदी ने कहा, चोल साम्राज्य विकसित भारत के लिए एक प्राचीन रोडमैप की तरह है। यह हमें बताता है कि अगर हमें 'विकसित भारत' बनाना है, तो हमें अपनी नौसेना, रक्षा बलों को मजबूत करना होगा और नए अवसरों की तलाश करनी होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज काशी से गंगाजल एक बार फिर यहां लाया गया है। उन्होंने कहा कि मैं काशी का जनप्रतिनिधि हूं और मेरा मां गंगा से विशेष जुड़ाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चोल राजाओं के कार्य और उनसे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएं एक भारत, श्रेष्ठ भारत के महायज्ञ को नई ऊर्जा नई शक्ति और नया उत्साह देती हैं। उन्होंने चोल सम्राटों की विरासत को भारत की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया।

बृहदेश्वर मंदिर में की पूजा :

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि भगवान बृहदेश्वर के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मुझे मिला। मैंने 140 करोड़ देशवासियों की भलाई और भारत की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद मिले। यह मंदिर चोल वंश की स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है और पीएम मोदी की यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का प्रतीक मानी जा रही है।

मनसा देवी भगदड़ में आठ की मौत

सीएम धामी ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हाल

हरिद्वार, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार सुबह भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, हादसे में 22 घायल हैं और पांच लोग गंभीर घायल हैं, 23 लोग सामान्य हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी हरिद्वार पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल जाना। मुख्यमंत्री से इस दौरान मनसा देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने वार्ता की। मनसा देवी ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुखद घटना में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हज़ार मनसा देवी ट्रस्ट द्वारा प्रदान किए जाएंगे। मृतक के परिजनों और घायलों को उनके घर तक ले जाने के लिए ट्रस्ट द्वारा वाहन की व्यवस्था की जाएगी।

इनकी हुई मौत

वकील (45), आरुष (6) रामपुर मुरादाबाद, विशाल (19), विपिन (18), शांति (60), रामभरोसे (65), अज्ञात (19) और विक्की (25)।

ऐसे हुआ हादसा :

मनसा देवी मंदिर दर्शन जाने वाले पैदल मार्ग पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई। करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट लगने की अफवाह फैला दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। हादसे में एक बच्चे समेत 35 श्रद्धालु घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की गई है।

दो-दो लाख मुआवजे की घोषणा :

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई। हादसे पर सीएम धामी ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने हादसे के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

सदन में सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस तैयार

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा और मंगलवार को राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खास बहस होने जा रही है। इससे पहले कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की। रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है।

रमेश ने बताया कि 30 मई को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में स्वीकार किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिन रणनीतिक चूकें हुईं।

युद्ध केवल हथियारों से नहीं जीते जाते...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसके सिर पहनाया 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का ताज?

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे की असली वजह का खुलासा किया है। राजनाथ सिंह ने कहा है 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल हथियारों की वजह से नहीं, बल्कि रसद (लॉजिस्टिक्स) की वजह से सफल हुआ। उन्होंने यह बात गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में कही। यह विश्वविद्यालय रेलवे मंत्रालय के अंतर्गत आता है और लॉजिस्टिक्स पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने वाला यह ऑपरेशन दिखाता है कि कैसे कई एजेंसियों के तालमेल से सही समय पर सही जगह पर सामग्री पहुंची। राजनाथ सिंह ने लॉजिस्टिक्स को एक रणनीतिक संपत्ति बताया और कहा कि यह आधुनिक युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बीजापुर एनकाउंटर : 2 महिला समेत 4 नक्सली ढेर, 17 लाख था इनाम

बीजापुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए ऑपरेशन मानसून चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत जवानों को बड़ी सफलता मिली है। बीजापुर जिले के दक्षिण पश्चिम जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हो गया। इसमें दो महिला सहित 4 हार्डकोर नक्सली ढेर हो गए। मारे गए नक्सलियों पर कुल 17 लाख रुपये का इनाम घोषित था। फिलहाल सर्चिंग जारी है।

यह मुठभेड़ बासागुड़ा और गंगलूर थाना क्षेत्रों के सरहदी इलाकों में हुई। नक्सलियों कैडर की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी और सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया था। इलाके में सर्चिंग करने के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों में एनकाउंटर हो गया। इसमें 4 नक्सली ढेर हो गए।

नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान ही जंगलों में छुपे नक्सलियों फायरिंग कर दी। इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी क्रॉस फायरिंग की है। इसमें जवानों ने चार नक्सलियों को मार गिया है। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख बाकी नक्सली मौके का फायदा उठाकर भाग गए।

मारे गए नक्सलियों की पहचान हुंगा (एसीएम, प्लाटून-10), लक्खे (एसीएम, प्लाटून-30), भीमे (एसीएम) और निहाल उर्फ राहुल (पार्टी सदस्य व गार्ड) के रूप में हुई है। तीनों एसीएम पर 5-5 लाख और निहाल पर 2 लाख का इनाम था।

आतंकी साजिश नाकाम

एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल, 104 कारतूस बरामद

अमृतसर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम की गई है। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने पांच हथियार तस्कर गिरफ्तार किए हैं। जिला देहाती पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहे पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन तस्करों के नाम जोबन सिंह, गोरा सिंह, शानशेन, सनी और जसप्रीत है। यह सभी आरोपी अमृतसर के ही रहने वाले हैं। तस्करों से पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल और दो मैगज़ीन, दो ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल और चार मैगज़ीन, एके राइफल के 90 जिंदा कारतूस, 10 जिंदा कारतूस (9 एमएम), 7.50 लाख की ड्रग मनी, एक कार और 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपियों के पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों से सीधे संबंध थे। पकड़ी गई खेप गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के एक सहयोगी नव पंडोरी को पहुंचाई जानी थी, जो एक व्यापक आतंकवादी व गैंगस्टर से संबंधित है। पकड़े गए इन सभी तस्करों से पूछताछ की जा रही है जल्द ही उनके और भी साथियों के पकड़े जाने की उम्मीद है।

लोनावाला में चलती कार में युवती से गैंगरेप, फिर सड़क किनारे फेंका

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लोनावाला शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक स्थानीय युवती के साथ कार में रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता को जबरन एक कार में बिठाया गया और कार को अलग-अलग जगहों पर रोककर उसके साथ रेप किया गया। बाद में आरोपी ने उसे सड़क किनारे फेंक दिया। पुलिस निरीक्षक राजेश रामाघरे ने बताया कि इस संबंध में लोनावाला शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य 2 आरोपियों की तलाश जारी है। 3 युवकों ने युवती के साथ कार में सामूहिक रेप किया।

सुनसान सड़क पर युवकों ने युवती को कार में खींच लिया और उसके साथ सामूहिक रेप किया। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लोनावला में हुई इस घटना के बाद पुणे में हड़कंप मच गया है। जैसे ही यह घटना सामने आई, लोनावाला में हड़कंप मच गया। इस मामले में लोनावाला सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को हथकड़ी लगा दी है। लोनावाला सिटी पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

पुरुषों ने हड़पे लाडकी बहनों के 21.44 करोड़

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के पूर्व शुरू की गई लाडकी बहिन योजना पर पुरुषों ने भी डाका डाला है। राज्य में योजना के नाम पर 14,298 पुरुषों के लाभ लेने का मामला सामने आया है। इससे सरकारी खजाने को 21.44 करोड़ रुपये की चपत लगी है। पुरुषों के लाभार्थी होने का मामला सामने आने के बाद ऐसे संदिग्ध लोगों को 1500 रुपये मासिक मानदेय रोक दिया गया है। वहीं, एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने सवाल उठाया है कि क्या इसकी आड़ में लाडकी बहिन योजना बंद करने की तैयारी हो रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, योजना की जांच के दौरान तथ्य सामने आया है कि लाभार्थियों की सूची में 14,298 पुरुष शामिल हैं। पुरुषों ने महिलाओं के नाम पर यह लाभ लिया।

रायगढ़ में मछुआरों की नाव पलटी

रायगढ़, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में सुबह अरब सागर में एक नाव पलट गई। उसमें सवार आठ मछुआरों में से पांच तैरकर तट पर पहुंच गए, जबकि तीन लापता हैं। इनकी तलाश जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह 8:30 बजे हुई, जब उरण के करंजा से नाव सवार लोग समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। भारी बारिश के कारण नाव पलट गई। अधिकारी ने बताया कि तैरकर अलीबाग तट पर पहुंचे पांच मछुआरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है। लापता तीन लोगों की तलाश में आपदा प्रबंधन दल जुटा है। ड्रोन की मदद से भी उनकी तलाश की जा रही है।

कट्टा और कारतूस लेकर नागपुर हवाईअड्डे में घुसा युवक, गिरफ्तार

नागपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे में सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति अपने सामान में कट्टा और कारतूस छुपाकर भीतर घुस गया लेकिन स्कैनिंग के दौरान पकड़ा गया। आरोपी की पहचान महाराष्ट्र के यवतमाल निवासी अनिल श्रीकृष्णा पोराड के रूप में हुई है। वह एक राजनीतिक पार्टी के आदिवासी सेल का अध्यक्ष है।

बुलंद उड़ान की एक दास्तां: कलाम साहब का वो अधूरा ख्वाब

इंटरव्यू में फेल होने के कारण पूरा न हो सका

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के 'मिसाइल मैन' और 'जनता के राष्ट्रपति' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आज पुण्यतिथि है। उनका निधन 27 जुलाई 2015 को मेघालय के शिलांग में हुआ था, जब वे भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान देते समय ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। आज उनकी पुण्यतिथि के मौके

पर उनके एक बचपन के सपने का जिक्र करते हैं, जो ताउम्र अधूरा रहा। दरअसल, डॉ. कलाम का बचपन से एक सपना था कि वह एक पायलट बनें और आसमां की बुलंदियों को छू लें, मगर उनकी यह आरजू अधूरी रह गई।

अपने इस ख्वाब को पूरा करने के लिए उन्होंने देहरादून में वायुसेना की प्रवेश परीक्षा दी थी। परीक्षा तो पास कर ली। इसके बाद इंटरव्यू हुआ, लेकिन 25 उम्मीदवारों में से सिर्फ 8 को चुना जाना था और कलाम साहब का स्थान 9वां था। ऐसे में उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। इस नाकामी ने उन्हें बहुत मायूस किया था।

उन्होंने अपनी किताब मेरी यात्रा: सपनों को कार्यों में बदलना में इसका जिक्र किया है।

देहरादून से लौटते हुए ऋषिकेश पहुंचे

अपनी मायूसी के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। देहरादून से लौटते हुए वे ऋषिकेश गए और स्वामी शिवानंद से मिले, जिन्होंने उन्हें यह समझने में मदद की कि नियति ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा है। स्वामी शिवानंद ने उन्हें बताया, तुमने अपनी नियति को स्वीकार नहीं किया है, इसलिए तुम इतने दुखी हो। अपनी वर्तमान स्थिति को स्वीकार करो और बिना किसी डर के अपने जीवन को जियो। जब तुम अपनी नियति को स्वीकार करते हो, तो तुम एक नई ताकत पाते हो।

भाजपा नेता के बेटे ने पुलिसवालों पर चढ़ाई कार ड्रग्स के साथ पकड़ाया

इंदौर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के तुकोगंज इलाके में शनिवार दोपहर एक सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया, जब भाजपा नेता कमाल खान के बेटे माज खान ने क्राइम ब्रांच की टीम पर कार चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान एक बाइक उसकी गाड़ी के नीचे आ गई और एक प्रधान आरक्षक घायल हो गया। पुलिस को माज खान की कार में ड्रग्स होने की सूचना मिली थी, जिस पर क्राइम ब्रांच की टीम ने धेनु मार्केट क्षेत्र में दबिश दी थी। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की एक कार (एमपी09-डब्ल्यूबी0860) में माज खान किसी संदिग्ध पदार्थ के साथ घूम रहा है।

राज्य सरकार ने केंद्र से की शिक्षा योजना के तहत फंड जारी करने की मांग

पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

चेन्नई, 27 जुलाई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार से समग्र शिक्षा योजना (एसएसए) के तहत 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जल्द जारी करने की मांग की है। यह मांग मुख्यमंत्री की ओर से वित्त मंत्री थंगम थेन्नारासु ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपकर की। मामले में तमिलनाडु सरकार ने साफ किया है कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तीन-भाषा फार्मूले को स्वीकार नहीं करेगी और तमिल तथा अंग्रेजी की अपनी दो-भाषा नीति को ही जारी रखेगी। ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र द्वारा जरूरी फंड जारी न करने से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

तमिलनाडु सीएम स्टालिन और पीएम नरेंद्र मोदी

ज्ञापन में मांग की गई कि केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,151.59 करोड़ रुपये की राशि और 2025-26 की पहली किस्त बिना पीएम श्री योजना पर हस्ताक्षर की शर्त के जल्द मंजूर करे। बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन फिलहाल स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी स्वीकृति से यह ज्ञापन प्रधानमंत्री को सौंपा गया। पीएम मोदी दो दिन की यात्रा पर तमिलनाडु में हैं।

इसके साथ ही तमिलनाडु सरकार की ओर से केंद्र को दिए गए ज्ञापन में कुछ अहम अन्य मांगों पर भी जोर दिया गया है। इसमें कोयंबटूर और मदुरै मेट्रो रेल परियोजनाओं को 50:50 हिस्सेदारी पर मंजूरी देने, चेन्नई में उपनगरीय रेल सेवाओं में बढ़ोतरी। तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी के मामलों का स्थायी समाधान के साथ-साथ श्रीलंका की हिरासत में मौजूद मछुआरों और उनकी नावों को छुड़ाने की अपील की गई है। यह ज्ञापन तमिलनाडु सरकार की राज्य के हितों को लेकर गंभीरता और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा को दर्शाता है।

13 साल बाद मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

उद्धव ठाकरे को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे बंधुओं की नजदीकी लगातार बढ़ रही है। इसकी बानगी रविवार को एक बार फिर देखने को मिली जब मनसे प्रमुख राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे। गौरतलब है कि राज ठाकरे करीब 13 साल बाद मातोश्री पहुंचे। इससे पहले राज ठाकरे साल 2012 में मातोश्री पहुंचे थे। उस वक्त उद्धव ठाकरे की एंजियोप्लास्टी हुई थी, तब राज ठाकरे ने मातोश्री पहुंचकर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे का हालचाल जाना था।

20 साल में दूसरी बार मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

राज ठाकरे ने साल 2005 में शिवसेना छोड़ी थी और शिवसेना छोड़ने के बाद से आज से पहले तक राज ठाकरे सिर्फ एक ही बार मातोश्री गए थे। यही वजह है कि जब रविवार को राज ठाकरे मातोश्री पहुंचे तो महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे में इसकी खूब चर्चा हो रही है। दोनों भाइयों की इस मुलाकात को रिश्तों में जमी बर्फ के तेजी से पिघलने के तौर पर देखा जा रहा है।

एशिया कप में नहीं होगा भारत-पाक मैच? बीजेपी नेता शगुन परिहार का बड़ा बयान

जम्मू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच आगामी एशिया कप 2025 के संभावित मुकाबलों पर बीसीसीआई की आलोचना शुरू हो गई है। पहलगाम हमले के बाद इन मुकाबलों को लेकर बीसीसीआई ऑनलाइन कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अब इसे लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है। बीजेपी नेता शगुन परिहार ने एएनआई को दिए बयान में कहा है कि भारत-पाक मैचों का फैसला पूरी तरह से केंद्र सरकार का विषय है

और पहले भी ऐसे मैच रद्द किए जा चुके हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, देखिए, ये सब केंद्र का विषय है और उन्होंने पहले भी इस तरह के होने वाले एक मैच को रद्द किया था।

मुझे लगता है आगे भी हमारी सरकार ऐसा ही कोई फैसला लेगी। हमारी सरकार सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को बहुत करारा जवाब मिला है और आगे भी सरकार जो तय करेगी,

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार जो भी तय करेगी, वो भारत के हित में ही होगा।" एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने हाल ही में घोषणा की है कि एशिया कप 2025 का आयोजन 9 से 28 सितंबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा।

भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों टीमें 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। यदि दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो तीसरा मुकाबला 28 सितंबर को फाइनल में हो सकता है।

रेव पार्टी में पकड़े गए एनसीपी के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे के दामाद

कोकीन-हुक्का सब जब्त

पुणे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक हाई प्रोफाइल रेव पार्टी के दौरान छापेमारी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद पवार) के नेता एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर भी हिरासत में लिए गए हैं। इस पार्टी में कोकीन, हुक्का और शराब का इस्तेमाल किया जा रहा था। हालांकि पुलिस की ओर से की गई इस छापेमारी को विपक्ष राजनीतिक कार्रवाई बता रहा है। विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि महाराष्ट्र सरकार इसे जबरन रेव पार्टी करार देकर बदला ले रही है। पुणे में एकनाथ खडसे के दामाद के बंगले पर यह छापेमारी हुई है।

विपक्षी दल का दावा है कि एकनाथ खडसे ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन के खिलाफ हनी ट्रैप का मुद्दा उठाया था, इसी की वजह से सरकार ने यह कार्रवाई की है। फिलहाल पुणे के हाई प्रोफाइल खराड़ी इलाके के एक गेस्ट हाउस पर चल रही रेव पार्टी पर पुलिस ने रविवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को हिरासत में ले लिया।

पकड़े गए लोगों में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, यह पार्टी 'हाउस पार्टी' के नाम पर स्टे बर्ड गेस्ट हाउस में आयोजित की गई थी, जो रैडिसन होटल के पीछे की एक इमारत की एक फ्लैट में चल रही थी।

यह फ्लैट बनसोडे नामक व्यक्ति के स्वामित्व में है। प्रांजल के हडपसर के घर पर भी पुलिस ने छापेमारी की है। पार्टी के दौरान नशीले पदार्थ, विदेशी शराब और हुक्का का बड़े पैमाने पर सेवन हो रहा था। छापेमारी में 2 महिलाओं के अलावा 5 पुरुष भी पकड़े गए हैं। सुबह 3 बजे ये रेड शुरू हुई। पुलिस ने मौके से नशीले पदार्थ और हुक्का सेट के अलावा भारी मात्रा में शराब भी जब्त की है।

दो भाई मिलकर चला रहे थे सैलून, पुलिस ने डाली रेड तो सेक्स रैकेट का हुआ पर्दाफाश

नागपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच ने बैरामजी टाउन के पॉश इलाके में चल रहे एक हाई सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। सैलून की आड़ में चल रहे इस जिस्मफरोशी के धंधे में पुलिस ने दो दलालों, आशीष ठाकुर और संगीता भीमटे को गिरफ्तार किया है, जबकि उनका एक साथी विवेक ठाकुर अभी फरार है। पुलिस ने इस कार्रवाई में पांच पीड़ित युवतियों को भी दलालों के चंगुल से छुड़ाया है। मिली जानकारी के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र के बैरामजी टाउन स्थित कॉपर सैलून को आशीष ठाकुर और उसका भाई विवेक ठाकुर अपनी महिला साथी संगीता भीमटे के साथ मिलकर चला रहे थे।

क्राइम ब्रांच के सामाजिक सुरक्षा विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि इस सैलून में युवतियों को पैसों का लालच देकर जिस्मफरोशी में धकेला जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एक नकली ग्राहक तैयार किया, जिसने एक महिला के लिए 6,500 रुपये में सौदा तय किया। जैसे ही महिला कमरे में दाखिल हुई, पहले से घात लगाकर बैठी पुलिस टीम ने तुरंत छापा मार दिया।

मंत्री हरजोत बैंस को श्री अकाल तख्त साहिब पर पेश होने के आदेश

अमृतसर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस और भाषा विभाग के डायरेक्टर को 1 अगस्त को श्री अकाल तख्त साहिब पर पेश होने के आदेश दिए गए हैं। यह कार्रवाई श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर आयोजित पंजाब सरकार के शुरुआती समागम में नाच-गाने के आयोजन को लेकर की गई है। श्री अकाल तख्त साहिब ने इस पर सख्त नोटिस लेते हुए दोनों अधिकारियों को पेश होने के लिए कहा है।

इस मामले पर एसजीपीसी अध्यक्ष ने भी प्रतिक्रिया दी है। एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने प्रेस वार्ता कर कहा कि मैंने पिछले दिनों पंजाब सरकार से अनुरोध किया था कि नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी जयंती और दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं

गुरु गद्दी दिवस का आयोजन करना शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) का कर्तव्य है। धामी ने कहा कि इसलिए पंजाब सरकार को अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित नहीं करने चाहिए। सरकार को किसी हीन भावना में नहीं आना चाहिए। शिष्टाचार का पालन आवश्यक है। यदि कोई धार्मिक आयोजन होता है, तो वह सेवा अमृतधारी सिंहों से ही की जाती है। उन्होंने कहा कि पहले से ही यह आशंका थी कि जब राजनीतिक दल धार्मिक आयोजन करते हैं, तो किसी न किसी रूप में मर्यादा का उल्लंघन होता है।

21 हजार फीट ऊंचाई तक उड़ान

235 किमी/घंटा की स्पीड इंडियन आर्मी के बेड़े में शामिल होंगे

126 एलयूएच, पाकिस्तान-चीन के उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना अब अपने पुराने हो चुके चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों की जगह नए और आधुनिक हेलिकॉप्टर लाने जा रही है। इसके लिए सेना ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 126 हल्के यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच) खरीदने का प्लान बनाया है। यह डील अब अपने आखिरी दौर में है और जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। सेना अभी जो चेतक और चीता हेलिकॉप्टर इस्तेमाल कर रही है, वे 1960 के दशक की तकनीक पर बने हैं और कई हेलिकॉप्टर 30 साल से ज्यादा पुराने हो चुके हैं। इनके साथ उड़ान भरना

अब खतरे से खाली नहीं है। नए एलयूएच हेलिकॉप्टर सेना की सुरक्षा और ताकत दोनों को बढ़ाएंगे।

पहले इस प्रोजेक्ट में कुछ तकनीकी दिक्कतें आई थीं, जैसे फ्लाइट कंट्रोल और ऑटोपायलट सिस्टम में परेशानी। लेकिन अब एचएएल ने बताया है कि सभी समस्याएं दूर कर ली गई हैं और पहले 6 हेलिकॉप्टर तैयार भी हो चुके हैं।

यह सौदा सिर्फ सेना की ताकत ही नहीं बढ़ाएगा, बल्कि देश में स्वदेशी रक्षा निर्माण को भी बढ़ावा देगा। 126 हेलिकॉप्टर की यह खरीद कुल 225 एलयूएच हेलिकॉप्टरों की बड़ी योजना का हिस्सा है। इससे भारत की 'आत्मनिर्भर भारत' मुहिम को नई रफ्तार मिलेगी। ये चीन की एलएसी और पाकिस्तान की एलओसी पर सामान पहुंचाने और निगरानी रखने में काफी कारगर साबित होंगे।

हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं की संपत्ति पर चला बुलडोजर

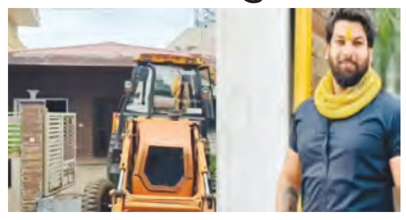

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी मामले में फरार हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। रविवार सुबह भाठागांव स्थित उसके ऑफिस पर बुलडोजर चला है। नगर निगम के अनुसार, इस ऑफिस का निर्माण नियमों के खिलाफ किया गया था जिस कारण से इसे ढहा दिया गया है। बताया जा रहा है कि रोहित तोमर ने अपनी पत्नी भावना तोमर के लिए यह आलीशान ऑफिस खोला था। रोहित तोमर ने पत्नी भावना भी तोमर बंधुओं के सूदखोरी के बिजनेस में पार्टनर थी। इसी ऑफिस से तोमर बंधु सूदखोरी का काम करते थे। फिलहाल, रोहित तोमर और वीरेंद्र तोमर पिछले 2 महीने से फरार हैं। दोनों हिस्ट्रीशीटर भाइयों का पता बताने पर रायपुर पुलिस ने इनाम भी रखा है।

घरेलू कलह से परेशान मां ने तीन बेटियों को जहर देकर मारा

ठाणे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में घरेलू कलह से परेशान एक 27 वर्षीय महिला ने अपनी तीन नाबालिग बेटियों को जहर देकर मार डाला। आरोपी महिला संध्या संदीप बेरे शाहापुर के आसनौली गांव की निवासी है। उसने 20 जुलाई को 'वरन-भात' में कीटनाशक मिलाकर 5, 8 और 10 साल की बेटियों को परोसा। खाना खाने के बाद तीनों को उल्टी और चक्कर आने लगे। स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद दो बच्चियों को मुंबई और एक को नासिक रेफर किया गया, जहां 24 और 25 जुलाई को तीनों की मौत हो गई।

शुरुआत में पुलिस ने दुर्घटनावश मृत्यु का मामला दर्ज किया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर की पुष्टि होने के बाद महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर रविवार तड़के उसे गिरफ्तार कर लिया गया। महिला अपने पति की शराबखोरी और अलगाव के बाद तीनों बच्चियों की परवरिश से परेशान थी। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

पुरी-कोणार्क मरीन ड्राइव पर हादसा

रिवर्स करते हुए नदी में गिरी कार, गाड़ी में बैठे थे बीडीओ और उनकी पत्नी

पुरी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा की पुरी-कोणार्क मरीन ड्राइव पर शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। रामचंडी मंदिर के पास स्थित लोटस पार्क इलाके में कटक सदर ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर प्रतीक साहू की कार अचानक कुशाभद्र नदी में गिर गई। हादसे के वक्त कार में बीडीओ और उनकी पत्नी मौजूद थीं। यह घटना तब हुई जब प्रतीक साहू अपनी गाड़ी को बेला मार्ग पर पार्क करने की कोशिश कर रहे थे। कार रिवर्स गियर में थी और फिसलकर सीधे नदी में जा गिरी। तेज बहाव के चलते गाड़ी कुछ ही पलों में पानी में बहने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। पास के ट्रेनिंग सेंटर से दमकल विभाग की टीम कुछ ही मिनटों में वहां पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से बीडीओ और उनकी पत्नी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया

खेलते-खेलते स्टील के बर्तन में फंस गया मासूम का सिर, रेस्क्यू कर बचाई गई जान

मालकानगिरी, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के मालकानगिरी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां खेलते-खेलते 3 साल के बच्चे का सिर स्टील के बर्तन में फंस गया। इसके बाद बच्चा रोने लगा। काफी प्रयास करने के बाद भी बच्चे का सिर बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर फायर स्टेशन पहुंचे। यहां करीब 2 घंटे तक चली मशक्कत के बाद आखिरकार फायर ब्रिगेड की टीम ने कटर से बर्तन काटकर बच्चे की जान बचाई। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने अभिभावकों को चेतावनी दी है कि छोटे बच्चों को घर में नए सामानों के साथ खेलने देते समय सावधानी बरतें, क्योंकि इस तरह की घटनाएं कुछ ही मिनटों में खतरनाक रूप ले सकती हैं।

पूर्व जज थिप्से के घर से 25,500 रुपये का सामान चोरी

मुंबई मुंबई के खार पश्चिम इलाके में स्थित पूर्व न्यायाधीश अभय महादेव थिप्से के घर में चोरी की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। घर में मरम्मत कार्य के लिए रखा गया, करीब 25,500 रुपये मूल्य का सामान अज्ञात चोर चुरा ले गए हैं। चोरी की यह वारदात तब हुई जब मकान में रिनोवेशन का काम चल रहा था। इस घटना को लेकर थिप्से के निजी ड्राइवर अनिल देविदास ठाकरे ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुविचार: हर जगह मुँह मारने कि आदत एक दिन सब कुछ बर्बाद कर देती है.!

गरीबों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता : लक्ष्मण कुमार

मंत्री ने राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने नलगोंडा ज़िले के देवरकोंडा निर्वाचन क्षेत्र के चंदमपेट मंडल के पोलेपल्ली गांव में गरीबों के कल्याण हेतु आयोजित राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि, पिछली सरकार के कार्यकाल में, गरीबों को उचित देखभाल के अभाव में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही गरीबों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बना लिया। इसी के तहत अब तक 5,28,153 राशन कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। मुझे इतने बड़े पैमाने पर गरीबों की सहायता के लिए राशन कार्ड प्रदान करने पर गर्व है। हम भविष्य में भी गरीबों के कल्याण के लिए समर्पण भाव से काम करेंगे। देवरकोंडा निर्वाचन क्षेत्र के अपने दौरे के दौरान, चिंतापल्ली मंडल स्थित साईं बाबा मंदिर में स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मंत्री का भव्य स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों और समिति के सदस्यों ने पूर्णकुंभ देकर उनका स्वागत किया और आशीर्वाद लिया। उन्होंने देवरकोंडा नगर पालिका विकास निधि से 1.35 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर, मंत्री ने गरीबों के प्रति मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया और कुछ उदाहरण दिए जैसे- प्रति परिवार 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 9 दिनों में किसानों को रैतु भरोसा के तहत 9 हजार करोड़ रुपये जारी करना, 3,500 घरों के लिए इंदिराम्मा योजना को मंजूरी, सब्सिडी वाले चावल का वितरण आदि। साथ ही, स्थानीय विधायक बालू नायक के अनुरोध पर, उन्होंने आश्वासन दिया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बस्तियों में सड़कों और बुनियादी ढांचे के मुद्दे पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा और जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। इस कार्यक्रम में मंत्री के साथ स्थानीय विधायक बालू नायक, एमएलसी शंकर नायक, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष जमुना माधव रेड्डी और संजीव रेड्डी, पीएसीएस अध्यक्ष कोंडा श्रीशैलम, जिला कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, आरडीओ, एमआरओ, एमपीडीओ, अन्य उच्च अधिकारी और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

सृष्टि टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की डॉ. नम्रता समेत छह गिरफ्तार

उनके पास कोई कानूनी अनुमति नहीं : डीसीपी रश्मि पेरुमल

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी रश्मि पेरुमल ने रविवार को कहा कि शहर स्थित सृष्टि टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के पास उचित अनुमति नहीं थी और अस्पताल के पंजीकरण प्रमाणपत्र 2021 में समाप्त हो गए थे। रविवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में, डीसीपी ने सृष्टि टेस्ट ट्यूब सेंटर के मामलों के बारे में कई बातें उजागर कीं।

उन्होंने कहा कि संतान पैदा करने में असमर्थ दंपति को सृष्टि टेस्ट ट्यूब सेंटर की प्रबंधक डॉ. नम्रता ने धोखा दिया था। डीसीपी ने खुलासा किया, एक निःसंतान दंपत्ति सृष्टि टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर गए। डॉ. सम्राटा ने दंपत्ति के कई परीक्षण किए और उन्हें बताया कि आईवीएफ संभव नहीं है और वे सरोगेसी के ज़रिए इसे प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसकी लागत 30 लाख रुपये होगी। नम्रता ने दंपत्ति को बताया कि उन्होंने विशाखापट्टनम के एक दंपत्ति को सरोगेसी के लिए राजी किया था और बताया कि विशाखापट्टनम के दंपत्ति ने 5 लाख रुपये मांगे थे। उन्होंने बताया कि वे दंपत्ति से अंडाणु और शुक्राणु एकत्र कर सरोगेसी कर रहे थे। उन्होंने विशाखापट्टनम की एक गर्भवती महिला को सरोगेसी माँ के रूप में दिखाया। उन्होंने आगे कहा कि कुछ महीनों बाद, नम्रता ने दंपत्ति को विशाखापट्टनम के एक अस्पताल में एक लड़का दिया और अतिरिक्त पैसे की मांग की।

उन्होंने बताया कि पीड़ित दंपत्ति ने भी डॉक्टर द्वारा मांगे गए अतिरिक्त पैसे दिए। उन्होंने कहा, इस मामले में, नम्रता ने वास्तव में सरोगेसी नहीं की थी। असम की एक महिला (जिसने बच्चा पैदा नहीं किया था) को 90 हज़ार रुपये दिए गए। उसने बच्चे के जन्म के तुरंत बाद उसे ले लिया। इसके बाद, दंपति को शक हुआ और डीएनए टेस्ट कराया गया। इस प्रक्रिया में पता चला कि बच्चा सरोगेट दंपति का नहीं था। डीसीपी ने कहा कि सृष्टि टेस्ट ट्यूब सेंटर के संचालकों ने कई नियमों का उल्लंघन किया और अस्पताल के पास उचित अनुमति नहीं थी। उन्होंने यह भी बताया कि सेंटर के खिलाफ कई शिकायतें भी हैं। डीसीपी रश्मि पेरुमल ने कहा कि केंद्र के कोई भी डॉक्टर और कर्मचारी उचित विशेषज्ञ नहीं हैं। अस्पताल का पंजीकरण प्रमाणपत्र 2021 में समाप्त हो गया था। वे राज्य चिकित्सा परिषद से पंजीकरण के बिना अवैध रूप से काम कर रहे थे और इस संबंध में अदालत में मामले दायर किए जा रहे हैं, यही वजह है कि उन्होंने अदालत को बताया कि अस्पताल बंद किया जा रहा है। अधिकारी इसका पता नहीं लगा सके क्योंकि अस्पताल गुप्त रूप से चलाया जा रहा था। नम्रता के बेटे जयंत कृष्णा ने वन्य तस्करी का वकील होने का दावा करके पीड़ितों को धमकाया। हमने इस मामले में मामला दर्ज कर लिया है। हमने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

निर्मल गांव में तेंदुए की आवाजाही से दहशत

निर्मल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल के कोलूर गांव में रविवार को तेंदुए की गतिविधि से निवासियों में दहशत फैल गई। स्थानीय किसानों ने बताया कि उन्होंने अपने खेतों की ओर जाने वाली सड़क पर तेंदुए के पैरों के निशान देखे हैं और दावा किया कि पिछले कुछ दिनों से यह तेंदुआ गांव के बाहरी इलाके में देखा जा रहा है। संभावित हमले की आशंका के चलते, उन्होंने वन अधिकारियों से तेंदुए को घने जंगलों में वापस खदेड़ने का आग्रह किया ताकि किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके।

वन विभाग के अधिकारियों ने गांव की सीमा पर तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की और आश्वासन दिया कि उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेंदुए को उसके प्राकृतिक आवास में वापस भेजने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने किसानों को खेतों में काम करते समय समूहों में चलने तथा जंगली जानवरों से अचानक टकराव से बचने की सलाह भी दी।

सीएम ने जयपाल रेड्डी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

10-

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सर्वश्रेष्ठ सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, सुदिनी जयपाल रेड्डी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जयपाल रेड्डी राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में एक शीर्ष व्यक्ति थे, जो लोकतंत्र और राजनीति की गहरी समझ रखने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर उनकी वाक्पटुता और हाजिरजवाबी लाजवाब थी। एक छात्र नेता, विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों के लिए काम किया। उन्होंने याद किया कि तेलंगाना राज्य के निर्माण में जयपाल रेड्डी द्वारा निभाई गई भूमिका को लोग कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि जयपाल रेड्डी ने राजनीति में मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया और एक बेदाग नेता और मूल्यों के प्रतीक के रूप में खड़े रहे। उन्होंने कहा कि जयपाल रेड्डी ने सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार पाने वाले दक्षिण के पहले नेता होने का गौरव हासिल किया। उन्होंने कहा कि उनकी आकांक्षाओं और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

बंडी संजय ने केटीआर को एमपी रमेश से बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने आज भाजपा सांसद सीएम रमेश और पूर्व मंत्री एवं बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के बीच हुई वाकयुद्ध की घटना पर प्रतिक्रिया दी। रविवार को मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने सनसनीखेज टिप्पणी की और कहा कि सांसद रमेश ने बीआरएस पार्टी और केटीआर के बारे में जो कहा वह सच था। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस पार्टी के लिए तेलंगाना में राजनीति करना मुश्किल है। संजय ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने पहले अपने बेटे केटीआर को विधायक का टिकट नहीं दिया था, लेकिन रमेश ने केटीआर को सिरसिला विधानसभा क्षेत्र से विधायक का टिकट दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि रमेश की वजह से ही केटीआर विधायक बने। बंडी संजय ने यह भी दावा किया कि रमेश ने केटीआर को चुनाव लड़ने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस पार्टी का भाजपा में विलय करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। बीआरएस पार्टी का मतलब केसीआर के बेटे, भतीजे और बेटी हैं। वे उस पार्टी को चलाने की स्थिति में नहीं हैं। वे पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और पार्टी चलाने में सक्षम नहीं हैं। संजय ने केटीआर से पूछा कि क्या वह रमेश की चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार हैं या नहीं? क्या केटीआर सांसद रमेश से चर्चा करने आएंगे? मैं मध्यस्थ बनूंगा। मैं करीमनगर में ही एक मंच स्थापित करूंगा। मैं सीएम रमेश को लाऊंगा। क्या आप आएंगे, केटीआर..? आप मुझे तारीख बताइए! हम तैयार हैं। क्या यह सच नहीं है कि बीआरएस पार्टी भाजपा में विलय करना चाहती थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम रेवंत रेड्डी का सीएम रमेश की टिप्पणियों से कोई लेना-देना नहीं है। केटीआर की भाषा ठीक नहीं है। वह असभ्य हैं। मुख्यमंत्री को गुंडा कहना और उनके खिलाफ अपशब्द कहना ठीक नहीं है। पुलिस का अपमान करना ठीक नहीं है। केटीआर को अपनी भाषा बदलनी चाहिए। मुझे यह कहने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि मैं गृह मंत्री हूं। लेकिन, मुझे अभी कहना पड़ रहा है। अगर केटीआर ने अपनी भाषा नहीं बदली, तो हम उन पर जवाबी हमला करेंगे।

जलस्तर बढ़ने पर कड्डम परियोजना से निकाला गया अतिरिक्त पानी

निर्मल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण लगातार जल प्रवाह के बाद रविवार को कड्डमपेद्दुर मंडल में कड्डम नारायण रेड्डी परियोजना से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। अधिकारियों ने अतिरिक्त पानी निकालने के लिए एक शिखर द्वार खोल दिया। परियोजना में 4,697 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ, जबकि 5,464 क्यूसेक पानी का बहिर्वाह हुआ। जलाशय का जलस्तर 700 फीट के पूर्ण जलस्तर के मुकाबले 694 फीट तक पहुंच गया।

अधिकारियों ने चरवाहों और किसानों को पानी छोड़े जाने के दौरान निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे तेज़ बहाव के दौरान मछली पकड़ने के लिए नदी में न उतरें। स्वर्णा और क्षेत्र की अन्य लघु सिंचाई परियोजनाओं में भी पानी का अच्छा-खासा प्रवाह हुआ है, जिससे किसानों में उम्मीद जगी है। इस बीच, निर्मल ज़िले में औसत वर्षा 17.9 मिमी दर्ज की गई। कुल मिलाकर, ज़िले में 1 जून से 27 जुलाई के बीच 310 मिमी वर्षा हुई, जबकि इसी अवधि में सामान्यतः 426 मिमी वर्षा होती है, जो 25 प्रतिशत की कमी दर्शाती है।

स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस की जीत, दिशा बदलने की कुंजी : केटीआर

वारंगल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने ज़ोर देकर कहा कि केवल पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने ही अतीत में पिछड़े वर्गों (बीसी) के साथ न्याय किया है और भविष्य में भी उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व में प्राथमिकता देते रहेंगे। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने का मतदाताओं से आग्रह करते हुए, उन्होंने कहा कि केवल एक मज़बूत जनादेश ही कांग्रेस सरकार को उसकी जगह दिखाएगा और सुधार सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने रविवार को 'गिफ्ट अ स्माइल' पहल के तहत परकला में महिलाओं को सिलाई मशीनें और केसीआर किट वितरित करने के बाद ज़ोर देकर कहा, कल अकेले केसीआर पिछड़ा वर्ग के साथ खड़े रहे और कल बीआरएस उनका वाजिब हक सुनिश्चित करेगा। इस कांग्रेस सरकार को तभी पटरी पर लाया जा सकता है जब बीआरएस स्थानीय निकाय चुनावों में भारी जीत हासिल करे।

कांग्रेस सरकार पर तीखा निशाना साधते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस वारंगल के काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और धमकी में लिप्त है। उन्होंने कुछ कांग्रेसी मंत्रियों और विधायकों पर 25,000 नौकरियों का वादा करने वाली केआईटीईएक्स जैसी बड़ी कंपनियों को केवल उनके अनुशंसित उम्मीदवारों को ही नौकरी देने की धमकी देने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, कांग्रेस की गुंडागर्दी तेलंगाना से उद्योगों को दूर धकेल रही है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेताओं के कमीशन के लालच के कारण टेक्सटाइल पार्क के अंदर नहर के लिए परियोजना का अनुमान 137 करोड़ रुपये से बढ़कर 297 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस आगामी विधानसभा सत्र में इन अनियमितताओं को उठाएगी तथा कहा कि कांग्रेस का कुप्रबंधन वारंगल के औद्योगिक विकास को पटरी से उतार सकता है और हजारों स्थानीय युवाओं को रोजगार से वंचित कर सकता है।

रामाराव ने अधूरी कल्याणकारी योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पर हर महिला का 50,000 रुपये बकाया है, जबकि उसने 2,500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का वादा किया था, लेकिन उनकी सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को दिए गए 3,000 करोड़ रुपये में से केवल 300 करोड़ रुपये ही जारी किए। उन्होंने आगे कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार परकला विधानसभा क्षेत्र में 3,000 गृहलक्ष्मी लाभार्थियों को अदालती आदेशों के बावजूद स्वीकृत धनराशि जारी किए बिना परेशान कर रही है। उन्होंने विधानसभा के अंदर और बाहर उनके हितों के लिए लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने यूरिया, उर्वरक और बीजों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, जो मुख्यमंत्री किसानों को बुनियादी जरूरतें भी नहीं दे सकता, उसे पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने तेलंगाना के स्वाभिमान और विकास के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

मानसून ड्रीम्स का आयोजन

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तनुश्री शंकर डांस कंपनी द्वारा उत्कृष्ट नृत्य बैले की एक शाम, मानसून ड्रीम्स, का आयोजन चौरंगी द्वारा तारामती बारादरी में किया गया। तनुश्री शंकर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एक महान नृत्यांगना और कोरियोग्राफर हैं और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हैं। शाम के पहले भाग में उनकी क्लासिक नृत्य रचनाएं जैसे गणेश वंदना, शिव, सेरेनिटी, कोर्ट डांस, क्लाउड, वृष्य विहार और एमिटी प्रस्तुत की गईं। कई नृत्य रचनाएं तनुश्री शंकर के दिवंगत पति, महान आधुनिक संगीतकार आनंद शंकर की अनूठी और विशिष्ट धुनों पर आधारित थीं।

दूसरे भाग में, 'चिरंतन' नामक एक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें रवींद्रनाथ टैगोर की विशाल कला-संग्रह से कुछ अंश प्रस्तुत किए गए, जो मानवता के स्वयं में, सत्य, प्रेम, शांति और आध्यात्मिकता में विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अमिताभ बच्चन के वर्णन और स्वर-संचालन तथा देबज्योति मिश्रा के मधुर संगीत ने इस भाग में एक विशेष रोमांच भर दिया। चौरंगी हैदराबाद में एक नए ज़माने का सांस्कृतिक मंच है जो भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत और विविधता का जश्न मनाता है। समावेशिता और नवीनता पर आधारित, यह हैदराबाद के समझदार दर्शकों के लिए ऐसी कहानियां प्रस्तुत करता है जो हमारी साझा मानवीय भावना का जश्न मनाकर लोगों को एकजुट करती हैं।

पुलिस ने सप्ताहांत जांच के दौरान 120 शराबी ड्राइवरों को पकड़ा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार रात विशेष शराब पीकर वाहन चलाने की जांच के दौरान 120 लोगों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों में 71 दो पहिया वाहन चालक, चार तिपहिया वाहन चालक, 43 चार पहिया वाहन चालक और दो भारी वाहन चालक शामिल हैं। कुल 106 व्यक्तियों में बीएसी का स्तर 35 मिग्रा/100 मिली से 200 मिग्रा/100 मिली के बीच था, आठ व्यक्तियों में बीएसी का स्तर 201 मिग्रा/100 मिली से 300 मिग्रा/100 मिली के बीच था तथा छह व्यक्तियों में बीएसी का स्तर 301 मिग्रा/100 मिली से 500 मिग्रा/100 मिली के बीच था। 120 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने मधय प्रदेश के सीएम रमेश पर निशाना साधा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी, भाजपा सांसद सीएम रमेश की इस टिप्पणी पर भड़के कि बीआरएस पार्टी भाजपा में विलय की कोशिश कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर भाजपा के साथ गठबंधन नहीं होगा। रविवार को हैदराबाद स्थित तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन की खबरें संसदीय चुनावों के दौरान आई थीं। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने स्पष्ट कर दिया था कि चाहे उनकी जान ही क्यों न चली जाए, भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि केसीआर आज भी उसी बात पर कायम हैं। उन्होंने लोगों को सीएम रमेश जैसे लोगों की बातों पर ध्यान न देने की सलाह दी। जगदीश रेड्डी ने कहा कि केसीआर ने कहा था कि भाजपा तेलंगाना के लिए काम करने वाली पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा, बीआरएस की विचारधारा अलग है और भाजपा की विचारधारा अलग है। मैं भी एक दोस्त के तौर पर रमेश के घर गया था। अगर केटीआर या मैं उनके घर जाते हैं तो इसमें क्या गलत है। जगदीश रेड्डी ने दावा किया कि सांसद रमेश दिल्ली में सीएम रेवंत रेड्डी के घर पर ठहरे हुए थे। जगदीश रेड्डी ने कहा कि रमेश ने उन्हें धमकी मिलने के बाद ही भाजपा में शामिल होने की बात कही थी। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद भी वह हमेशा आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू के समर्थक रहेंगे। उन्होंने आलोचना की कि भाजपा, सीएम चंद्रबाबू नायडू और रेवंत रेड्डी मिलकर केटीआर को बदनाम करने की अपनी योजना के तहत नाटक कर रहे हैं। जगदीश रेड्डी ने कहा कि केसीआर तेलंगाना के स्वाभिमान के प्रतीक हैं और आने वाले दिनों में देश की सरकार चलाने में केसीआर की अहम भूमिका होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर भाजपा उनके पास बीआरएस पार्टी के साथ विलय का प्रस्ताव लेकर आती है, तो भी केसीआर उसे स्वीकार नहीं करेंगे।

विद्यालय में बासी दही खाने से बीमार पड़ीं छात्राएं

नागरकुरनूल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उय्यालवाड़ा स्थित महात्मा ज्योतिभा फुले बालिका आवासीय विद्यालय की कुछ छात्राएं शुक्रवार रात भोजन करने के बाद बीमार पड़ गईं। पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद स्कूल स्टाफ ने प्रभावित छात्रों को तुरंत जिले के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक अस्पताल पहुंचे और अपने बच्चों की हालत के बारे में जानकारी ली। छात्रों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला है कि छात्र रात के खाने में परोसे गए बासी दही को खाने के बाद बीमार पड़ गए।

सोमवार को कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में सोमवार को मध्यम से भारी के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मो. दानिश ने बताया कि शनिवार को झांसी, जालौन, बांदा, उन्नाव, रायबरेली समेत बुंदेलखंड व तराई क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई। अन्य जिलों में उमस का माहौल रहा। उन्होंने बताया कि रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। बादलों की आवाजाही रहेगी। इससे कहीं धीमी तो कहीं मध्यम बारिश होगी। बुंदेलखंड, तराई क्षेत्र और उत्तराखंड से सटे अन्य जिलों में बारिश की संभावना है।

'नीतीश और उनके डिप्टी की ज्वलंत मुद्दों पर चुप्पी'

बिहार की कानून-व्यवस्था पर तेजस्वी की तीखा वार

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। गया में सामूहिक दुष्कर्म पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने बयान जारी कर राज्य में विधि-व्यवस्था की आलोचना की है। इसे उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया है। लिखा है कि- प्यारे बंधुओं और आदरणीय प्रधानमंत्री, गया में होमगार्ड की बहाली में भाग लेने आई एक बेटी बेहोश होकर गिरी और उसी बेहोशी की हालत में प्रशासन द्वारा बुलाई गई एंबुलेंस में ही उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। बिहार में इसे आप राज कहेंगे? अपराधियों द्वारा संरक्षित। राज कहेंगे?। राज कहेंगे अथवा मोदी-नीतीश का कुशासन कहेंगे? उन्होंने आगे लिखा कि मोदी-नीतीश के।

राज में प्रतिदिन माताओं-बहनों-बेटियों और मासूमों की अस्मिता को ऐसे ही लूटा जा रहा है, लेकिन मजाल है कि कोई मंत्री और उप मुख्यमंत्री अपराध, दुष्कर्म और भ्रष्टाचार की अनियंत्रित घटनाओं पर अपनी जुबान हिला सके? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके दो डिप्टी की ज्वलंत मुद्दों पर चुप्पी आपराधिक है। अगर ऐसी घटनाओं पर भी पूर्वाग्रह से ग्रस्त कथित प्रबुद्ध और न्यायप्रिय लोगों का खून नहीं खौलता तो समझो ऐसे लोग अव्वल दर्जे के घोर जातिवादी और पक्षपाती लोग हैं।

दो साल के बच्चे को एक दूसरे से छीन रहे थे पति-पत्नी मासूम की गिरकर मौत

कानपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में दंपति के बीच हुई छीनाझपटी में दो साल के मासूम की जमीन पर गिरकर मौत हो गई। वहीं, ससुरालवालों ने पति पर मासूम की हत्या का आरोप लगाया है। मासूम की मौत के बाद घर में मातम छा गया। फिलहाल, पुलिस ने बच्चे का पोस्टमार्टम करवाया है और पूरे मामले की जांच कर रही है। पति के परिजन इसको हादसा बता रहे है। वहीं, पत्नी के परिजन इसको हत्या बता कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कानपुर के सिद्धार्थनगर निवासी मनोज की शादी तीन साल पहले दीक्षा से हुई थी।

दोनों के दो साल का बेटा था जिसका नाम उन्होंने स्वास्तिक रखा था। मनोज के पिता रामबाबू के अनुसार, शादी के बाद से ही दीक्षा अक्सर मायके जाने की जिद किया करती थी, जिसकी वजह से पति पत्नी में अक्सर विवाद होता था। स्वास्तिक को बुखार आया तो पति पत्नी उसको लेकर डॉक्टर के पास गए थे। वहां से लौटने के बाद दीक्षा मायके जाने की जिद करने लगी। इस पर दोनों में विवाद हुआ और छीनाझपटी में स्वास्तिक जमीन पर गिर गया और उसके सर पर चोट आ गई। परिजन स्वास्तिक को लेकर निजी अस्पताल लेकर गए और देर रात उसकी मौत हो गई।

आगरा में पुलिस ने जब्त की लाखों रुपये की अवैध शराब

दो तस्कर भी किए गिरफ्तार

आगरा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में पुलिस ने अवैध तस्करी कर ले जाए जा रही शराब का भंडाफोड़ किया है। करीब 25 लाख रुपये की कीमत की 341 पेटी अवैध शराब बरामद की है। इस दौरान दो अभियुक्तों को भी पुलिस ने पकड़ा है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस पूछताछ कर रही है। यह शराब हरियाणा से बिहार को तस्करी कर ले जा रही थी। आगरा के थाना कमला नगर पुलिस टीम सर्विलांस और एसओजी नगर जोन की संयुक्त कार्यवाही में यह सफलता हाथ लगी है। लाखों रुपये की कीमत की शराब को पुलिस ने मंजिल पर पहुंचने से पहले ही अपने कब्जे में ले लिया है।

सपा विधायक रिजवी ने कांवड़ यात्रियों को बताया गांव के अनपढ़

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया में सपा विधायक और पूर्व मंत्री मुहम्मद जियाउद्दीन रिजवी ने हिंदुओं के आस्था पर विवादित बयान दिया है। बलिया के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित समाजवादी पार्टी के एक कार्यक्रम में सपा विधायक रिजवी ने मंच से लोगों को संबोधित करते समय भोले शंकर के भक्त और कांवड़ यात्रियों गांव का अनपढ़ और अंधविश्वासी बताया। सपा विधायक ने कहा कि कांवड़ यात्रियों पर फूल बरसाए जा रहे है। कोई आईएएस का बेटा, अमित शाह का बेटा, अनिल अंबानी का बेटा, कोई भाजपा के एमपी, एमएलए का बेटा कांवड़ यात्रा में नहीं गया। केवल वही गांव के अनपढ़ लोग जो हमें समझ नहीं पा रहे हैं। वही लोग कांवड़ यात्रा में जाते है और अंधविश्वास में फंसते है। अंधविश्वास का खात्मा तब होगा जब आप जागेंगे। वहीं सपा विधायक मुहम्मद जियाउद्दीन रिजवी के कांवड़ यात्रियों को लेकर दिये गए विवादित बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अवलेश सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे रिजवी का व्यक्तिगत बयान बताया है। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान है और यह समाजवादी पार्टी का बयान नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बयान को मैं अच्छा नहीं मानता इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए।

नीतीश कुमार ने सफाईकर्मियों को दी बड़ी सौगात

बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का होगा गठन

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने एक और बड़ी घोषणा की है। उन्होंने राज्य में बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का निर्देश दिया है। इस आयोग का कार्य सफाईकर्मियों से जुड़ी हर योजनाओं की समीक्षा कर उन्हें लागू करवाना होगा। सीएम नीतीश कुमार ने यह जानकारी एक्स पर दी। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार इससे पहले भी कई बड़ी घोषणाएं कर चुके है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मैंने बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है। यह आयोग सफाईकर्मियों के हितों से संबंधित सुझाव, उनके अधिकारों

की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देगा तथा सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने हेतु समुचित कार्रवाई करेगा।

सीएम नीतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला/ट्रांसजेंडर होंगे। यह आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कब होंगे बिहार चुनाव?

बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चुनाव प्रक्रिया को इस तारीख से पहले पूरा किया जाना है। संभावना है कि चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होंगे। चुनाव दो या तीन चरणों में संपन्न हो सकते हैं। अभी तक चुनाव आयोग ने तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसी उम्मीद है कि दिवाली और छठ जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर ही तारीखें तय की जाएंगी।

बृजभूषण के बाद दोनों बेटे योगी से मिले

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के दोनों बेटे प्रतीक और करण ने सीएम योगी से मुलाकात की। 4 दिन पहले बृजभूषण शरण सिंह भी सीएम से मिले थे। पूर्व सांसद के परिवार की एक सप्ताह में दूसरी बार योगी से मुलाकात से राजनीतिक हलकों में हलचल शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, बृजभूषण के बड़े बेटे विधायक प्रतीक भूषण सिंह आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनना चाहते हैं। सीएम योगी की सहमति के बिना प्रतीक का मंत्री बनना संभव नहीं है।

वहीं योगी और बृजभूषण की राजनीतिक अदावत का नुकसान न केवल राजनीति बल्कि व्यापार में भी बृजभूषण के परिवार को हो रहा है। बृजभूषण शरण सिंह खुद यह कह चुके हैं कि उनके बड़े बेटे प्रतीक की तुलना में छोटे बेटे एवं सांसद करण भूषण सिंह के योगी से ज्यादा अच्छे रिश्ते हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रतीक भूषण करण को साथ लेकर मुलाकात करने पहुंचे। फोटो में भी मुख्यमंत्री करण से ही संवाद करते नजर आ रहे हैं। विधायक प्रतीक भूषण ने सीएम योगी से मुलाकात को लेकर दैनिक भास्कर से कहा कि कोई पॉलिटिकल चर्चा नहीं हुई। अयोध्या और देवीपाटन मंडल से संबंधित लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में हम लोग शामिल हुए थे। इसके बाद में हम दोनों भाइयों ने सीएम से मुलाकात की थी। सीएम योगी से ढेमवा घाट संपर्क मार्ग बनाए जाने की मांग की है।

अमरनाथ एक्सप्रेस में डिलीवरीः महिला ने दिया बच्चे को जन्म

समस्तीपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर से किशनगंज जा रही एक महिला ने चलती ट्रेन में एक महिला बच्चे को जन्म दिया है। यात्रियों के सहयोग से उसे समस्तीपुर जंक्शन पर उतारा गया। इसके बाद सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया। बच्चे का वजन कम है। जिसके चलते हॉस्पिटल के स्पेशल चाइल्ड केयर सेंटर में एडमिट कराया गया है। फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

किशनगंज निवासी मोहम्मद कैशर आलम ने बताया कि साढ़ू मोहम्मद सद्दाम के साथ जालंधर की एक निजी कंपनी में काम करते हैं। साली इशरत परवीन को बच्चा होने वाला था। जिस कारण तीनों वापस घर लौट रहे थे। सभी अमरनाथ एक्सप्रेस के जनरल बोगी में सफर कर रहे थे। डॉक्टर ने सितंबर महीने में डेट दिया था। सुरक्षित डिलीवरी के लिए घर आ रहे थे।

अली के पास नकदी मिलने का दोषी कौन, 40 दिन बाद भी राज बरकरार

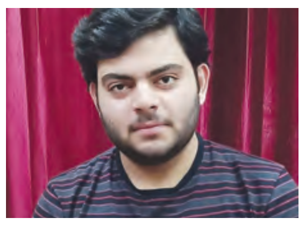

प्रयागराज, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नैनी जिला कारागार में बंद अतीक के बेटे अली अहमद के पास 1100 रुपये नकद मिलने के मामले में 40 दिन बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे में यह राज बना हुआ है कि आखिर इस मामले में दोषी कौन है। जांच अधूरी होने को लेकर तरह-तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं। घटना 17 जून की है, जब मुख्यालय से मिली सूचना के आधार पर डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव ने नैनी जेल में छापा मारा था। इस दौरान अली के पास से जेल के भीतर नकदी बरामद की गई थी। चार दिन बाद डिप्टी जेलर और एक हेड वार्डर को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद ही मुख्यालय की ओर से डीआईजी जेल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। समिति को यह पता लगाना है कि जेल के भीतर बंदी के पास नकदी कैसे पहुंची और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। अभी तक निलंबित की गई डिप्टी जेलर का बयान भी नहीं हो सका है, जिससे जांच लंबित है।

डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव का कहना है कि प्रक्रिया जारी है और जल्द ही जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपी जाएगी। डीजी जेल पीसी मीणा निरीक्षण के लिए नैनी केंद्रीय कारागार पहुंचे थे, तब उन्होंने भी यह स्पष्ट किया था कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच कब तक पूरी होगी, इस पर उन्होंने कुछ बोलने से इन्कार कर दिया था।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र 11 से, चार दिन ही चलेगी कार्यवाही

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश विधानमंडल (विधानसभा और विधान परिषद) का मानसून सत्र 11 अगस्त से शुरू होगा। सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी। माना जा रहा है कि सदन की कार्यवाही चार दिन ही चलेगी। पहले से ही सत्र के कम दिन के रहने के आसार थे। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे तथा विधान परिषद के प्रमुख सचिव डा. राजेश सिंह की ओर से

मानसून सत्र बुलाए जाने के संबंध में शनिवार को अधिसूचना जारी की गई। इस बार सरकार सत्रावसान के बाद जारी किए गए अध्यादेशों के प्रतिस्थानी विधेयक भी मानसून सत्र में पास कराएगी।

राज्य विधानमंडल के वर्ष 2025 के द्वितीय सत्र यानी मानसून सत्र की तारीखों की औपचारिक घोषणा के बाद इस पर मुहर लगी थी। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट से मानसून सत्र को मंजूरी मिलने के बाद विधानसभा सचिवालय ने कार्यवाही को लेकर तैयारी तेज कर दी है। इस बार के सत्र में सीएजी की सात रिपोर्ट पटल पर रखी जाएंगी। सरकार बजट सत्र के बाद जारी अध्यादेश व कुछ विधेयकों को मानसून सत्र में पारित कराएगी। नियमावली के अनुसार, एक सत्र की अंतिम बैठक और अगले सत्र की प्रथम बैठक के बीच अधिकतम अंतर छह माह का हो सकता है। चूंकि बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होकर पांच मार्च को स्थगित हुआ था। 12 मार्च को सत्रावसान की अधिसूचना जारी की गई थी। नियमानुसार पांच सितंबर से पूर्व नए सत्र का आयोजन हर हाल में जरूरी था। इसलिए सरकार ने 11 अगस्त से सत्र बुलाने का निर्णय लिया है।

धर्मांतरण की घटनाओं के बीच कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बिना धर्म बदले विपरीत धर्म में हुई शादी अवैध

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिना धर्म बदले विपरीत धर्म के लोगों की शादी वैध नहीं मानी जाएगी। कोर्ट ने इस तरह की शादियों को कानून का उल्लंघन बताया है। साथ ही कोर्ट ने प्रदेश के गृह सचिव को उन आर्य समाज सोसायटियों की जांच कराने का निर्देश दिया है जो विपरीत धर्म के नाबालिग जोड़ों की शादी का प्रमाणपत्र जारी कर रही हैं। मामले में 29 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट तलब की गई है।

महाराजगंज में सोनू उर्फ सहनूर के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुकदमे की पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की गई। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने सुनवाई की। वकील ने दलील दी कि पीड़िता से याची ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली है और अब वह बालिग है।

'दाल में कहीं न कहीं काला है'

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर बोले अखिलेश के सांसद हरेंद्र मलिक

लखनऊ, 27 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि पहली बार देश में उपराष्ट्रपति ने इस तरह इस्तीफा दिया है। जिस तरह इस्तीफे के बाद उन्होंने आचरण किया है उससे लगता है कि दाल में कहीं न कहीं काला है। सपा सांसद ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा आतंकी कहाँ से आये थे और कहाँ चले गये इसका आज तक कोई पता नहीं चल पाया। इतने बड़े पर्यटक स्थल पर सुरक्षा क्यों नहीं थी और इतने आराम से 26 लोगों की हत्या कर के आतंकी कैसे चले गये? भारतीय विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा की पाकिस्तान से युद्ध में दुनिया कोई देश हमारे साथ आकर खड़ा नहीं हुआ लेकिन हमें अपने देश की भारतीय सेना पर गर्व है कि उसने हमेशा अपना काम अच्छे से किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्रा पर उन्होंने कहा कि विदेश के जो नेता हैं वह जुमलों से बहकावे में नहीं आते हैं, वह नीतियों से देखते हैं विदेश नीति हमारी में कह नहीं सकता। सपा सांसद ने कहा कि अगर संवैधानिक व्यवस्था में चुनाव हुआ तो हम 2027 में यूपी चुनाव जीत जाएंगे, अब बिहार में तो एसआईआर चल रहा है इसलिए सब जगह ये चल रहा है। ईमानदारी के चुनाव में तो ये जीत नहीं सकते।

चुनाव से पहले तय हुआ लालू का सामाजिक समीकरण, किसे मिला कौन सा पद

पटना, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अपने कोर वोट बैंक का ख्याल रखते हुए सुप्रीमो लालू प्रसाद ने राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी। समिति में पांच महिलाओं समेत कुल 28 लोगों को जगह दी गई है, जिनमें से अधिकांश बिहार से हैं और पुराने चेहरे हैं। जिम्मेदारी तय करने में अनुभव और कार्यकुशलता के साथ-साथ लालू परिवार के प्रति समर्पण और निष्ठा को प्राथमिकता दी गई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री राबड़ी देवी को फिर से उपाध्यक्ष बनाया गया है। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को पहली बार यह जिम्मेदारी दी गई है, जिन्होंने स्वास्थ्य कारणों से एक बार फिर पार्टी की बिहार इकाई की कमान संभालने से इनकार कर दिया था।

तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका देने का अनुरोध करके पहले ही इसका संकेत दे दिया था। उपाध्यक्ष पद पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी को बरकरार रखा गया है। चौथे उपाध्यक्ष पूर्व सांसद महबूब अली कैसर हैं, जो पहली बार इस भूमिका में आए हैं। बिहार के पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी को एक बार फिर प्रधान महासचिव और विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह को फिर से कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन पर मजबूत पकड़ रखने वाले सिद्दीकी पार्टी से लेकर सरकार तक हर भूमिका में सुप्रीमो की कसौटी पर खरे उतरे हैं। वे लंबे समय से पार्टी के लिए रणनीति बनाते रहे हैं। सुनील लालू परिवार के इतने करीबी हैं कि राबड़ी उन्हें अपना भाई कहती हैं। राजद को संसाधन संपन्न बनाने में अब तक उनका योगदान सराहनीय माना जाता है।

उनके साथ 12 महासचिव और 10 सचिव बनाए गए हैं। कई दलों में जा चुकीं पूर्व मंत्री रेणु कुशवाहा को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल, मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव और प्रवक्ता चितरंजन यादव ने सभी पदधारियों को बधाई दी है।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए सामाजिक समीकरण को साधने की पूरी कोशिश की गई है। कोर वोट बैंक (यादव और मुस्लिम) के साथ-साथ महिलाओं और अति पिछड़े वर्ग पर खास ध्यान दिया गया है। सवर्णों को भी संतुष्ट करने की पूरी कोशिश की गई है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी से पहले लालू ने विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों का मनोनयन किया था। जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह को किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। लालू परिवार के बाद, राजद में यह दूसरा परिवार है, जिसे संगठन में दो अहम पद मिले हैं। राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सिर्फ दो चेहरे (रेणु कुशवाहा और विजय वर्मा) नए हैं। वे पति-पत्नी हैं।

ट्यूशन टीचर के साथ कमरे में पकड़ाई पत्नी

पति ने रोका तो प्रेमी संग मिलकर की हत्या

समस्तीपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया गया। पत्नी के अवैध संबंध के कारण पति की हत्या कर दी गई। मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लगुनियां रघुकंठ गांव की है। जहां, ऑटो ड्राइवर सोनू कुमार (30 वर्ष) की डेड बॉडी मिलते ही हड़कंप मच गया। इस घटना को लेकर पुलिस ने सोनू कुमार की पत्नी स्मिता झा को शक के आधार पर हिरासत में लिया है।

दरअसल, सोनू के पिता ने उसकी पत्नी पर ही हत्या करने का आरोप लगाया था। इधर, पुलिस पूरे घटना की जांच-पड़ताल में जुटी है। वहीं, पूरे घटना की जानकारी देते हुए सोनू के पिता टुनटुन झा ने बताया कि 6 साल पहले घटहो थाना क्षेत्र के माधो बिशनपुर में उनके बेटे की शादी हुई थी। शादी के बाद से ही सोनू और उसकी पत्नी स्मिता के बीच झगड़े होते थे। उनके झगड़े को लेकर पंचायत भी हुई थी। जिसमें एक बॉन्ड पेपर बनवाया गया था। सोनू और स्मिता के दो बच्चे हैं।

तीन बच्चों की मां 14 साल के लड़के संग भागी

हाथरस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में तीन बच्चों की मां पर 14 साल के नाबालिग लड़के को प्रेमजाल में फंसाकर भगाने का आरोप लगा है। लड़के के पिता ने आरोप लगाया- महिला हमारी जानकार है। अक्सर हमारे घर आती-जाती रहती थी। हम नहीं जानते थे कि वो इतना घिनौना काम करेगी। हमें बस हमारा बेटा वापस चाहिए। मामला चदपा क्षेत्र के अल्हेपुर चुरसैन का है। गांव निवासी राजेंद्र ने बताया कि उन्होंने अपनी छोटी बेटी की शादी अलीगढ़ के जलाली में जयपाल के घर में की है। जयपाल और उसकी पत्नी पूनम के तीन बच्चे हैं। रिश्तेदारी होने के नाते जयपाल की पत्नी पूनम का राजेंद्र के घर आना जाता था।

इस दौरान राजेंद्र के नाबालिग बेटे से पूनम की जान पहचान बढ़ गई। दोनों में प्रेम हो गया। जब प्यार परवान चढ़ा तो भागने का फैसला कर लिया। पीड़ित राजेंद्र का आरोप है कि पूनम, उनके छोटे बेटे को बहलाफुसला कर भगा ले गई है। राजेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी चन्दपा ने बताया कि जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मीडिया को जानकारी देते हुए पीड़ित पिता ने बताया कि मेरी छोटी बेटी की ननद मेरे छोटे बेटे को बहला फुसलाकर ले गई है। हम लोगों ने काफी तलाश की मगर उसका पता नहीं चला।

नाबालिग साली को भगा ले गया जीजा, पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल

ग्रेटर नोएडा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में युवक पत्नी ससुराल में छोड़कर नाबालिग साली को बहला फुसला कर भगा ले गया। पीड़ित स्वजन ने आरोपित के खिलाफ नाबालिग के अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने जल्द नाबालिग को बरामद कर आरोपितों को गिरफ्तार करने का स्वजन को आश्वासन दिया है। क्षेत्र निवासी पीड़ित पिता का कहना है कि आरोपित अशोक की उनके पड़ोस में सुसराल है। आरोपित पिछले काफी समय से जब भी अपनी सुसराल आता था। उनके घर भी आना जाना रहता था।

आरोपित उनके स्वजन से मोबाइल फोन पर भी बातचीत करता था। इसी बीच आरोपित ने उनकी बेटी को झांसे में ले लिया। पीड़ित का कहना है कि आरोपित सोमवार को अपनी पत्नी को छोड़ने सुसराल आया था। इसी बीच मौका पाते ही चुपके से उनकी 14 वर्षीय बेटी को बहला फुसला कर ले गया। काफी देर तक बेटी नहीं दिखी तो अनहोनी की आशंका में तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से घटना की शिकायत की। प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र सिंह ने बताया आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई हैं।

बिजनेसमैन के माता-पिता को कुचलने की कोशिश

गोरखपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शहर के एक प्रतिष्ठित डॉक्टर एलबी गुप्ता पर शहर के एक बड़े बिजनेसमैन के बुजुर्ग माता-पिता पर कार चढ़ाने की कोशिश का आरोप लगा है। आरोप है कि डॉक्टर शराब के नशे में धुत थे और कार से आ रहे थे। तभी कॉलोनी में खाना खाकर टहल रहे एक बुजुर्ग पति-पत्नी को देख उन्होंने कार से कुचलने की कोशिश की। तेज रफ्तार कार देख बुजुर्ग पति-पत्नी किनारे हो गए और गार्ड रूम के पास जाकर अपनी जान बचाई। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोप है कि इस दौरान डॉक्टर ने कई बार अपनी कार बैक कर दोनों को कुचलने की कोशिश की। घटना कैंट इलाके के सिविल लाइन स्थित डीएम आवास के बगल में हरिओम नगर कॉलोनी के गेट नंबर एक की है।

पाक में फिर आ सकती है 2022 जैसी त्रासदी

सरकार ने जारी किया बाढ़ का अलर्ट

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में साल 2022 जैसी त्रासदी आने का डर है और इसे लेकर वहां की सरकार ने अलर्ट जारी किया है। अलर्ट में कहा गया है कि भारी बारिश के चलते ग्लेशियर झील में पानी का ओवरफ्लो हो गया है, जिससे झील के टूटने का खतरा है। अगर ऐसा होता है तो यह भारी तबाही ला सकता है। इससे पहले साल 2022 में भी पाकिस्तान में बाढ़ भारी तबाही लेकर आई थी और उसमें 1700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता अनवर शहजाद ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी मानसून बारिश हो रही है। इसके चलते मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि भारी बारिश से ग्लेशियर झील ओवरफ्लो होकर टूट सकती है। इससे पहले महीने की शुरुआत में अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि लगातार उच्च तापमान के कारण पहाड़ों पर ग्लेशियर पिघलने की रफ्तार तेज हो गई है।

इस्राइल ने वरिष्ठ हिजबुल्ला कमांडर को मार गिराया

लेबनान, 27 जुलाई (एजेंसियां)। इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बिंट जेबिल सेक्टर में हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर अली अब्द अल-कादर इस्माइल को मार गिराया। आईडीएफ ने कहा कि इस्माइल दक्षिणी लेबनान में आतंकवादी संगठन के पुनर्वास के प्रयासों में शामिल था। इस बीच इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ड्रूज समुदाय के आध्यात्मिक नेता शेख मुआफाक तारिफ के घर का दौरा किया और सीरिया में अपने भाइयों की सहायता करने का संकल्प लिया। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, जूलिस गांव का दौरा करते हुए, काट्ज ने कहा कि सेना दक्षिणी सीरिया के ड्रूज समुदाय के लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी। बता दें कि ड्रूज समुदाय पर इस महीने की शुरुआत में बेडौइन जनजातियों ने घातक हमले किए थे।

पाक के कोयला खदान में दम घुटने से 3 की मौत

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को कोयला खदान में दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना के बाद अधिकारी और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतकों की पहचान रहीमुल्लाह, असलम खान और शेर रहमान के रूप में हुई है। सभी शांगला जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि औरकजई जिले की खदान में ऑक्सीजन की भारी कमी के कारण खनिकों की मौत हुई है। ऑक्सीजन की कमी के कारण और सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन की जानकारी जुटाई जा रही है। एक विशेषज्ञ ने कहा कि यह त्रासदी पूरे पाकिस्तान में कोयला खदानों में खराब सुरक्षा स्थितियों को लेकर चल रहीं चिंताओं को उजागर करती है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा में, क्योंकि यह क्षेत्र देशभर की कोयला खदानों में बड़ी संख्या में मजदूरों की आपूर्ति के लिए जाना जाता है।

रूस और यूक्रेन में हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत

कीव, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन के बीच रात भर चले हवाई हमलों में दोनों देशों के दो-दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के दक्षिणी नीपर और उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्रों पर रॉकेट और ड्रोन से संयुक्त हमला हुआ। नीपर क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। उधर, रूस में यूक्रेनी ड्रोनों ने रात भर कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। कार्यवाहक गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने कहा, यूक्रेन की सीमा से लगे रोस्तोव क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई।

दक्षिण-पूर्वी ईरान में कोर्ट पर बंदूकधारियों के हमले, 6 की मौत

तेहरान, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी ईरान की एक अदालत भवन पर बंदूक और ग्रेनेड से हमले में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। ईरान की सरकारी टीवी ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने यह दिल दहला देने वाला हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने देश के अशांत दक्षिणी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में हुई सशस्त्र झड़प में तीन बंदूकधारियों को मार गिराया। इसमें किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं बताई गई है। सरकारी टीवी ने कहा कि हमला प्रांत की राजधानी जाहेदान में हुआ।

गाजा जंग में भूख से 124 मौत, इनमें 81 बच्चे

गाजा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। गाजा में इजराइल-हमास जंग को शुरू हुए 22 महीने हो चुके हैं। अब तक इस लड़ाई की वजह से 124 लोग भूख से मारे गए हैं, जिनमें से 81 बच्चे हैं। जुलाई महीने में ही भूख से 40 लोगों की मौत हुई, इनमें 16 बच्चे हैं। गाजा में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों ने बताया कि वहां 50 ग्राम के बिस्किट की कीमत 750 रुपए है। नकद पैसे निकालने के लिए 45% तक कमीशन देना पड़ता है। हालात इतने खराब हैं कि लोग नमक खाकर और पानी पीकर काम चला रहे हैं। एक पत्रकार ने बताया कि 21 माह में उनका वजन 30 किलो घट गया, वे थकान, चक्कर से जूझते हैं।

दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े नासिर अस्पताल में काम करने वाले एक हेल्थ अधिकारी का कहना है कि गाजा में सभी भुखमरी के संकट से जूझ रहे हैं। कुपोषण से मरने वाले बच्चों की

संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि गाजा में जब युद्ध शुरू हुआ तो अस्पताल से सबसे ज्यादा संख्या हवाई हमलों में घायल होने वाले लोगों की होती थी, लेकिन अब उनकी जगह कुपोषण के शिकार बच्चों ने ले ली है। वहीं, यूएन का कहना है कि गाजा में एक तिहाई आबादी को कई दिनों में एक बार भोजन नसीब हो रहा है।

गाजा में भुखमरी को देखते हुए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा- 'बंधकों की रिहाई से पहले तत्काल युद्धविराम करना चाहिए। गाजा के नागरिकों को बिना किसी देरी के भोजन और पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इजराइल को अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता कानून के तहत अपने दायित्वों को निभाना चाहिए।' वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमास शांति नहीं चाहता, बल्कि 'मरना चाहता है।' उन्होंने इजराइल से गाजा में 'मकसद पूरा करने' और सैन्य अभियान तेज करने को कहा है। ट्रम्प ने कहा, 'अब वक्त आ गया है कि इजराइल हमास का सफाया करे। उन्हें इसे साफ करना होगा।' यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मध्यस्थता से अलग हो गया है।

गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस (जीएमओ) ने पिछले महीने इजराइली आर्मी पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप लगाया था। जीएमओ का कहना था कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने फिलिस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें ऑक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। जीएचएफ को इजराइली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। जीएमओ ने कहा था कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजराइल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है।

ड्रग तस्करी में 5 भारतीय गिरफ्तार एक को लगी गोली

कांठमाड़ू, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पिछले 24 घंटों में नेपाल के विभिन्न हिस्सों से मादक पदार्थ रखने के आरोप में पांच भारतीयों को गिरफ्तार किया है। ब्राउन शुगर ले जा रहे एक तस्कर को पुलिस कार्रवाई के दौरान बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने भारत के बिहार राज्य के किशनगंज जिला निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद इस्लाम को सुबह पूर्वी नेपाल के झापा जिले के भद्रपुर में गोली मारी।

नेपाल पुलिस के नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रवक्ता जनक बहादुर शाही ने बताया कि इस्लाम के पास से 110 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। उसका भद्रपुर के प्रांतीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एक अन्य घटना में भारत के पूर्वी चंपारण निवासी 37 वर्षीय सेख सबीलाख्तर को चितावन जिले के राप्ती में 671 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा जांच के दौरान उसके भारतीय पंजीकरण नंबर प्लेट वाले ट्रक के ड्राइवर केबिन के ऊपर एक नकली डिब्बे से गांजे के 43 पैकेट बरामद किए गए। सबीलाख्तर हिरासत में है। तीसरी घटना में झापा जिले के कचनकवल से तबसुन आरा समेत तीन लोगों को 58 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया। उनके साथ एक महिला भी मिली।

लड़कियों के काले कपड़े-दुपट्टा उतरवाया

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा; टी-शर्ट लेने गई तो 2 मिनट की देरी से छूटा एग्जाम, लड़कों से बेल्ट-जूते निकलवाए

रायपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा (एबीए25) शुरू हो चुकी है। रायपुर में 90 परीक्षा सेंटर बनाए गए है। सुबह 10:30 बजे के बाद एग्जाम हॉल का गेट बंद कर दिया गया। देर से आने वाले अभ्यर्थियों को एंट्री नहीं मिली। वे बाहर ही खड़े रहे। परीक्षा का समय सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक रहेगा। एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले कड़ी जांच की गई। इस दौरान डार्क कपड़ा पहने आई युवती को एंट्री नही दिया गया। 2 मिनट देरी से पहुंची कैंडिडेट बाहर खड़ी रही। सेंटर के बाहर स्टूडेंट से बेल्ट भी उतरवाए गए। वहीं, काले रंग के कपड़े और दुपट्टा भी उतरवाया गया। बता दें कि प्रदेश भर में संचालित परीक्षा के लिए 900 सेंटर बनाए गए है।

एक कैंडिडेट ने बताया की डार्क कलर का कपड़ा पहन कर आई थी जिसके बाद उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। तब उसने बाजार से एक नई शर्ट खरीदी। वापस सेंटर आते तक 10:32 मिनट हो गए। जिसके बाद गेट बंद कर दिया गया, और अंदर प्रवेश नहीं दिया गया।

कुछ कैंडिडेट काले रंग के दुपट्टे और काले रंग के कपड़े में आए थे जिसके बाद उनसे काले दुपट्टे उतरवाए गए और काले रंग का कपड़ा भी बदलवाया गया। परीक्षा केंद्रों पर नकल रोकने के लिए सभी सेंटर पर जैमर लगाए गए हैं। इसके साथ ही हर परीक्षार्थी की हैंड मेटल डिटेक्टर और तलाशी की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी महिला पुलिसकर्मी ही लेंगी। परीक्षा प्रारंभ होने से आधा घंटा पहले और समाप्ति के अंतिम आधा घंटा में परीक्षा केंद्र से बाहर निकलना वर्जित होगा।

वॉलमार्ट स्टोर में लोगों पर हुआ चाकू से हमला, 11 घायल

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकाः मिशिगन की ट्रैवर्स सिटी के वॉलमार्ट स्टोर में कम से कम 11 लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिनमें से छह की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में संदिग्ध हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। ग्रैंड ट्रावर्स काउंटी के शेरिफ माइकल शीया ने संवाददाताओं को बताया कि इस हमले में कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं। 'मुनसन हेल्थकेयर' अस्पताल ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि उत्तरी मिशिगन स्थित उनके अस्पताल में सभी 11 घायलों का इलाज किया जा रहा है और सभी को चाकू लगने से चोटें आई हैं। अस्पताल की प्रवक्ता मेगन ब्राउन के अनुसार, रात तक छह घायलों की हालत नाजुक थी, जबकि पांच की हालत गंभीर बनी हुई थी।

जमशेदपुर में दो फ्लैटों से उजागर हुआ धर्मांतरण रैकेट, पुलिस की छापामारी में सात हिरासत में

रांची, 27 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के औद्योगिक नगर जमशेदपुर में धर्मांतरण से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित दो फ्लैटों में गुपचुप तरीके से धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। जहां करीब 70 लोगों को विभिन्न प्रलोभनों के जरिए धर्मांतरण के लिए बरगलाया जा रहा था। यह खुलासा तब हुआ जब स्थानीय लोगों को इन फ्लैटों में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली। इसके बाद हिंदू संगठनों द्वारा विरोध जताया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर सात लोगों को हिरासत में ले लिया।

फिलहाल इन सभी से थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि धर्मांतरण की यह पूरी प्रक्रिया एक संगठित नेटवर्क के तहत संचालित हो रही थी, जिसमें न केवल झारखंड के चाईबासा और सरायकेला जिले बल्कि पड़ोसी राज्यों ओड़िशा और पश्चिम बंगाल से भी कुछ लोग जुड़े हुए थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या में नाबालिग बच्चों को भी शामिल किया गया था। बताया जा रहा है कि इन बच्चों और अन्य लोगों को झूठे सपने, आर्थिक सहायता और बेहतर जीवनशैली का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए बरगलाया जा रहा था।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह गुप्त गतिविधि काफी समय से संचालित हो रही थी, लेकिन इसकी भनक अब जाकर लगी। कुछ लोगों को फ्लैटों में बार-बार जुट रही भीड़ और बाहरी लोगों की आवाजाही पर शक हुआ, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ा। स्थानीय संगठनों के विरोध और सूचना के बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई और गोलमुरी क्षेत्र के दो फ्लैटों पर छापा मारा, जिससे इस पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

बॉर्डर पर फिर दागे गए गोले, चौथे दिन भी थाइलैंड-कंबोडिया के बीच तनाव

बैंकाके 27 जुलाई (एजेंसियां)। कंबोडिया थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आज संघर्ष का चौथा दिन है, लेकिन दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़पें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीजफायर की अपीलों के बावजूद सीमा क्षेत्र में भारी गोलाबारी जारी रही। सुबह होते ही सीमा के आसपास तोपों की गूंज सुनाई देने लगी, जिससे आम लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया।

रिपोर्ट के अनुसार, रविवार (27 जुलाई, 2025) तड़के सीमा पर फिर से झड़प शुरू हो गई। कंबोडिया का सम्रोंग शहर, जो सीमा से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित है, वहां भी

धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों देशों की सेनाएं कितनी भारी गोलाबारी कर रही हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब दोनों देशों के बीच युद्ध विराम के लिए कूटनीतिक कोशिशें तेज हो चुकी हैं। हालांकि, रविवार की गोलाबारी से यह साफ हो गया है कि जमीन पर तनाव अभी भी बरकरार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया था कि थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं के साथ बातचीत के बाद दोनों देशों में जल्द सीजफायर हो सकता है, लेकिन उनके इस बयान के कुछ ही घंटों बाद सीमा पर गोलाबारी फिर से शुरू हो गई। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फूमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट जल्द ही मुलाकात कर संघर्ष विराम की दिशा में कदम उठाएंगे। हालांकि, रविवार सुबह बॉर्डर पर भारी गोलाबारी ने इस दावे को कमजोर कर दिया है, जिससे यह साफ हो गया कि जमीनी हकीकत अब भी बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच यह विवाद नया नहीं है। दोनों देशों के बीच कुल 817 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसके कई हिस्सों को लेकर विवाद जारी है। खासतौर पर 11वीं सदी का ऐतिहासिक प्रीह विहेयर मंदिर, जिसे 2008 में यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया था, विवाद का केंद्र बना हुआ है। यह मंदिर पहाड़ी इलाके में स्थित है और रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने इस मंदिर को कंबोडिया का हिस्सा माना था। लेकिन थाईलैंड ने इस फैसले को पूरी तरह से नहीं स्वीकारा। तभी से यह इलाका दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है, जो आज भी हिंसा और झड़पों के रूप में सामने आ रहा है।

अमेरिकी जनरल कुरिल्ला को पाक का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान

पाकिस्तान को आतंकवाद से लड़ने वाला कहा था, भारत ने विरोध जताया था

इस्लामाबाद, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं। रिपोर्ट् के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है। जनरल कुरिल्ला ने पिछले महीने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया था। तब उन्होंने कहा था कि अमेरिका को पाकिस्तान और भारत दोनों से रिश्ते रखने होंगे।

ये बाइनरी स्विच नहीं है कि एक से रिश्ता रखेंगे तो दूसरे से नहीं रख सकते। हमे रिश्तों के फायदों को देखना चाहिए। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सीमा पार आतंकवाद का हालिया उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने 2 आदमियों के साथ किया बलात्कार, अदालत ने तीन मामलों में पाया दोषी

मेलबर्न, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सांसद ने दो अलग-अलग घटनाओं में एक शख्स के साथ बलात्कार किया और एक अन्य शख्स का यौन उत्पीड़न किया। ये दोनों ही घटनाएं दो साल के अंतराल में हुईं। न्यू साउथ वेल्स के कियामा से 44 साल के सांसद गैरेथ वार्ड को डाउनिंग सेंटर जिला अदालत में जूरी ने दोषी ठहराया। रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने 2013 में एक 18 साल के शख्स के खिलाफ अभद्र हमले के तीन मामलों में और 2015 में एक 24 साल के शख्स के साथ बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के एक मामले में दोषी पाया।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि दोनों अजनबी व्यक्तियों की गवाही आश्चर्यजनक रूप से एक जैसी थी। हालांकि, बचाव पक्ष का कहना था कि आरोप मनगढ़ंत थे। क्राउन प्रॉसिक्यूटर मोनिका नोल्स ने कहा, समान व्यवहार, समान परिस्थितियां, एक ही व्यक्ति, एक ही निष्कर्ष।

यह कोई संयोग नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2013 में सांसद ने कथित तौर पर नशे में धुत किशोर को अपने साउथ कोस्ट स्थित घर पर बुलाया और पीड़ित के विरोध के बावजूद एक ही रात में तीन बार उस पर हमला किया। दो साल बाद, इसी तरह की एक घटना में एनएसडब्ल्यू संसद भवन में एक कार्यक्रम के बाद नशे में धुत एक कर्मचारी के साथ बलात्कार किया गया। वार्ड ने 2015 में कथित बलात्कार की घटना से इनकार किया है और तर्क दिया है कि दूसरा शिकायतकर्ता 2013 की घटना को गलत तरीके से याद कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में फिर हुआ भारतीय पर हमला

पहले कलाई काटी फिर पीठ में घोंपा छुरा; रीढ़ की हड्डी में आया फ्रैक्चर

मेलबर्न, 27 जुलाई (एजेंसियां)। आयरलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। हमलावरों ने एक और भारतीय युवक को निशाना बनाया है। 4-5 आरोपियों ने बीच सड़क पर उसे लहूलुहान करके छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित शख्स का नाम सौरभ आनंद है, जिसकी उम्र 33 वर्ष बताई जा रही है। ऑस्ट्रेलियन टुडे के अनुसार सौरभ को कई गंभीर चोटें आईं हैं। चोट इतनी ज्यादा थी कि इसका हाथ काटने तक की नौबत आ गई थी। यह घटना 19 जुलाई की शाम तकरीबन 7:30 बजे की है। सौरभ घर के नजदीकी मेडिकल स्टोर पर कुछ दवाईयां लेने गया था। मेडिकल स्टोर से घर लौटते हुए वो अपने दोस्त से फोन पर बात कर रहा था। तभी 5 लोगों ने उसे घेर लिया। इससे पहले की सौरभ कुछ समझ पाता एक आरोपी उसकी जेब की तलाशी लेने लगा और दूसरे ने उसके सिर पर जोर से घूंसा मारा और सौरभ नीचे गिर गया। सौरभ ने खुद का बचाव करते हुए दोनों हाथ उठा लिए। मगर, आरोपी यहीं नहीं रुके। उनमें से एक आरोपी ने जेब से धारदार चाकू निकाली और सौरभ की कलाई पर वार कर दिया। तभी एक चाकू मेरी कलाई से होकर गुजरी। दूसरा वार मेरे हाथों पर किया गया और तीसरा वार हड्डियों पर हुआ। आरोपियों ने पीछे से सौरभ की पीठ में चाकू घोंप दिया, जिससे सौरभ की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर आ गया। सौरभ दर्द और खून से लथपथ कराह रहा था। वो किसी तरह वहां से भागा और लोगों से मदद की गुहार लगाई। सौरभ नजदीकी अस्पताल में पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने फौरन उसका इलाज शुरू किया। इस घटना में सौरभ का हाथ बुरी तरह से चोटिल हो चुका था। डॉक्टरों को लगा उसका हाथ निकालना पड़ेगा।

ट्रंप का बड़ा आरोप: कमला हैरिस ने हॉलीवुड स्टार्स को चुनाव प्रचार के बदले करोड़ों दिए

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। इस बार उनका निशाना उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कई मशहूर हस्तियां हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक पार्टी ने मशहूर सितारों को प्रचार के लिए करोड़ों डॉलर की भुगतान किए। उन्होंने इसे पूरी तरह से अवैध बताते हुए अभियोजन की मांग की है। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर दावा

किया कि डेमोक्रेट्स ने गायिका बियॉन्से को प्रचार के बदले 1.1 करोड़ डॉलर, टेलीविजन होस्ट ओप्रा विन्फ्रे को 30 लाख डॉलर और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता अल शार्पटन को 6 लाख डॉलर दिए। उन्होंने कहा कि इन हस्तियों ने कोई ठोस काम नहीं किया और उनके समर्थन भी वास्तविक नहीं थे। ट्रंप ने कहा कि यह सब प्रचार के लिए भुगतान था और यह पूरी तरह गैरकानूनी है।

ट्रंप ने लिखा कि कल्पना कीजिए अगर राजनेता समर्थन खरीदने लगें, तो क्या होगा? अराजकता फैल जाएगी। कमला और अन्य जिन्होंने भी भुगतान किया या पैसे लिए, उन्होंने कानून तोड़ा है और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। ट्रंप का आरोप है कि ये भुगतान प्रचार के खर्च में भी सही तरीके से नहीं दर्ज किए गए और रिकॉर्ड में गड़बड़ी की गई है।

ट्रंप के इस नए हमले के पीछे उनका यह भी दावा है कि डेमोक्रेट्स उनका ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जेफरी एपस्टीन केस से जुड़ी जांच को "पोलिटिकल कॉन्सपिरेसी" बताया और कहा कि यह उनके बेहतरीन छह महीने के प्रशासनिक कामों से लोगों का ध्यान हटाने की चाल है। ट्रंप ने इसे जेफरी एपस्टीन स्कैम करार दिया है।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को आदेश दिया है कि एपस्टीन और घिसलीन मैक्सवेल से जुड़ी ग्रैंड ज्यूरी की गवाही को सार्वजनिक किया जाए। यह फैसला तब आया जब ट्रंप के समर्थकों समेत कई राजनीतिक नेताओं ने अधिक पारदर्शिता की मांग की। ट्रंप का कहना है कि इन दस्तावेजों के सामने आने से यह "झूठा घोटाला" खत्म हो जाएगा। ट्रंप के आरोपों ने अमेरिका की राजनीति में समर्थन को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी है। क्या किसी से समर्थन के बदले भुगतान करना अपराध है? यह सवाल अब कानून और राजनीति दोनों के दायरे में बहस का विषय बन गया है। अगर ट्रंप के दावे सही साबित होते हैं, तो डेमोक्रेटिक पार्टी और कई चर्चित चेहरों के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 28 जुलाई - 2025

विरोधी तेवर के कारण पहेली बनते चिराग पासवान

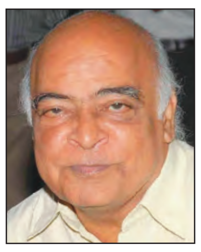

अशोक भाटिया

एनडीए की पार्टनर लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल के सदस्य चिराग पासवान अपने अलहदा तेवर के कारण अबूझ पहेली बन गए हैं। वे नरेंद्र मोदी सरकार पर अंगुली उठाने से परहेज नहीं करते। नीतीश कुमार से पंगा उनकी पुरानी पहचान है। हालांकि वे उनसे बड़े अपनेपन के साथ मिलते भी रहे हैं। एनडीए की विरोधी विपक्षी पार्टियों के सुर में सुर मिलाने से वे परहेज नहीं करते। बिहार में अपराध को लेकर चिराग की चिंता ठीक वैसी ही दिखती है, जैसे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव और जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर चिंतित दिखते हैं। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार की कब्र खोदने में दिन-रात एक किए बिहार का भ्रमण कर रहे प्रशांत किशोर और चिराग पासवान का परस्पर प्रेम भी झलकता रहा है। दोनों एक-दूसरे की प्रशंसा ऐसे करते हैं, जिससे बिहार में एक नए सियासी गठबंधन की आहट का भ्रम होने लगता है।

बिहार में इस साल विधानसभा का चुनाव होना है। जाहिर है कि चिराग की पार्टी भी इस चुनाव में उतरेगी। उनके पास बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के कंसेप्ट के अलावा कोई मुद्दा तो है नहीं। यही वजह है कि वे बिहार में क्राइम की स्थिति पर विपक्ष की तरह नीतीश कुमार की सरकार पर हमलावर हैं। उन्हें कभी बिहार लहूलुहान लगता है तो कभी प्रशासन अपराध नियंत्रण में पूरी तरह फेल नजर आता है। वे कहते हैं कि प्रशासन निकम्मा हो गया है। हत्या, बलात्कार जैसे अपराध हो रहे हैं। इसे चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। यह संभव है, लेकिन अपराधों पर अंकुश लगाना तो प्रशासन का ही काम है। प्रशासन इसमें फेल है। बिहार के लोगों के लिए यह स्थिति भयावह है। उन्हें इस बात पर दुख है कि वे ऐसी सरकार का समर्थन कर रहे हैं। अपराध को लेकर चिराग सीएम नीतीश कुमार को पत्र भी लिख चुके हैं। बताया जाता है कि चिराग जो कुछ बोल रहे हैं, उसके पीछे सिर्फ और सिर्फ एक ही कारण है। कैसे उनकी पार्टी को एनडीए में ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलें। इसके लिए उन्होंने दबाव का यह अनोखा तरीका अपनाया है। हालांकि उनके इस तरीके के केंद्र में नीतीश कुमार ही हैं, जिनसे वे 2020 में भी पंगा ले चुके हैं। चिराग कहते हैं कि उन्हें खत्म करने की कोशिश होती रही है। उनकी पार्टी में विभाजन कराया गया। परिवार को विभाजित किया गया। उन्हें बम से उड़ाने की साजिश रची जा रही है। वे खुद विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करते हैं और सभी 243 सीटों पर कैंडिडेट उतारने की बात करते हैं। उन इलाकों में सभाएं कर रहे हैं, जहां एनडीए के दूसरे नेताओं का प्रभाव माना जाता है। वे सरकार की आलोचना विपक्ष की तरह करते हैं। एनडीए के खिलाफ बिहार में अलख जगा रहे जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर से अपने मधुर रिश्तों की बात बताते हैं। वे यह भी कहते हैं कि वे एनडीए नहीं छोड़ेंगे। उनकी इस तरह की विरोधाभाषी बातों से कन्फ्यूजन स्वाभाविक है। जानकार मानते हैं कि उनका सारा खेल टिकटों के लिए है।

साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकु जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। ऐसा भी समझा जाता है कि इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं? इसी कारण शायद चिराग बिहार सरकार कि आलोचना करने से भी नहीं डर रहे। बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के मामले पर चिराग पासवान ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'ऐसी घटनाएं उस सरकार में हो रही हैं, जिसकी पहचान सुशासन की है।

मैं भी उस सरकार का समर्थन कर रहा हूं। यह वाकई चिंता का विषय है। मैं इस सवाल से भागने की कोशिश नहीं करूंगा, न ही हमारी सरकार को ऐसा करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर इतनी बड़ी घटना शहरी इलाकों में खुलेआम होती है, अगर इतने पॉश इलाके में होती है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। मैं सरकार के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के भी संपर्क में हूं... लेकिन ऐसी घटनाएं हमारी चिंता बढ़ाती हैं .... अगर परिवार (गोपाल खेमका का) डरा हुआ है, तो यह जायज है। यह ऐसा परिवार है जिसने पहले भी इसका सामना किया है। क्या स्थानीय प्रशासन ने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई?..... यह प्रशासन की जिम्मेदारी थी।'चिराग पासवान ने कहा कि हत्या चाहे राजधानी पटना में हो या बिहार के किसी दूर-दराज के गांव में, सरकार को कानून-व्यवस्था के लिए जवाहदेह होना पड़ेगा। चिराग ने कहा कि सरकार जवाबदेही से भाग नहीं सकती। शहरी इलाके में खुलेआम घटना घट जाती है। थाना बगल में था, अधिकारी उसी इलाके में रहते हैं। इतने पॉश इलाके में ऐसी घटना घट जाती है तो चिंता का विषय है। सुशासन के राज में अपराधियों को इतना बल कहां से मिल गया ये हमें देखना होगा। सरकार को गंभीर होना होगा। लोजपा प्रमुख ने कहा कि बिहार में डोमिसाइल नीति लागू होनी चाहिए, मैं इसके समर्थन में हूं। उन्होंने तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना कहा, 'बिहार में 2023 में जब महागठबंधन की सरकार थी तो उस वक्त राजद के उपमुख्यमंत्री और राजद के शिक्षा मंत्री थे, जिन्होंने डोमिसाइल नीति को समाप्त किया।' चिराग के चुनाव लड़ने पर आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले ही एनडीए में सिर फुटव्वल शुरू हो गई है और मुख्यमंत्री पद के कई दावेदार हो गए हैं। तिवारी ने कहा कि एलजेपी(आर) अब चिराग पासवान को सीएम कैंडिडेट बता रही है और जेडीयू-बीजेपी नीतीश कुमार को सीएम कैंडिडेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए में चिराग की पार्टी की लगातार उपेक्षा हो रही है।राजनीति के जानकारों का मानना है कि चिराग की यह रणनीति एनडीए की सुनियोजित चाल हो सकती है. दरअसल, बीजेपी बहुत हद तक नीतीश कुमार पर निर्भर है, ऐसे में चिराग पासवान को तेजस्वी यादव की युवा अपील और आक्रामक छवि की काट के रूप में इस्तेमाल कर रही हो. चिराग की दलित और पासवान वोटों (लगभग 6%) पर पकड़ और उनकी 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की छवि उन्हें युवा मतदाताओं के बीच आकर्षक बनाती है. दूसरी ओर, कुछ का मानना है कि चिराग अपनी मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षा को पोषित कर रहे हैं. हाल के सर्वे में उनकी लोकप्रियता 10.6% रही जो नीतीश (18.4%) और तेजस्वी (36.9%) से कम है, लेकिन प्रशांत किशोर (16.4%) से ज्यादा है. चिराग पासवान की यह रणनीति एनडीए को मजबूत करने के साथ-साथ जदयू को दबाव में रख सकती है. उनकी आलोचना से नीतीश की 'सुशासन' छवि को नुकसान हो सकता है जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है. वहीं, तेजस्वी यादव पर हमले महागठबंधन के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं. हालांकि, अगर चिराग की यह रणनीति बैकफायर करती है तो एनडीए की एकता खतरे में पड़ सकती है जैसा कि 2020 में हुआ था. चिराग की युवा अपील और आक्रामक शैली उन्हें भविष्य का बड़ा नेता बना सकती है, लेकिन अभी उनकी असल मंशा एक रहस्य बनी हुई है.

भारत की जीत से तिलमिलाया चीन

प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव यात्रा को लेकर जो सफलता मिली है वह चीन को बिल्कुल भी रास नहीं आ रहा है। चीन के सरकारी मीडिया आउटलेट ग्लोबल टाइम्स में लिखे लेख में पीएम मोदी के मालदीव दौरे को लेकर चीनियों की छटपटाहट साफ दिखाई दे रही है। उसकी छटपटाहट देख लगने लगा है कि उसे काफी मिर्ची लगी है। चीनी सरकार के भोंपू मीडिया ने पीएम मोदी की यात्रा को मिले मीडिया कवरेज को लेकर अपनी भड़ास निकाल कर इसकी आलोचना की है। पीएम मोदी मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। चीन की बेचैनी का कारण भी यही है। बता दें कि साल 2023 में मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव का दौरा करने वाले पहले विदेशी नेता हैं। चुनाव के दौरान इंडिया आउट अभियान चलाकर राष्ट्रपति की कुर्सी पर पहुंचे मुइज्जू सत्ता पाने ही मालदीव को पुराने दोस्त भारत से किनारा कर चीन की तरफ झुकने में लग गए थे। समय की नजाकत को देखते हुए उस समय चीन ने भी उससे अपेक्षा से ज्यादा मदद करने की पहल की। लेकिन मुइज्जू को जल्द ही समझ आ गया कि भारत को दुश्मन बनाकर मालदीव का विकास किसी भी हालत में होना असंभव है। बगैर भारत के उसका काम नहीं चल सकता है। ऐसे हालात में मुइज्जू ने यू टर्न लेते हुए भारत को मनाने का उपाय शुरू किया। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा को चीन पर भारत की कूटनीतिक जीत बताना चीन को रास नहीं आ रहा है। ग्लोबल टाइम्स ने भारत में छपे लेखों का हवाला देते हुए लिखा है कि 'मुइज्जू का यू-टर्नः इंडिया इन, चाइना आउट।' इसमें कहा गया है कि मुइज्जू अब भारत को विश्वसनीय मित्र मानने लगे हैं। इसीलिए वे प्रोटोकॉल तोड़कर पीएम मोदी के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर बिछे लाल कालीन पर खुद खड़े मिले। मालदीव में पीएम मोदी के भव्य स्वागत को देख कर जिस तरह से हताश चीनी अखबार ने मालदीव को संप्रभु राष्ट्र बताकर अपनी इज्जत बचाने की कोशिश की है, वह भी किसी से छुप नहीं सका है। सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि मालदीव स्वाभाविक रूप से पड़ोसी भारत के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देना चाहता है। साथ ही एक विविध विदेश नीति का सक्रिय रूप से पालन करता है, जिसमें चीन के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना और चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से जुड़ना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि यह मालदीव के हितों की पूर्ति करता है। उनकी प्रतिक्रिया में ही उनकी तिलमिलाहट छुपी हुई स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

योगेश कुमार गोयल

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्यम्भावी है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

इंटरनेट पर इज्जत की हिफाजत जरूरी

सचिन त्रिपाठी

इक्कीसवीं सदी ने मनुष्य को तकनीक का वो वरदान दिया है जो समय, स्थान और सीमाओं के बंधनों को चीरकर उसे एक नई दुनिया से जोड़ता है वर्चुअल दुनिया से। यह एक ऐसी दुनिया है जहां भावनाएं भी स्क्रीन के पीछे से बहती हैं, रिश्ते भी डिजिटल स्पर्श से बनते हैं और संवाद भी कृत्रिम स्नेह से सजते हैं परंतु इसी चमत्कारी तकनीक की छाया में एक अंधकार भी है। यह एक ऐसा अंधकार जो भयावह है, निर्मम है, और दिन-ब-दिन विस्तार पा रहा है। उसी अंधेरे का नाम है सेक्सटॉर्शन।

'सेक्सटॉर्शन' दो शब्दों से बना है 'सेक्स' और 'एक्सटॉर्शन'। अर्थात यौन संबंधों से जुड़ी निजी सामग्री का प्रयोग कर किसी को ब्लैकमेल करना। यह एक नूतन अपराध है, जो इंटरनेट की ख़ामोश गलियों में पलता है और किसी भी उम्र, लिंग या वर्ग के व्यक्ति को अपना शिकार बना सकता है। सोशल मीडिया, वीडियो कॉल्स, चैटिंग ऐप्स इन सबके माध्यम से अपराधी चुपचाप पीड़ित की दुनिया में प्रवेश करता है, विश्वास के वस्त्र पहनकर छल की नींव रखता है, और फिर उसी विश्वास को औज़ार बनाकर आत्मा को घायल करता है।

कल्पना कीजिए, एक युवती अपने मोबाइल स्क्रीन पर किसी अनजान प्रोफाइल से जुड़ती है। संवादों का सिलसिला शुरू होता है, भावनाएं जुड़ती हैं, और फिर एक दिन एक वीडियो कॉल, एक अश्लील क्षण, जो रिकॉर्ड कर लिया जाता है। अगले ही पल प्रेम और संवाद की सारी इमारत ढह जाती है। सामने अपराधी होता है धमकी देते हुए, पैसे की मांग करते हुए, और कभी-कभी यौन सेवाओं तक की अपेक्षा करते हुए। यह कोई कल्पना नहीं, यह आज का यथार्थ है।

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़े बताते हैं कि 2021 से 2024 के बीच साइबर अपराधों में 120% की वृद्धि हुई है जिनमें सेक्सटॉर्शन के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग के अनुसार, वर्ष 2022 में केवल सेक्सटॉर्शन से संबंधित 5000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश पीड़ित 18 से 35 वर्ष की महिलाएँ थीं। हरियाणा के गुरुग्राम साइबर सेल के अनुसार, वर्ष 2023 में 800 से अधिक मामले सामने आए, और चिंता की बात यह है कि इनमें से अधिकतर मामलों में अपराधी विदेशी गिरोहों से जुड़े थे।परंतु सेक्सटॉर्शन की भयावहता केवल आंकड़ों में नहीं छिपी. वह तो उस टूटे हुए विश्वास में है जो एक पीड़ित के मन में पलता है। किशोर, युवा, नवविवाहित पुरुष, वरिष्ठ नागरिक इस अपराध का कोई एक निश्चित चेहरा नहीं है। यह छल वहीं पनपता है जहां विश्वास होता है। जो सोशल मीडिया पर सहज हैं, वे अधिक असुरक्षित हैं। जो डिजिटल दुनिया के कायदे-कानून नहीं जानते, वे सबसे आसान निशाना हैं। इस अपराध की मार सिर्फ आर्थिक नहीं होती, यह मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक त्रासदी में बदल जाती है। पीड़ित अवसाद में चला जाता है, आत्महत्या तक के विचार करता है। वर्ष 2022 में एनसीआरबी के अनुसार, 40 से अधिक आत्महत्याएं केवल ऑनलाइन यौन ब्लैकमेलिंग से जुड़ी थीं। पीड़ित समाज से कट जाता है, रिश्तों पर से विश्वास उठ जाता है, और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि बदनामी के डर से अधिकांश पीड़ित शिकायत ही नहीं दर्ज कराते।

सेक्सटॉर्शन के तरीके भी बेहद चालाक हैं कभी नकली प्रोफाइल बनाकर, कभी भावनात्मक जुड़ाव के बहाने, तो कभी किसी के मोबाइल या लैपटॉप से उसकी निजी तस्वीरें चुराकर, और कई बार ब्रेकअप के बाद प्रतिशोध स्वरूप अंतरंग सामग्री को लीक कर देने के रूप में।भारत में ऐसे अपराधों से निपटने के लिए आईटी एक्ट, 2000 की धारा 66ई, 67, 67ए, आईपीसी की धारा 354C (वॉयेरिज्म), 509 (शब्दों से महिला का अपमान), 384 (जबरन वसूली) आदि लागू होती हैं। यदि पीड़ित नाबालिग हो तो पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया जा सकता है परंतु, आज भी सेक्सटॉर्शन को परिभाषित करने वाला कोई विशेष कानून नहीं है जो इसके बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कानूनविदों को चिंतित करता है।

समाधान क्या है? सबसे पहले जागरूकता। हमें अपने बच्चों, छात्रों और युवाओं को यह सिखाना होगा कि इंटरनेट पर मित्रता, प्रेम या आत्मीयता उतनी ही असुरक्षित हो सकती है जितनी एक अजनबी गली में किसी पर भरोसा करना। स्कूलों और कॉलेजों में 'साइबर सुरक्षित व्यवहार' को शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। दूसरा, सामाजिक समर्थन। पीड़ित को शर्म का नहीं, सहानुभूति और कानूनी सहारे का अधिकार मिलना चाहिए। तीसरा, सत्ता की सक्रियता। सरकार, पुलिस, न्यायपालिका और तकनीकी संस्थाओं को एकजुट होकर इस खतरे से लड़ना होगा।यह अपराध एक अदृश्य युद्ध की तरह है, जहाँ हथियार तकनीक है, मैदान सोशल मीडिया है और युद्ध की कीमत एक इंसान की आत्मा, उसकी गरिमा और उसका आत्मबल है।

विश्व हेपेटाइटिस दिवसः एक दिन नहीं, हर दिन का अभियान

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

एक अदृश्य हत्यारा, जो बिना आवाज़ किए लाखों जिंदगियों को निगल जाता है। वह चुपके से जिगर को खोखला करता है, सपनों को कुचल देता है, और परिवारों को बिखेर देता है। यह है हेपेटाइटिस—एक ऐसी बीमारी, जो न दर्द की चेतावनी देती है, न ही कोई आहट। जब तक इसका पता चलता है, तब तक बहुत कुछ छिन चुका होता है। हर साल 28 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व हेपेटाइटिस दिवस हमें इस खामोश शत्रु के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता है। यह दिन केवल जागरूकता का प्रतीक नहीं, बल्कि एक संकल्प है—एक स्वस्थ, हेपेटाइटिस-मुक्त विश्व के निर्माण का। यह उन लाखों लोगों की पुकार है, जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं, और उन अनगिनत परिवारों की उम्मीद, जो अपने प्रियजनों को खो चुके हैं। हेपेटाइटिस यकृत (लिवर) की सूजन है, जो मुख्य रूप से पांच प्रकार के वायरस, ए, बी, सी, डी और ई, के कारण होती है।

इनमें से हेपेटाइटिस बी और सी सबसे खतरनाक हैं, जो विश्व स्तर पर लिवर सिरोसिस और लिवर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग 35.4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और सी से पीड़ित हैं, और हर साल करीब 13 लाख लोग इस बीमारी के कारण अपनी जान गंवाते हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां अनुमानित 4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 1.2 करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी से प्रभावित हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इनमें से 80% से अधिक लोगों को अपनी बीमारी का पता तब तक नहीं चलता, जब तक यकृत को गंभीर क्षति न हो जाए। यह एक ऐसी बीमारी है जो चुपके से हमला करती है, और जब तक लक्षण जैसे त्वचा का पीलापन (जॉन्डिस), थकान, भूख न लगना, या पेट दर्द उभरते हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हेपेटाइटिस का प्रसार कई रूपों में होता है। हेपेटाइटिस ए और ई दूषित भोजन और पानी के माध्यम से फैलते हैं, जो खराब स्वच्छता और अपर्याप्त जल प्रबंधन का परिणाम हैं। वहीं, हेपेटाइटिस बी और सी का प्रसार संक्रमित रक्त, असुरक्षित यौन संबंध, साझा सूइयों, असुरक्षित चिकित्सा प्रक्रियाओं और जन्म के दौरान माता से शिशु में होता है। हेपेटाइटिस डी केवल हेपेटाइटिस बी से संक्रमित लोगों को प्रभावित करता है, जिससे बीमारी और जटिल हो जाती है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती इसकी मौन प्रकृति है। शुरुआती लक्षण इतने सामान्य होते हैं—थकान, हल्का बुखार, भूख में कमी—कि लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। जब गंभीर लक्षण सामने आते हैं, तब यकृत को अपूरणीय क्षति हो चुकी होती है, और इलाज की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। विश्व हेपेटाइटिस दिवस का उद्देश्य इस बीमारी के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, जांच और उपचार को बढ़ावा देना, और इसे समाप्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाना है। डब्ल्यूएचओ ने 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस को एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसके लिए तीन प्रमुख रणनीतियां अपनाई गई हैंः टीकाकरण, सुरक्षित चिकित्सा प्रथाएं, और प्रभावी उपचार तक पहुंच। हेपेटाइटिस बी का टीका, जो 1982 में विकसित हुआ, इस दिशा में एक वरदान है। यह टीका 95% से अधिक प्रभावी है और नवजात शिशुओं को जन्म के 24 घंटों के भीतर पहला डोज देना अनिवार्य है। भारत में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत यह टीका मुफ्त उपलब्ध है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी इसे प्रभावी बनाने में बाधा डालती है। हेपेटाइटिस सी के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन प्रत्यक्ष-अभिनय एंटीवायरल दवाएं 95% से अधिक मामलों में पूर्ण इलाज प्रदान करती हैं।

भीषण या भीष्म

डॉ टी महादेव राव

बाज़ार जा रहा था कि रास्ते में चिरकुट भाई मिल गया । अब लगा सुबह नींद से जागते ही मैंने अपने खुद का चेहरा आईने में देखा था, यह उसी का परिणाम है। प्रणाम भैया कहकर वह रुक गया, मुझे रोकते हुये। बोलो भाई क्या चल रहा है। भैया चलिये चाय पीते हुये बतियाएंगे। मेरे जवाब का इंतज़ार किए बिना ही वह सामने रेस्तारेंट में मेरा हाथ पकड़े खींचता चला आया। आज दोपहर घर में फिर बनेगा आलू और श्रीमती बन जाएंगी गुस्साई भालू। सोचते सोचते एक कुर्सी पर बैठ गया। सामने चिरकुट भाई विराजे। चाय पीते पीते बोला वह – मेरे दिमाग में एक नई बात बिलकुल फ्रेश बात आई है भैया। बोलूँ। और वह बोलने लगा – हमारे अगुआ, प्रधान, मुखिया को देखते ही लगता है कि भीष्म पितामह फिर से पैदा हो गए। और बस उसी तरह ज़िंदगी बिता रहे हैं। भीष्म पितामह तीन तीन रूपों में, अगुआ, प्रधान और मुखिया के रूपों में। अरे कोई ट्रिपल रोल है क्या चिरकुट। सुना! बड़ा अच्छा जा रहा है। सुना। थोड़ा गुस्साया सा वह बोला – तीन नहीं हैं भैया। एक ही हैं। हमें उनके प्रति श्रद्धा अधिक है न, इस वास्ते हमने तीन अलग अलग नाम लिए। अंधभक्ति का परिणाम सामने देखते देखते मैं चाय सुड़क रहा था। ठान लिया कि आज इस चिरकुट की मैं बखिया उधेड़ता हूँ। एक तो दिन खराब कर रहा है दूसरे दिमाग का दही बनाने पे तुला है। चिरकुट! यह बता तूने भीष्म पितामह को देखा है क्या? कब और कैसे? भैया आप भी कभी कभी न मेरे मेहरारू सरीखे बहुते भोले लगते हो। अब का बताएं। हमने रामायण जो सीरियल आया है न, उसमें देखे हैं। अरे पगले। रामायण नहीं। उसमें सफ़ेद दाढ़ी में तुमने या तो जनक को देखा होगा या दशरथ को। रामायण में भीष्म कहाँ से आ गए। कुछ भी बकता है। महाभारत में होगा, महाभारत सीरियल में देखा होगा। हाँ भैया। वो क्या है न? लोक डाउन समय दोनों ही सीरियल देखे थे न एक साथ, शायद इसलिए हम कन्फ़्यूजिया गए। आप जैसा बुद्धू जीवी कहते हैं तो महाभारत ही होगा। अबे बुद्धूजीवी नहीं रे बुद्धिजीवी । वही तो आपके साथ रहकर हम न काफी सीखते हैं भैया! ठीक है। अब बताओ क्या कह रहे थी भीष्म पितामह के बारे में, अगुआ, प्रधान, मुखिया के भक्त? हाँ जिस तरह भीष्म पितामह थे हमारे अगुआ भी वैसे ही हैं। बिलकुल कॉपी। सफ़ेद बाल, मूँछें, दाढ़ी और भौंह भी सफ़ेद। हाँ । मान लिए। लेकिन चेहरा मोहरा, जीवन के अन्य लक्षण कहाँ मिलते हैं? चेहरा भी तो उनका शक्तिमान जैसा नहीं लगता आपको? नहीं लगता। शक्तिमान तो मुकेश खन्ना था, उसका चेहरा तो किसी से नहीं मिलता। तुम कैसे चेहरा मिलाने लगे हो? अरे वही भैया जो भीष्म बने थे, वही तो शक्तिमान बने थे न? ठीक है। अब बताओ क्या कह रहे थी भीष्म पितामह के बारे में, अगुआ, प्रधान, मुखिया के भक्त? हाँ जिस तरह भीष्म पितामह थे हमारे अगुआ भी वैसे ही हैं। बिलकुल कॉपी। सफ़ेद बाल, मूँछें, दाढ़ी और भौंह भी सफ़ेद। हाँ । मान लिए। लेकिन चेहरा मोहरा, जीवन के अन्य लक्षण कहाँ मिलते हैं?

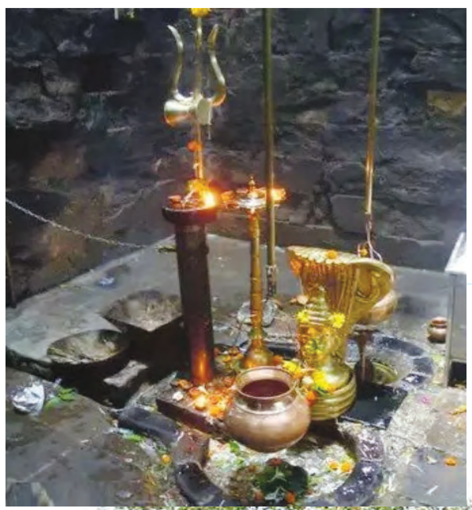

अंबरनाथ शिव मंदिर का अभूतपूर्व इतिहास

अंबरनाथ शिव मंदिर 11वीं शताब्दी में बना था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यह महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अंबरनाथ शहर में स्थित है। यह मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला और सुंदर मूर्तियों के लिए जाना जाता है। अंबरनाथ शिव मंदिर महाराष्ट्र, भारत में स्थित एक प्रमुख हिन्दू मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और भक्तों के बीच बहुत ही प्रसिद्ध है। यह स्थान भगवान शिव के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है और महाशिवरात्रि के उत्सव के दौरान लाखों शिव भक्त इसे दर्शन के लिए आते हैं। अंबरनाथ मंदिर का निर्माण 11 वीं सदी में हुआ था और इसे चंदेल वंश के राजा अंगदेव ने बनवाया था। मंदिर के पास एक छोटा सा तालाब है जिसे कुंभ का कुंड कहा जाता है। अंबरनाथ मंदिर में अलंकरण और पूजा का विशेष महत्व है। यहां शिवलिंग को सफेद चादर से ढ़ांका जाता है और विशेष धूप, चंदन, और पुष्प चढ़ाया जाता है। अंबरनाथ मंदिर का दौरा करने के बाद भक्त आस-पास के स्थलों पर भी जा सकते हैं, जैसे कि राजघाट, कालिया कहर, और काशीविश्वनाथ मंदिर। यहां के पास एक बड़ी बाजार भी है जहां भक्तों को शिवलिंग की मूर्तियाँ, पुष्प, और पूजा सामग्री आदि उपलब्ध होती हैं। अंबरनाथ शिव मंदिर 11वीं शताब्दी में बना था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यह महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अंबरनाथ शहर में स्थित है। यह मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला और सुंदर मूर्तियों के लिए जाना जाता है।

वास्तुकलाः यह मंदिर नागर शैली में बनाया गया है। मंदिर का गर्भगृह जमीन के नीचे है और मंडप से लगभग 20 सीढ़ियां नीचे है। मंदिर का शिखर अधूरा है। मंदिर के बाहरी भाग में कई सुंदर मूर्तियाँ हैं, जिनमें भगवान शिव, गणेश, पार्वती और नंदी की मूर्तियाँ शामिल हैं।

महत्वः अंबरनाथ शिव मंदिर एक महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला और सुंदर मूर्तियों के कारण पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय है।

त्यौहारः महाशिवरात्रि, शिवरात्रि और गणेश चतुर्थी जैसे कई त्यौहार इस मंदिर में मनाए जाते हैं। महाशिवरात्रि के त्योहार के दौरान, मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ होती है।

अन्य जानकारीः

स्थानः अंबरनाथ, ठाणे, महाराष्ट्र

निर्माण कालः 11वीं शताब्दी

देवताः भगवान शिव

वास्तुकला शैलीः नागर शैली

महत्वः धार्मिक और पर्यटन स्थल

त्यौहारः महाशिवरात्रि, शिवरात्रि, गणेश चतुर्थी

अंबरनाथ शिव मंदिर के बारे में कुछ रोचक तथ्यः

- यह मंदिर एक ही पत्थर से बनाया गया है।
- मंदिर का शिखर अधूरा है।
- मंदिर के बाहरी भाग में कई सुंदर मूर्तियाँ हैं।
- यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है।
- यह मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला और सुंदर मूर्तियों के कारण पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय है।

अंबरनाथ शिव मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है। इस समय मौसम सुखद होता है और दर्शकों को मंदिर घूमने में आसानी होती है। आप इस मंदिर सड़क और रेल दोनों मार्गों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्गः

अंबरनाथ शिव मंदिर मुंबई और ठाणे से सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्गः अंबरनाथ शिव मंदिर के पास अंबरनाथ रेलवे स्टेशन है। यह स्टेशन मुंबई और ठाणे से कई ट्रेनों से जुड़ा हुआ है।

अंबरनाथ शिव मंदिर के आसपास के दर्शनीय स्थलः अंबरनाथ किला, अंबरनाथ झील, वाल्धुनी नदी, कल्याण-डोंबिवली, ठाणे

भगवान शिव की लीला, अप्सरा को देखने के लिए हुए पंचमुख, प्रकट हुआ तीसरा नेत्र

भगवान शिव की आरती करते हुए आपने कई बार शिवजी को पंचानन कहा होगा यानी जिनके पांच मुख है। शिवजी का पांच मुख के साथ प्रकट होना शिवलीला का एक भाग है जिसमें शिवजी ने अपनी योग शक्ति और दिव्य माया को प्रकट किया है। और इसकी भी एक रोचक कथा है। शिवजी के पंचमुख होने की कथा का जिक्र महाभारात के अनुशासन पर्व में बताया गया है इसके अलावा भी कई स्थानों पर पंचमुख शिव का वर्णन मिलता है। और इस कथा में एक अप्सरा का नाम भी आता है जिनकी सुंदरता ने जग को मोहित कर लिया था। ब्रह्माजी ने भगवान शिव की प्रेरणा से ही सृष्टि की सबसे उत्तम और सुंदरतम वस्तुओं को लेकर एक स्त्री का निर्माण किया और उसे नाम मिला तिलोत्तमा अप्सरा। और इसी अप्सरा के कारण भगवान शिव को अपनी लीला में पंचमुख रूप धारण करना पड़ा।

शिवलीला और तिलोत्तम का जन्म

सुंद और उपसुंद नामक दो असुर थे जिनके पराक्रम से सृष्टि में भय का माहौल बन गया था। देवगण भयभीत होकर भटक रहे थे। ऐसे में शिवजी की प्रेरणा से ब्रह्माजी ने असुरों के नाश के लिए एक दिव्य सुंदरी अप्सरा का निर्माण किया। उन्होंने इसके लिए संसार सृष्टि में जो भी सबसे सुंदर वस्तु थी उन सभी को एकत्रित किया और फिर उससे तिल-तिल सुंदरतम सौदर्य प्रतिमा का निर्माण किया और वह सौदर्य की मूर्ति बनकर प्रकट हुए अप्सरा तिलोत्तमा। तिलोत्तमा को देखकर देवतागण भी सम्मोहित होने लगे। इस विषय में वर्णित है कि जन्म के साथ मिला तिलोत्तमा को खास काम जब तिलोत्तमा का जन्म हुआ था तो उन्हें दो असुर भाई सुंद और उपसुंद को अपने सौंदर्य से मोहि करके उनका अंत करने का कार्य दिया गया। तिलोत्तमा सौंपे गए कार्य को स्वीकार करते हुए दिव्य सभा की परिक्रमा करने लगी। जैसे-जैसे तिलोत्तमा दिव्य सभा की परिक्रमा करती गई उन्होंने अपने मनमोहक सौंदर्य से देवताओं, गंधर्व और ऋषियों सभी को मोहित और स्तब्ध कर दिया। उनके जब तिलोत्तमा भगवान शिव के प्रति सम्मान प्रकट करने क लिए उनकी परिक्रमा करने के लिए आगे बढ़ी। तब भगवान शिव अपनी लीला दिखाते हुए अपने चार मुख प्रकट किए, कई कथाओं में कहा गया है कि शिव इस समय पंचमुख भी हो गए थे। लेकिन भगवान शिव की इस लीला से देवी पार्वती क्रोधित हो गई थीं।

माता पार्वती ने दिया तिलोत्तमा को शाप

भगवान शिव को पंचमुखी होने के साक्षी नारदजो ने जब पूरा वाक्या माता पार्वती से कहा तो वह बहुत क्रोधित हुई। माता पार्वती इतनी क्रोधित हुई की उन्होंने तुरंत ही अपनी हथेली से भगवान शिव की आंखो को ढक दिया। जैसे ही माता पार्वती ने भगवान शिव की आंखे ढकी तो पूरे ब्राह्माण्ड में अंधकार फैल गया। पूरी सृष्टि प्रलय, विनाश से हाहाकार करने लगी। देवी, देवता माता पार्वती से शिवजी की आंखों से हाथ हटाने की प्रार्थना करने लगे। लेकिन माता पार्वती किसी का आग्रह नहीं मानीं और और संसार जीव त्राहिमाम करने लगे। भगवान शिव ने तब अपनी परम लीला को प्रकट किया और शिवजी की तीसरी आंख खुल गई जिससे सृष्टि में प्रकाश फैल गया। इसके बाद देवतागण भगवान शिव की वंदना त्र्यंबक और त्रिनेत्रधारी के नाम से करने लगे।

माता पार्वती के श्राप से घबराई तिलोत्तमा

इसके बाद क्रोधित देवी पार्वती सामने खड़ी तिलोत्तमा को देखती हैं और तिलोत्तमा को कुरूप हो जाने का शाप दे देती हैं। माता पार्वती के शाप के कारण तिलोत्तमा कुरूप हो जाती है। तिलोत्तमा अपने शरीर को देखकर घबरा जाती है और माता पार्वती से दया करने का आग्रह करती हैं। तिलोत्तमा के हृदय विदारक वचन सुनकर देवी पार्वती को बहुत पछतावा हुआ।

तिलोत्तमा तब हुई शाप मुक्त

माता पार्वती ने अप्सरा तिलोत्तमा को पृथ्वी पर माघ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को पवित्र स्नान के लिए हटकेश्वर तीर्थ स्थल पर ले जाती गईं। यहां अप्सरा तिलोत्तमा देवी पार्वती के शाप से मुक्त हो गईं और फिर से तिलोत्तमा को अपनी सुंदरता वापस मिल गई।अप्सरा तिलोत्तमा स्वयं को उस पुराने आकर्षक स्वरूप में पाकर अत्यंत संतुष्ट और प्रसन्न हुईं। उन्होंने देवी पार्वती को उनकी उदारता के लिए धन्यवाद दिया और पृथ्वी लोक से ब्रह्म लोक वापस जाने की अनुमति मांगी। इससे पहले देवी पार्वती ने अप्सरा तिलोत्तमा से कहा कि वह कोई वरदान मांगे उनकी कोई एक इच्छा को वह पूरी कर देंगी। इसपर अप्सरा तिलोत्तमा ने हाटकेश्वर के पवित्र स्थल में उन्हें समर्पित एक तीर्थ की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने आग्रह किया कि देवी पार्वती हर साल सभी स्त्रियों के कल्याण के लिए उस तीर्थ में पवित्र स्नान करना चाहिए, जिससे वहां स्नान करने वाली बाकी महिलाओं को भी सौंदर्य और वैवाहिक सुख प्राप्त हो।

नागकेसर शिव को है बेहद प्रिय राहु-केतु और शनि होंगे शांत

नागकेसर फूल भगवान शिव को बेहद प्रिय होता है। इस पुष्प का ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में भी बहुत खास महत्व होता है, जिसे बेहद चमत्कारी माना गया है। ज्योतिषीय के साथ-साथ इसे आयुर्वेद में भी सेहत के लिए बहुत लाभदायक माना गया है। नागकेसर देवी-देवताओं की पूजा में प्रयोग किया जाता है, जो घर में सुख-शांति और धन-वैभव लाने वाला होता है। इसके कुछ उपाय करने से जातक को ग्रह दोष से मुक्ति मिल सकती है और जीवन के दुख भी दूर हो सकते हैं।

नागकेसर के पौधे का ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में बहुत खास महत्व होता है। यह पुष्प भगवान शिव को बेहद प्रिय होता है, जिसे घर में रखने से जातक को जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं ज्योतिषीय के साथ-साथ नागकेसर को आयुर्वेद में भी एक चमत्कारी जड़ी-बूटी माना जाता है। इसके इस्तेमाल से व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिल सकती है। कहा जाता है कि अगर नागकेसर से जुड़े कुछ उपाय कर लिए जाएं तो इससे घर में कभी भी धन-वैभव की कमी नहीं होती है और जीवन में सुख-शांति हमेशा बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको शिवजी के प्रिय फूल नागकेसर से जुड़े ज्योतिष से लेकर आयुर्वेद तक के लाभ बताने जा रहे हैं। इनसे ग्रह दोष दूर हो सकते हैं और आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सकती है।

राहु-केतु और शनि दोष दूर करने का उपाय

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार राहु-केतु और शनि दोष दूर करने के लिए नागकेसर का प्रयोग करना बहुत असरदार साबित हो सकता है। इसके लिए शनिवार के दिन एक लाल रंग के साफ वस्त्र में ताजे नागकेसर के पुष्प बांध लें। अब इसे पीपल के वृक्ष के नीचे रख दें और साथ ही, एक दीपक भी अवश्य जलाएं। ऐसा करने से जातक को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती और राहु-केतु व शनि दोष से भी राहत मिल सकती है।

धन-धान्य की प्राप्ति के लिए करें यह उपाय

अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं या घर में चल रही आर्थिक तंगी से परेशान हैं, तो इसके लिए नागकेसर से जुड़ा एक उपाय कर सकते हैं। एक सफेद रंग के साफ वस्त्र में नागकेसर के ताजे फूल, हल्दी की गांठ और गोमती चक्र बांधकर तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख दें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है और पैसों की तंगी से भी निजात मिल सकती है। इस एक उपाय से जातक को धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है।

घर में सुख-शांति बनाए रखने का उपाय

इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, कुछ नागकेसर के ताजे पुष्प और उसके बीज को घर के मंदिर में लेजाकर रख दें। साथ ही, हर कुछ समय में इन फूलों को बदलते रहे हैं। इस उपाय को करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। साथ ही, इस आसान उपाय से घर में हमेशा शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बुध और गुरु ग्रह के दोष से राहत का उपाय

कुंडली में बुध और गुरु ग्रह कमजोर होने से जातक को कारोबार और जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इनसे राहत पाने के लिए नागकेसर को चांदी की एक छोटी सी डिबिया में भर लें। अब इसे लॉकेट की तरह अपने गले में डालें। इस उपाय को करने से आपके जीवन से बुध ग्रह के बुरे प्रभाव कम हो सकते हैं और कारोबार में तरक्की हासिल होगी।

छोटे उपायों से कम होगी तकरार, शांतिमय होगा वैवाहिक जीवन

पति-पत्नी, दोनों इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय सिर पूर्व दिशा की ओर एवं पैर पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। यदि इस दिशा में सोना संभव नहीं है तो आप दक्षिण दिशा में सिर और उत्तर दिशा में पैर रखकर भी सो सकते हैं। यदि बेडरूम घर की दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में होगा तो पति-पत्नी के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। इस बात का ध्यान रखें कि उत्तर-पूर्व दिशा देवी-देवताओं का स्थान है। अतः इस दिशा में बेडरूम शुभ फलप्रद नहीं होता है। ऐसे शयन कक्ष में सोने से धन की कमी होती है और कार्यों में असफल होने की संभावनाएं बढती हैं। जिन लोगों का शयन कक्ष गलत दिशा में है, वे कमरे में हंसों के जोड़े का फोटो लगाएं। गलत दिशा में शयन कक्ष होने पर कमरे में राधा-कृष्ण का प्रेममय फोटो लगाएं। ऐसा करने पर कमरे के वास्तु दोष कम हो जाएंगे। शयन कक्ष में राधा-कृष्ण के अतिरिक्त किसी और देवी-देवता के फोटो लगाने से बचना चाहिए।

फेंगशुई के अनुसार जोड़े में मछलियां रखना भी बहुत अच्छा उपाय है, इससे ऐसी सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे पति-पत्नी के बीच आकर्षण बढता है, दांपत्य जीवन में सामंजस्य बना रहता है। इस उपाय से विवाद जैसी सभी संभावनाएं भी कम हो जाती हैं।

जिन लोगों का शयन कक्ष घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित है, उन्हें कठिन परिस्थितियों से निपटने की पूर्ण शक्ति प्राप्त होती है। ऐसे बेडरूम वाले लोग अपनी हिम्मत के बल पर पारिवारिक विवादों से मुक्ति पा लेते हैं। शयन कक्ष में ऐसी चीजों का प्रयोग करने से बचें, जो अलगाव दर्शाती हों। अपने पलंग के ठीक ऊपर छत पर बीम नहीं होना चाहिए। यदि कक्ष में ऐसी स्थिति हो तो पलंग का स्थान बदल लें। वैवाहिक रिश्तों में मधुरता के लिए पलंग पर जिस ओर आप अपने पैर रखते हैं, उसके नीचे क्रिस्टल बॉल या तराशा हुआ क्रिस्टल रखें। यदि बेडरूम में अलमारी है तो उसे शयनकक्ष की उत्तर-पश्चिम या दक्षिण दिशा में रखें।

बेडरूम में इलेक्ट्रानिक सामान को दक्षिण-पूर्व कोने में रखना शुभ रहता है। ड्रेसिंग टेबल को पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए।

यदि आप शयनकक्ष में लिखने-पढने का काम करते हैं तो इसके लिए शुभ दिशा है पूर्व, पूर्व दिशा में मुख कर अध्ययन आदि काम करेंगे तो श्रेष्ठ रहेगा।

वैसे तो बेडरूम में धन नहीं रखना चाहिए, धन रखने की घर में एक अलग गुप्त जगह होती है, लेकिन जो लोग बेडरूम में धन रखना चाहते हैं, वे इस बात का ध्यान रखें कि धन रखने की व्यवस्था शयनकक्ष की उत्तर दिशा में ही हो।

रश्मिका से अफेयर की अफवाहों के बीच रिश्ते पर विजय का बयान

जल्द ही साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' हिंदी में 'साम्राज्य' नाम से रिलीज होगी। इस फिल्म की चर्चा के बीच एक्टर का एक हालिया इंटरव्यू भी चर्चा में है। इस इंटरव्यू में वह अपनी गर्लफ्रेंड का जिक्र कर रहे हैं। बता दें कि इन दिनों विजय और रश्मिका मंदाना की डेटिंग भी चर्चा में हैं। अब तक खुलकर अपने रिश्ते को ना एक्सेप्ट करने वाले विजय ने अपने रिलेशनशिप को लेकर क्या कहा? जानिए।

विजय बोले- 'मैंने जिंदगी जीना भी सीखा है'

सिनेमा विकटन नाम के यूट्यूब चैनल से हालिया बातचीत में विजय देवरकोंडा ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बातचीत की। वह अपनों के साथ ज्यादा वक्त गुजारना चाहते हैं। विजय देवरकोंडा कहते हैं, 'रिश्ते हर चीज से ऊपर होते हैं। मैं पिछले दो साल में काफी मैच्योर हो गया हूं। मैंने जिंदगी जीना भी सीखा है। इससे पहले मैं ऐसा नहीं था।

अपनों के लिए समय निकालता हूं

वह आगे कहते हैं, 'पहले मुझे अपने मम्मी-पापा, दोस्तों और गर्लफ्रेंड के साथ वक्त गुजारने के लिए समय नहीं मिल पाता था। मुझे इस बात का अफसोस होता था। फिर मैंने सोचा कि इस अहसास के साथ नहीं जीना है। अब मैं अपने लोगों के लिए समय निकालने की कोशिश करता हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए, मम्मी-पापा के लिए, अपने रिश्तों के लिए समय निकालता हूं।'

रश्मिका से जुड़ता है विजय का नाम

विजय अब अपनी गर्लफ्रेंड के लिए वक्त निकालते हैं, मगर गर्लफ्रेंड का नाम इंटरव्यू में नहीं बोलते हैं। लेकिन पिछले कुछ साल से विजय और रश्मिका मंदाना के डेटिंग चर्चा में बनी हुई है। ऐसी खबर भी सामने आई थी ये दोनों जल्द शादी करने वाले हैं। दोनों को कॉफी डेट, डिनर डेट और वेकेशन पर साथ देखा गया है। इन सब बातों के बावजूद रश्मिका और विजय देवरकोंडा ने खुलकर अपने रिश्ते को दुनिया के सामने एक्सेप्ट नहीं किया है।

फिल्म हेरा-फेरी पर बोले सुनील शेट्टी, 'इस जनरेशन के बच्चे मुझे नहीं, 'श्याम' को पहचानते हैं'

सुनील शेट्टी ने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार किए हैं। मगर आज की जनरेशन इस एक्टर को ज्यादा पहचानती नहीं है। हाल ही में इस बारे में सुनील शेट्टी ने एक इंटरव्यू में अपनी फीलिंग्स शेयर कीं। साथ ही 'हेरा फेरी' के अपने आइकॉनिक रोल श्याम के बारे में भी चर्चा की।

फिल्म 'हेरा फेरी' में सुनील शेट्टी, परेश रावल और अक्षय कुमार की तिकड़ी ने अभिनय का ऐसा रंग जमाया कि आज भी दर्शक इनके निभाए किरदारों को याद करते हैं। हाल ही में सुनील शेट्टी ने फिल्म 'हेरा फेरी' के अपने किरदार श्याम के बारे में विस्तार से बात की। उनका कहना है कि आज की जनरेशन उन्हें नाम से नहीं किरदार से ज्यादा पहचानती है।

सुनील शेट्टी बोले- 'बच्चे मुझे श्याम के किरदार से पहचानते हैं'

हालिया बातचीत में सुनील शेट्टी कहते हैं, 'आज की जनरेशन मुझे नहीं पहचाती हैं लेकिन जब उनकी मम्मी 'हेरा फेरी' के श्याम का नाम लेती है, तो बच्चे मुस्कुराने लगते हैं। मैं सुनील शेट्टी नहीं 'हेरा फेरी' के श्याम के तौर पर नई जनरेशन में पहचाना जाता हूं। आज की जनरेशन ने मेरी फिल्में नहीं देखी हैं। लेकिन जब 'श्याम' का किरदार बता दो तो वह मुझे पहचान लेते हैं।'

डायरेक्टर के विजन के कारण

किरदार यादगार बनते हैं

सुनील शेट्टी आगे कहते हैं, 'बच्चे किसी कैरेक्टर से ही रिलेट करते हैं और यह तब हो पाता है, जब एक कमाल का डायरेक्टर अपनी कहानी और किरदार को बेहतरीन तरीके से पेश करता है। 'हेरा फेरी' का तो म्यूजिक भी कमाल का था, इसमें जो गाना 'पो पो...' था वह भी यूनीक था। इसी तरह से 'धड़कन और 'बॉर्डर' के गाने भी लोगों को याद रहते हैं। आज आप 'संदेश आते हैं...' सॉन्ग कहीं प्ले कीजिए लोग रोने लगते हैं, इमोशनल हो जाते हैं। इस तरह हमारे किरदार, पुराने गाने लोगों से जुड़ जाते हैं।'

'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे सुनील शेट्टी

'हेरा फेरी 3' को लेकर काफी चर्चा है, इस फिल्म का हिस्सा भी सुनील शेट्टी हैं। इसके अलावा वह एक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगे। हाल ही में सुनील शेट्टी की एक फिल्म 'केसरी वीर' भी रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक योद्धा का रोल किया था।

अभिनेत्री एक, रंग अनेक, कृति सेनन की इन बहुमुखी किरदारों से चमकी किस्मत

बॉलीवुड की चमकती सितारों में शामिल कृति सेनन 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में जन्मी थीं। आज कृति पूरे 35 साल की हो गई हैं। दिल्ली के संत एनसेल्म स्कूल से पढी-लिखी कृति बचपन से ही एक्टिंग के ख्वाब संजोएं रहती थीं। हालांकि ये तो हर कोई जानता है कि उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने वालीं कृति आज फिल्म जगत की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार हैं।

कृति सेनन के दमदार किरदार

मिमी

एक ऐसा किरदार जिसने कृति सेनन के करियर को नई ऊंचाइयों पर ला खड़ा किया। अवॉर्ड्स तो उन्हें उनके बहुमुखी किरदारों के चलते कई मिले थें लेकिन साल 2021 में आई फिल्म 'मिमी' एक्ट्रेस के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म में कृति ने सरोगेट मदर 'मिमी' का किरदार निभाया। उनकी मासूमियत और इमोशनल इंटेंसिटी ने दर्शकों का दिल छू लिया और आलोचक भी मुग्ध हुए। इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड और फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया।

बरेली की बर्फी

साल 2017 में आई फिल्म 'बरेली की बर्फी' में कृति सेनन ने लाइट और गुदगुदाने वाला किरदार निभाया। इस फिल्म में वो सिंपल, सी-सीधी लड़की बिट्टी मिश्रा बनीं। राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना के साथ-साथ कृति को भी काफी पसंद किया गया।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में कृति ने रोबोट का किरदार निभाकर हर किसी को हैरान कर दिया। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी, जिसे देखने के बाद क्रिटिक्स की ओर से भी कृति को जमकर तारीफ मिली।

दिलवाले

साल 2015 में आई फिल्म 'दिलवाले' जिसमें कृति ने संजना का रोल किया। इस फिल्म में एक्शन और रोमांस का बेहतरीन मिश्रण कृति सेनन के किरदार में देखने को मिला था।

दो पत्ती

हाल ही में कृति सेनन ने फिल्म 'दो पत्ती' में पॉजिटिव और नेगेटिव दोनों किरदारों को निभाकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वो अभिनेत्री के तौर पर काफी लंबा सफर तय कर चुकी हैं। इस फिल्म के लिए भी कृति ने खूब वाहवाही लूटी।

गणपत

कृति सेनन की फिल्म 'गणपत' 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बेशक ये फिल्म ज्यादा कुछ कमाल नहीं कर पाई थी लेकिन इस फिल्म में कृति के शानदार एक्शन ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा।

हीरोपंती

साल 2014 में आई ये फिल्म कृति सेनन की पहली फिल्म थी। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। टाइगर श्रॉफ के साथ इस फिल्म में कृति ने बेहतरीन काम किया था।

कृति सेनन का फिल्मी करियर

कृति ने एक्टिंग करियर की शुरुआत साउथ की फिल्म 'नेनोक्कादिने' (2014) से की, जिसमें उन्होंने महेश बाबू के साथ काम किया। ये उनके सिनेमा में पहला कदम था। इसके बाद 2014 में ही उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा अपनी डेब्यू फिल्म 'हीरोपंती' से, जिसमें उनके साथ टाइगर श्रॉफ ने पहचान बनाई। हालांकि तब फिल्म को ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन कृति ने खुद को एक अभिनेत्री के तौर पर साबित करने की शुरुआत जरूर कर दी थी।

कृति सेनन का शुरुआती संघर्ष

कृति ने एक बड़े प्रोडक्शन हाउस की फिल्म से रिजेक्शन और बॉडी-शेमिंग जैसी चुनौतियों का सामना किया था। कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक बार एक डांस सीक्वेंस करते हुए एक कोरियोग्राफर के डांटने के बाद वो रो भी पड़ी थीं। हालांकि कृति ने इस तरह की चीजों का कई बार सामना किया लेकिन कभी भी हार नहीं मानी।

कृति सेनन की पर्सनल लाइफ

कृति सेनन की पर्सनल लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रहती है। लंबे समय से चर्चा है कि वो बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। कबीर यूके स्थित ट्रैवल एजेंसी वर्ल्डवाइड एविएशन एंड टूरिज्म लिमिटेड के संस्थापक और साउथहॉल ट्रैवल के कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं।

दोनों को अक्सर साथ स्पॉट किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने अपने रिश्ते की पुष्टि आज तक नहीं की है। इससे पहले कृति का नाम कार्तिक आर्यन से भी जुड़ चुका है। इतना ही नहीं, उनका लिंकअप 'राबता' को-स्टार दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ भी हो चुका है।

कृति सेनन की नेटवर्थ

आज कृति मुंबई के जुहू क्षेत्र में एक लगभग 60 करोड़ रुपये के घर में अपने परिवार संग रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका नेटवर्थ करीब 82 करोड़ रुपये है। एक फिल्म के लिए कृति करोड़ों में चार्ज करती हैं।

ट्रोलिंग पर सख्त कानून चाहती हैं वाणी, बोलीं- हमें सोशल मीडिया को जिम्मेदार बनाना होगा

वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की।

सच कहु तो, मैं किसी प्रोजेक्ट को ये सोचकर साइन नहीं करती कि इसके बाद मुझे लाइन लग जाएंगी या बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आ जाएंगे। मेरे लिए उस कहानी और किरदार से एक इमोशनल जुड़ाव होना जरूरी होता है। ऐसी कहानियां मुझे आकर्षित करती हैं जिनमें किरदार की भावनाएं थोड़ी उलझी होती हैं। यह भी कुछ ऐसा ही था। इसमें बहुत सारी परतें थीं, बहुत कुछ एक्सप्लोर करने को था, कहानी में भी और मेरे किरदार में भी। ये एक ऐसा फिक्शनल वर्ल्ड था जो बहुत ही खूबसूरती से रचा गया था। इसमें माइथोलॉजी भी है, ड्रामा भी है और बहुत गहराई भी।

मैंने अब तक फिल्में ही की थीं, और ये मेरी पहली सीरीज है। सीरीज का मीडियम अलग होता है- जैसे फिल्म एक स्प्रिंट होती है, वैसे सीरीज एक मैराथन की तरह चलती है। इसमें एक इमोशनल कंसिस्टेंसी बनाए रखना होता है, क्योंकि आठ एपिसोड शूट करने हैं। आपको पूरे समय उसी किरदार जैसा महसूस करना होता है। ये एक तरह का मानसिक और साइकोलॉजिकल टोल भी लेता है, क्योंकि कहानी बहुत इंटेंस है।

मैं अक्सर किरदारों की बैकस्टोरी खुद लिखती हूं। जैसे उसकी जिंदगी में ऐसा क्या हुआ होगा जो उसने उसे ऐसा बना दिया। उसके आत्मविश्वास की जड़ें कहां हैं। कौन-से पल उसकी जिंदगी के बेस्ट थे और कौन-से बेहद नीचे गिरा देने वाले। मैं रोज-रोज तो नहीं लिखती थी, लेकिन डायरेक्टर्स से बात करके अपने किरदार को और गहराई से समझने की कोशिश जरूर करती थी।

फिल्मों में शूटिंग जल्दी पूरी हो जाती है। किरदार के साथ आपका रिश्ता कुछ हफ्तों का होता है। आप रोल में उतरते हैं, उसे निभाते हैं और फिर अगली फिल्म की तरफ बढ़ जाते हैं। लेकिन वेब सीरीज एक लंबा सफर होती है। इसमें किरदार के साथ महीनों बिताने होते हैं। उसकी सोच, उसका मूड, उसका हर उतार-चढ़ाव आपको लगातार निभाना पड़ता है। यही चीज इस मीडियम को और भी दिलचस्प बनाती है, क्योंकि आप एक ही किरदार में धीरे-धीरे गहराई से उतरते हैं, बतौर ऐक्टर ये बहुत कुछ सिखा जाता है।

हां, बिलकुल हुआ है। शुरू में इसका असर भी होता था, क्योंकि जो कुछ भी कहा जाता है, वो सीधा आपके दिल को लग जाता है। लेकिन धीरे-धीरे मैंने ये समझा कि हर बात को सीरियस लेना जरूरी नहीं होता। अब मैं पहचान पाती हूं कि कौन सी बात में सुधार की गुंजाइश है और कौन सी बस यूं ही बोली गई है। अगर कोई मेरे काम को लेकर कुछ कहता है, तो मैं उस पर ध्यान देती हूं। लेकिन जब कोई ऐसी बात बोले जो मेरे हाथ में नहीं हैं, तो अब मैं उसे दिल पर नहीं लेती। कभी-कभी लोग बहुत पर्सनल हो जाते हैं और यही सबसे ज्यादा तकलीफ देता है।

आजकल सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मुझे लगता है कि वहां कुछ नियम होने चाहिए। क्योंकि जो ट्रोलिंग और हेटफुल बातें कही जाती हैं, वो सिर्फ एक्टर्स को नहीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों और आम लोगों को भी बहुत परेशान करती हैं।

हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और साथ ही ये भी देखना चाहिए कि कुछ सख्त कानून बनें, ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं। आगे चलकर हमें सोशल मीडिया को एक जिम्मेदार और सुरक्षित जगह बनाना होगा।

हां, कई बार ऐसा होता है। जब आप किसी गहरे रिश्ते में होते हैं, चाहे वो दोस्ती हो या कुछ भी। अगर वो रिश्ता किसी कारणवश टूट जाए, तो सवाल तो मन में उठते हैं। क्या मेरी गलती थी, क्या सामने वाला बदल गया, या हालात ऐसे हो गए थे? हर बार क्लोजर नहीं मिलता। कभी आप वजह जान लेते हैं और कभी बस स्वीकार करना होता है कि अब ये रिश्ता यहीं तक था। मैंने सीखा है कि उस अधूरेपन को अपनाना और आगे बढ़ना ही सबसे बेहतर तरीका होता है। मैं चीजों को गहराई से महसूस करती हूं, इसीलिए बहुत सोचती हूं और अपने आसपास बहुत कम लोगों को आने देती हूं। मुझे लगता है कि अब लोग पहले से ज्यादा मुखर हो गए हैं। लेकिन पहले भी लोग इससे गुजरते थे, बस बात नहीं करते थे।

जैसे मेरी मां या मेरी बहन, शायद उन्होंने भी ऐसे लम्हों का सामना किया हो। हम फैमिली में इस पर बात करते हैं, लेकिन बाहर जाकर कभी जिक्र नहीं करते। अब मैं मानती हूं कि अगर कुछ ठीक नहीं लग रहा है, तो मदद लेना जरूरी है।

किसी थेरेपिस्ट से या किसी अपने से जिसके सामने आप खुलकर बात कर सकें। हमें दूसरों के प्रति ज्यादा दयालु होना चाहिए। हर कोई किसी न किसी लड़ाई से गुजर रहा है। अगर किसी का एक मैसेज, एक अच्छा कमेंट आपका दिन बेहतर बना सकता है, तो हम वो कर सकते हैं।

वर्ल्ड में 90 प्रभावशाली महिलाओं में से एक बनीं दीपिका

बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण लगातार कई उपलब्धियों को छू रही हैं। हाल ही में उन्हें 'द शिफ्ट' की सबसे मशहूर 90+ वुमन शेपिंग कल्चर सूची में शामिल किया गया है। इस लिस्ट में सेलेना गोमेज, एंजेलिना जोली और जोया अख्तर जैसी हस्तियों को शामिल किया गया है। इस सूची में दुनिया भर की वैश्विक प्रभाव वाली महिलाओं को शामिल किया जाता है।

दीपिका ने पोस्ट के जरिए जाहिर की खुशी

इस लिस्ट में शामिल होकर दीपिका पादुकोण काफी खुश हैं। उन्होंने अपनी खुशी का इजहार इंस्टाग्राम पर किया है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा 'द शिफ्ट हमारे भविष्य को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए आभारी हूं।'

दीपिका ने अपनी तस्वीर शेयर करते अपनी कामयाबी के बारे में लिखा है। उन्होंने कहा 'मेरे लिए, सफलता केवल पेशेवर उपलब्धियां नहीं हैं। बल्कि मैं अच्छी रहूं यह भी मेरी कामयाबी है। मेरे लिए मानसिक स्वास्थ्य, खुद की देखभाल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की तरह जरूरी है। मैं उन लोगों को प्रेरित करने की कोशिश करती हूं जो सब्र और प्रामाणिकता को अहमियत देते हैं।'

फिल्म के अलावा दीपिका ने किया बड़ा काम

इस लिस्ट में दीपिका का नाम सिनेमा से परे उनके प्रभाव को दर्शाता है। दीपिका 'लिव लव लाफ फाउंडेशन' के जरिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए काम करती हैं। इस पहल के जरिए दीपिका ने देश ही नहीं दुनिया में भी दिमागी सेहत के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने में मदद की है।

दीपिका का बॉलीवुड में काम

दीपिका अब अपनी अगली बड़ी फिल्म के लिए तैयार हैं। वह वह जल्द ही फिल्म 'AA22xA6' में नजर आने वाली हैं। इसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें दीपिका अल्लू अर्जुन के साथ अहम भूमिका में हैं।दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में भी वापसी करने वाली हैं। इसका निर्माण दिसंबर 2025 में शुरू होने की उम्मीद है।

सलमान खान ने याद की पिता सलीम खान की यह नसीहत, लिखा- 'काश मैंने बात मानी होती'

सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। पोस्ट में उन्होंने अपने पिता द्वारा दी गई नसीहत को याद किया है। इसमें उन्होंने वक्त की अहमियत बताई है। इसके साथ ही उन्होंने गलतियां नहीं करने की नसीहत दी है। पोस्ट में उन्होंने अपने पिता की बात न मानने के लिए अफसोस भी जताया है। पोस्ट पर कई यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सलमान खान ने पिता की बात को याद किया

एक्स पोस्ट में सलमान खान ने लिखा है 'आपका मौजूदा वक्त इतिहास बन जाता है। इतिहास आपके भविष्य पर हावी होता है। हालांकि मौजूदा वक्त एक उपहार है। इसलिए इस समय का सही इस्तेमाल करें। गलतियां न करें, क्योंकि इससे आपको गलतियां करने की आदत पड़ जाती है और यह आपका चरित्र बन जाता है। अपनी गलती के लिए किसी और को दोष न दें। अगर आप कुछ करना नहीं चाहते हैं तो आपसे कोई जबरदस्ती नहीं करा सकता। मेरे पिता ने ये बातें मुझसे कही थीं। यह बहुत सही हैं। काश मैंने पहले ही इन बातों पर अमल किया होता। हालांकि किसी चीज को करने के लिए कभी देर नहीं होती है।'

यूजर्स को पसंद आई सलमान की पोस्ट

सलमान खान की इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है 'सलीम साहब उन काबिल लोगों में से एक हैं जिन्होंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा और समझा है। जो कोई भी उनकी बुद्धिमानी भरी सलाह पर अमल करेगा, उसे जिंदगी में थोड़ी कम ठोकरें खानी पड़ेंगी।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'आप इस बात को अपने बच्चों को सिखाना।' पोस्ट के साथ सलमान खान ने एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह बहुत ही सिंपल नजर आ रहे हैं। उन्होंने काली टी-शर्ट पहनी है। इस पर बीइंग ह्यूमन लिखा है।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगे सलमान

सलमान खान जल्द ही अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने इस फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें कई जबरदस्त एक्शन दृश्य होने की उम्मीद है। हाल ही में फिल्म की तैयारी के बारे में पीटीआई से बात करते हुए, सलमान ने कहा था 'यह शारीरिक रूप से कठिन है। मैं वर्कआउट कर रहा हूं।'

पांच नए आईआईटी में चार वर्षों में बढ़ेंगी 6,576 सीटें

पांच नए आईआईटी जम्मू, पलक्कड़, भिलाई, तिरुपति और धारवाड़ में बीटेक, एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों में अगले चार साल तक प्रतिवर्ष औसतन 1,600 सीटें बढ़ेंगी।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत इस साल पांचों आईआईटी में बीटेक, एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों में कुल 1,364 सीटें बढ़ाई गई हैं। जम्मू में 251 सीटें बढ़ी हैं। ये सीट कंप्यूटर साइंस समेत अन्य बाजार की मांग वाले कोर वर्ग की हैं। वर्ष 2028-29 तक इन पांच नए आईआईटी में 6,576 सीटें बढ़ेगीं। इसके अलावा 130 फैकल्टी पद भी सृजित किए गए हैं। केंद्रीय बजट में नए जमाने के इन पांच आईआईटी में सीटें बढ़ाने की घोषणा की गई थी।

चार साल में 13,687 हो जाएंगी सीटें

पांचों आईआईटी में पहले वर्ष 1,364, दूसरे वर्ष 1,738, तीसरे वर्ष 1,767, चौथे साल 1,707 सीटें बढ़ाई जाएंगी। अभी इनमें 7,111 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। अगले चार साल में यहां छात्र संख्या 13,687 हो जाएगी। दस वर्षों में 23 आईआईटी में विद्यार्थियों की कुल संख्या 65,000 से बढ़कर 1.35 लाख हो गई है। उद्योग-अकादमिक संबंधों की मजबूती के लिए पांच अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाए जाएंगे।

रोजगार में भी होगा इजाफा

नई सीटें रोजगार व मार्केट डिमांड वाले उभरते प्रौद्योगिकी विषयों में बढ़ाई जा रही हैं, ताकि डिग्री से पहले छात्रों के पास रोजगार का बेहतर हुनर व कौशल हो। क्लासरूम, हॉस्टल, फैकल्टी समेत अन्य सुविधाएं बढ़ाने पर भी काम शुरू हो गया है। इन पर 11,828.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शिक्षकों के साथ कर्मचारी, शोधकर्ता, सहायक कर्मियों की भी भर्ती होगी। स्नातक व स्नातकोत्तर में सीट बढ़ने से इनोवेशन और स्टार्टअप में भी इजाफा होगा।

विज्ञान के मेधावी छात्रों के लिए शानदार मौका! 429 अंक वालों को मिलेगी यह स्कॉलरशिप

इंटरमीडिएट में विज्ञान विषय से अच्छे अंक लेकर पास हुए हैं और अब साइंस से आगे की पढ़ाई कर रहे हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार की एक खास योजना के तहत ऐसे मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। विज्ञान क्षेत्र में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वर्ष 2025 के इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए इन्सपायर स्कॉलरशिप योजना शुरू की है।

मेधावी छात्रों के लिए सुनहरा मौका

यह योजना उन छात्रों के लिए है जिन्होंने इंटर में न्यूनतम 429 अंक (500 में से) प्राप्त किए हैं और अब बेसिक या नेचुरल साइंस विषयों जैसे गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन, बॉटनी या जूलॉजी आदि में स्नातक या इंटीग्रेटेड पोस्टग्रेजुएट कोर्स में प्रवेश लिया है।

इन्सपायर फेलोशिप क्या है?

यह फेलोशिप भारत सरकार की एक विशेष योजना है, जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा चलाया जाता है। इसका उद्देश्य देश में वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देना है। यह फेलोशिप उन छात्रों के लिए है जो मास्टर डिग्री (विज्ञान/इंजीनियरिंग) या चिकित्सा क्षेत्र में

स्नातक/मास्टर डिग्री के बाद डॉक्टरेट (Ph.D.) करना चाहते हैं।

इसमें बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, मेडिकल, फार्मेसी, एग्रीकल्चर जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना योग्य छात्रों को रिसर्च के लिए प्रोत्साहित करती है और आर्थिक सहायता भी प्रदान करती है।

ऐसे करें आवेदन

जो छात्र इन्सपायर स्कॉलरशिप के लिए पात्र हैं, वे मंत्रालय की वेबसाइट www.online.inspire.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ-साथ छात्रों को "एलीबिलीटी नोट" या "एडवाजरी नोट " भी अपलोड करना होगा, जिसे माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in से रोल नंबर डालकर डाउनलोड किया जा सकता है। वेबसाइट के सक्रिय होने पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

सरकार ने सभी स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट किया अनिवार्य, शिक्षा मंत्रालय ने जारी किए कड़े निर्देश

शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था और बच्चों के लिए सुविधाओं की जांच के लिए अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट करवाने का निर्देश जारी किया है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल भवन के ध्वस्त होने की दर्दनाक घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें सात बच्चों की मौत हो गई और 28 घायल हुए।

सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों को तुरंत कदम उठाकर छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करनी होगी। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुसार स्कूलों और बाल संबंधित सुविधाओं का अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट, कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण और परामर्श व सहकर्मी नेटवर्क के जरिए मानसिक समर्थन शामिल है।"

उन्होंने बताया कि भवन की संरचनात्मक मजबूती, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास मार्ग और विद्युत वायरिंग की जांच बेहद जरूरी है। साथ ही कर्मचारियों और छात्रों को बचाव अभ्यास, प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा नियमों की जानकारी होनी चाहिए।

नियमित प्रशिक्षण व अभ्यास कराने का भी दिया सुझाव

शिक्षा मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों जैसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, फायर सर्विस, पुलिस और मेडिकल एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाने और नियमित प्रशिक्षण व अभ्यास कराने का भी सुझाव दिया है।

सिर्फ शारीरिक सुरक्षा ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक भलाई पर भी जोर देते हुए मंत्रालय ने स्कूलों में परामर्श सेवाओं, सहकर्मी सहायता प्रणालियों और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की बात कही है।

किसी भी जोखिमपूर्ण स्थिति, दुर्घटना या बच्चे से जुड़ी खतरे की घटना को 24 घंटे के भीतर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के प्राधिकारी को रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। देरी या लापरवाही की स्थिति में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

असुरक्षा की सूचना देने के लिए किया प्रोत्साहित

मंत्रालय ने अभिभावकों, समुदाय के नेताओं और स्थानीय संस्थाओं को भी सतर्क रहने और स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों या बच्चों के परिवहन में असुरक्षा की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित किया है। अधिकारी ने कहा, "शिक्षा विभाग, स्कूल बोर्ड और संबद्ध प्राधिकारी बिना विलंब इन सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें।"

भविष्य में सर्वाधिक मांग वाली नौकरियाँ

जैसे-जैसे संगठन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, पर्यावरण परिवर्तन, वैश्विक जुड़ाव और रिमोट वर्कर के उदय के व्यवधानों से अधिक प्रभावित होते हैं, उन्हें अपनी पेशकश की जाने वाली नौकरी को लगातार संशोधित करना होगा। कोई भी भविष्य का पूरी तरह से अनुमान नहीं लगा सकता है या 10 साल के समय में अर्थव्यवस्था और समाज की क्या ज़रूरतें हो सकती हैं, इसलिए जबकि आप निश्चित रूप से यह नहीं जान पाएंगे कि 2030 में आपका करियर कैसा दिखने वाला है, आप अभी जो कर सकते हैं वह है कल के करियर पथों के लिए तैयारी करना ।

क्या आप भविष्य की नौकरियों के लिए सही कौशल विकसित कर रहे हैं ?

इससे पहले कि आप अपने 10 साल के करियर के लक्ष्यों की रूपरेखा बनाना शुरू करें, आपको यह समझना होगा कि कार्यस्थल में ये बदलाव क्यों और कैसे हो रहे हैं और कौन सी ताकतें संगठनों पर सबसे ज़्यादा असर डालेंगी। उस जानकारी के आधार पर, आप योजना बना सकते हैं कि खुद को नौकरी के लिए कैसे तैयार करें।

वैश्विक और विविधतापूर्ण प्रतिभा पूल किस प्रकार रोजगार सृजन को आकार देगा

कार्यबल तेजी से बहुराष्ट्रीय और

विविधतापूर्ण होता जाएगा, जबकि कार्यस्थल अधिक लचीला और चुस्त हो जाएगा। नए पेशेवर की जरूरतों को पूरा करने के लिए नीतियों, वेतन, लाभ और कार्यालय लेआउट को संशोधित करने की आवश्यकता होगी।

महत्वपूर्ण नौकरी भूमिकाएँ:

मानव संसाधन प्रबंधक
प्रतीभा प्रबंधक
सुविधा प्रबंधक

क्या आप भविष्य के प्रतिभा प्रबंधन पेशेवर हैं?

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के शब्दों में, ₹बहु-पीढ़ी के कार्यबल का प्रबंधन करना अपने आप में एक कला है। युवा कर्मचारी त्वरित प्रभाव डालना चाहते हैं, मध्यम पीढ़ी को मिशन में विश्वास रखने की आवश्यकता होती है, और पुराने कर्मचारियों को संदेह पसंद नहीं होता है।

यदि आप अभी से कौशलों का एक मजबूत पोर्टफोलियो विकसित करना शुरू कर देते हैं, तो आप भविष्य के इस विविध कार्यबल को बनाए रखने और संलग्न करने में एक प्रमुख समन्वयक बन सकते हैं, साथ ही कार्यस्थल के भीतर परिवर्तनों का प्रबंधन और कार्यान्वयन भी कर सकते हैं।

कनेक्टेड दुनिया में काम करने के लिए कैसे तैयारी करें

चूंकि आभासी उपकरण कार्यस्थल पर बातचीत और संचार को कहीं भी, किसी भी समय संभव बनाते हैं, इसलिए नौकरी की भूमिकाएं और करियर इन सीमाहीन मॉडलों में फिट होने के लिए तेजी से पुनर्परिभाषित होते जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण नौकरी भूमिकाएँ:

इंटरनेट ऑफ थिंग्स विशेषज्ञ
सूचना प्रणाली प्रबंधक
ऐप डेवलपर
क्लाउड कंप्यूटिंग प्रबंधक
साइबर सुरक्षा प्रबंधक

तीव्र तकनीकी परिवर्तन के साथ अनुकूलन कैसे करें

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोट, स्वचालित वाहन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स कार्य की दुनिया को एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में बदल रहे हैं, जिसके लिए ऐसे कार्यबल की आवश्यकता है जो अनिश्चितता से निपट सके, लगातार परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठा सके, स्वचालन से जुड़ सके और जब कुछ कौशल अप्रचलित हो जाएं तो अपने ज्ञान को विकसित कर सके।

रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता 2025 तक दैनिक जीवन के व्यापक क्षेत्रों में व्याप्त हो जाएगी, जिसका स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स जैसे उद्योगों की एक श्रृंखला पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा ।

महत्वपूर्ण नौकरी भूमिकाएँ:

डेटा विश्लेषक
बिग डेटा विश्लेषक
फिनटेक उद्यमी
एआई विशेषज्ञ
आईटी प्रोफेशनल
स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायी

क्या आप अपने तकनीकी कौशल को स्वास्थ्य सेवा में ले जाना चाहते हैं?

मार्केट्सएंडमार्केट्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी स्वास्थ्य आईटी बाजार वर्ष 2020 तक 104 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2020 और 2023 के बीच 13.5% की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ेगा।

स्वाभाविक रूप से, इस वृद्धि ने ऐसे कर्मचारियों और संकाय की मांग पैदा की है और करती रहेगी, जिनके पास इस क्षेत्र में अनुभव और ज्ञान है - जिसका अर्थ है कि आपके पास अब अपने तकनीकी कौशल को विकसित करने का अवसर है, ताकि भविष्य में स्वास्थ्य सेवा उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला जा सके।

मनुष्य और रोबोट के बीच सहयोग से व्यावसायिक वातावरण में कैसे बदलाव आएगा

जैसे-जैसे बिग डेटा, एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन कामों को संभालेंगे जो पहले इंसानों द्वारा किए जाते थे, नई नौकरियाँ सामने आने लगेंगी। ये स्वचालित और ऑनलाइन प्रक्रियाओं की निगरानी, निर्माण, संचालन या डिजाइन जैसे कौशल पर केंद्रित होंगी।

महत्वपूर्ण नौकरी भूमिकाएँ:

अनुदेशी अभिकल्पक
ऐप डेवलपर
बिजनेस सिस्टम विश्लेषक
क्लाउड कंप्यूटिंग प्रबंधक

यूपी के सैनिक स्कूल में पीजीटी, टीजीटी और नॉन-टीचिंग पदों पर नौकरी

अगर आप सरकारी स्कूल में नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित सैनिक स्कूल में शानदार अवसर आपका इंतजार कर रहा है। यहां पीजीटी, टीजीटी और नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

भर्ती की प्रक्रिया पूर्णतः ऑफलाइन है और आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट/क्लास डेमो और इंटरव्यू शामिल हैं।

योग्यता विवरण

सैनिक स्कूल अमेठी में निकाली गई विभिन्न पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता पदानुसार तय की गई है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास ग्रेजुएशन/पोस्ट-ग्रेजुएशन डिग्री (कम से कम 50% अंकों के साथ) होना आवश्यक है। आवेदन करने से पहले पात्रता संबंधी सभी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य जांच लें।

आयु सीमा

सैनिक स्कूल अमेठी में विभिन्न पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 16 अगस्त 2025 को कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम आयु सीमा पद के अनुसार भिन्न है, जो कि 35 वर्ष, 40 वर्ष या 50 वर्ष तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन से पहले पदानुसार निर्धारित आयु सीमा की पुष्टि आधिकारिक नोटिफिकेशन से अवश्य कर लें।

चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों का प्रदर्शन लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षण और साक्षात्कार (यदि लागू हो) के आधार पर किया जाएगा। सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवारों को पहले केवल लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, उम्मीदवारों को कौशल परीक्षण और साक्षात्कार (जैसा लागू हो) के लिए बुलाया जाएगा।

आवेदन प्रक्रिया और शुल्क विवरण

यदि आप एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर रहे हैं, तो आपको प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र और डिमांड ड्राफ्ट भेजना होगा। आवेदन पत्र के साथ स्वसत्यापित प्रमाण पत्रों की प्रतियां और दो पासपोर्ट आकार के फोटो भी संलग्न करने होंगे।

सामान्य और ओबीसी उम्मीदवारों को 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट भेजना होगा, जबकि एससी और एसटी उम्मीदवारों को 250 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट भेजना होगा। यह डिमांड ड्राफ्ट प्राचार्य, सैनिक स्कूल अमेठी के पक्ष में गौरीगंज या अमेठी (उत्तर प्रदेश) में देय होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आपको 30 रुपये का डाक टिकट लगा हुआ स्वयं का पता लिखा लिफाफा भी आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

आवेदन भेजने का पताः

प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल अमेठी,कौहर शाहगढ़,जिला-अमेठी

अपने लिए सही करियर चुनने में हो रहे हैं कंफ्यूज? अपनाएं ये टिप्स

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब बात करियर की आती है तो दिमाग में कई तरह के सवाल, डर, घबराहट और खुशी का मिश्रण होता है. जिदंगी के नए पड़ाव के लिए उत्सुकता होती है, खुद का पैसा कमाने की खुशी होती है. लेकिन सही पाथ चुनने में घबराहट भी होती है. ये डर होता है कि कहीं फ्यूचर में ये कदम गलत साबित न हो, बाद में कोई पछतावा न हो. ये कंफ्यूजन आम है, इससे परेशान होने की बजाए कुछ टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है. जिससे आपको अपने करियर का चुनाव करने में मदद मिलेगी. आइये जानते हैं, क्या हैं वो टिप्स.

खुद से पूछें

सबसे पहले जरूरी है कि

आप खुद से सवाल करें कि आप किस तरह की जॉब करना चाहते हैं. क्या आप 24 घंटे सातों दिन वाले मोड में काम कर सकते हैं, क्या आप फील्ड वर्क करना चाहते हैं, या डेस्क वर्क करना चाहतें हैं. क्या आपको सरकारी नौकरी ही चाहिए या फिर आप बिजनेस में रुचि रखते हैं. ऐसे कई सवालों पर गौर करके जरूरी है कि हम पहले अपने आप से सवाल करें.

लिस्ट बनाएं

इसके बाद आप उन सभी वर्क टाइप की लिस्ट बनाएं, जो आप कर सकते हैं या करना चाहते हैं. इसमें कई तरह के काम हो सकते हैं, जैसे आप फील्ड वर्क के लिए भी तैयार हैं और मल्टीनेशन कंपनी के माहौल में भी काम कर सकते हैं. या आप केवल दिन के फिक्सड घंटों का में ही काम कर सकते हैं. इसमें अलग-अलग लोगों की अलग-अलग पसंद हो सकती है.

फायदों पर गौर करें

करियर अपनी मर्जी का होना चाहिए लेकिन इसका अंतिम लक्ष्य पैसा कमाना ही है. इसलिए अब जरूरी है कि अपनी बनाई हुई लिस्ट में से उन ऑप्शन्स का चुनाव करें जिसमें आपको फाइनेंशियल स्टेबिलिटी मिले. काम अगर मर्जी का हो तो आप उसे बेहतर तरीके से कर सकते हैं, इसके साथ ही अगर आपको सही पैसा मिले तो ये आपका मनोबल बढ़ाने में डबल कारगर साबित हो सकता है. हालांकि करियर की शुरुआत में पैसा पहली शर्त नहीं होनी चाहिए.

लॉन्ग टर्म गोल्स पर करें गौर

करियर का पाथ चुनने के लिए लॉन्ग टर्म गोल्स पर भी फोकस होना चाहिए. अपनी जॉब के जरिए आप खुद को कितना आगे बढ़ा पाएंगे या आप उस काम को कितना आगे ले जा पाएंगे. आपके लिए उसमें कितनी संभावनाएं हैं. जहां आप नौकरी करने की सोच रहे हैं वहां उसको आगे ले जाने की कितनी उम्मीद है या फिर इसके बाद क्या कर के आप इस पाथ में आगे बढ़ सकते हैं.

यूपीएससी ने निकाली असिस्टेंट डायरेक्टर के कई पदों पर भर्ती, योग्यता और वेतनमान

संघ लोक सेवा आयोग ने असिस्टेंट डायरेक्टर पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से आयकर निदेशालय (प्रणाली), राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय में कुल 45 पद भरे जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इच्छुक उम्मीदवार 14 अगस्त 2025 तक संघ लोक सेवा आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

रिक्तियों का विवरण

अनारक्षित (UR): 20 पद
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS): 04 पद
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC): 12 पद
अनुसूचित जाति (SC): 06 पद
अनुसूचित जनजाति (ST): 03 पद

कौन कर सकता है आवेदन?

उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधित विषय में मास्टर डिग्री, एम.टेक., बी.ई./बी.टेक. या समकक्ष डिग्री होनी आवश्यक है।

आयु सीमा

यूपीएससी असिस्टेंट डायरेक्टर भर्ती 2025 के लिए आवेदकों की अधिकतम आयु श्रेणी के अनुसार अलग-अलग निर्धारित की गई है। सामान्य और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु 35 वर्ष रखी गई है। ओबीसी वर्ग को इसमें 3 वर्ष की छूट दी गई है, यानी उनके लिए अधिकतम आयु 38 वर्ष निर्धारित है। वहीं, एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवार 40 वर्ष तक आवेदन कर सकते हैं। PwBD (दिव्यांग) वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष तय की गई है।

वेतनमान

इस भर्ती के अंतर्गत चयनित उम्मीदवारों को 7वें वेतन आयोग के अनुसार लेवल-10 पे मैट्रिक्स के तहत आकर्षक वेतन प्रदान किया जाएगा।

आवेदन शुल्क

आवेदन करने के लिए सामान्य और ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को 25 रुपये का शुल्क देना होगा। जबकि महिला, एससी, एसटी, और PwBD श्रेणी के उम्मीदवारों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या यूपीआई के जरिए किया जा सकता है।

आवेदन करने की तरीका

पहले आप आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।

अब होमपेज पर "रिक्रूमेंट" सेक्शन में आवेदन लिंक पर क्लिक करें।

यहां खुद को रजिस्टर करें या लॉगिन करें।

आवेदन फॉर्म भरें और जांचें।

दस्तावेज अपलोड करें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

आवेदन फॉर्म डाउनलोड कर उसका प्रिंट आउट भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

स्वतंत्र वार्ता,हैदराबाद

अपनी अर्थव्यवस्था पर ताला लगा दें क्या?

रूस के साथ रिश्तों पर भारत का दो-टूक जवाब, कठपुतली नहीं बनेंगे हम

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी तेल आयात को लेकर भारत पश्चिमी देशों के निशाने पर है। वे भारत की लगातार आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, भारत ने अब और ज्यादा मुखर होकर इसका जवाब दिया है। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टाइम्स रेडियो को दिए एक इंटरव्यू में पश्चिमी देशों की दोहरी नैतिकता पर खरी-खरी सुनाई है। भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का जिक्र करके उन्होंने साफ संदेश दिया है कि भारत किसी की 'कठपुतली' नहीं बन सकता।

वह अपनी अर्थव्यवस्था को भू-राजनीतिक दबाव के आगे झुकने नहीं देगा। विक्रम दोरईस्वामी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है। ऐसे में भारत से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण अपनी अर्थव्यवस्था को बंद कर दे। उन्होंने कहा, 'भारत दुनिया में ऊर्जा की खपत करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। हम अपनी जरूरतों का 80% से ज्यादा आयात करते हैं। आप हमसे क्या करवाना चाहते हैं? क्या हम अपनी अर्थव्यवस्था को बंद कर दें?' उन्होंने यह बात ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और दूसरे देशों के फैसलों की वजह से सप्लाई में आई कमी के बारे में बताते हुए कही।दोरईस्वामी ने यह भी कहा, 'हम उन देशों के साथ दूसरे देशों के रिश्ते भी देखते हैं जो अपनी सुविधा के लिए बनाए गए हैं। लेकिन, वे देश हमारे लिए परेशानी का कारण बनते हैं। क्या हम आपसे वफादारी का टेस्ट देने के लिए कहेंगे?'

ईयू ने रूस पर लगाए हैं नए प्रतिबंध

यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस से होने वाले तेल निर्यात से मिलने वाले पैसे को रोकने के लिए नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की वाडिनार रिफाइनरी भी शामिल है। इसमें रूस की कंपनी रोसनेफ्ट की भी हिस्सेदारी है। ईयू के 18वें दौर के प्रतिबंधों में 105 और जहाजों को शामिल किया गया है। रिफाइंड तेल के व्यापार पर भी रोक लगाई गई है। जब विक्रम दोरईस्वामी से पूछा गया कि क्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भारत की बढ़ती नजदीकी चिंता का विषय है तो उन्होंने कहा कि रूस के साथ भारत का रिश्ता लंबे समय की रणनीतिक और आर्थिक सोच पर आधारित है। उन्होंने कहा, 'इनमें से एक हमारा लंबे समय से चला आ रहा सुरक्षा संबंध है। यह उस दौर से चला आ रहा है जब हमारे कुछ पश्चिमी साझेदार हमें हथियार नहीं बेचते थे। लेकिन, हमारे पड़ोस के देशों को बेचते थे, जो उनका इस्तेमाल सिर्फ हम पर हमला करने के लिए करते थे।'

यूरोप अपना रहा है डबल स्टैंडर्ड

दोरईस्वामी ने यह भी कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कीमतों में बदलाव के कारण पारंपरिक ऊर्जा बाजारों से बाहर कर दिया गया है।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ईडी की कार्रवाई पूरी :3 दिन में 35 जगहों पर छापेमारी; 3000 करोड़ के लोन में धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी रविवार को पूरी हो गई है। ये कार्रवाई 24 जुलाई को शुरू हुई थी, जो तीन दिन तक चली। रेड में करीब 50 कंपनियां शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। रिलायंस ग्रुप की कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने रविवार को एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए इसकी जानकारी दी। दोनों कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि इस कार्रवाई का उनके बिजनेस, वित्तीय प्रदर्शन या शेयरहोल्डर्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मुंबई में की रेड की गई थी। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत की गई । न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। कंपनी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई सभी जगह समाप्त हो गई है। कंपनी और उसके सभी अधिकारी पूरी तरह से सहयोग कर चुके हैं और आगे भी अधिकारियों के साथ सहयोग करते रहेंगे। ईडी की यह कार्रवाई कंपनी के व्यापार, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं डालती। यह कार्रवाई उन आरोपों से जुड़ी है, जो रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरसीओएम) या रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के 10 साल से पुराने लेनदेन से संबंधित हैं।अनिल अंबानी दोनों कंपनियों के बोर्ड में नहीं हैं, इसलिए आरसीओएम या आरएचएफएल पर कार्रवाई का इनके संचालन, प्रबंधन, या शेयरधारकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।रिलायंस पावर और इंफ्रा एक अलग और स्वतंत्र सूचीबद्ध कंपनी है जिसका आरसीओएम या आरएचएफएल से कोई व्यापार या वित्तीय संबंध नहीं है। एसबीआई का कहना है कि आरसीओम ने बैंक से लिए गए 31,580 करोड़ रुपए के लोन का गलत इस्तेमाल किया। इसमें से करीब 13,667 करोड़ रुपए दूसरी कंपनियों के लोन चुकाने में खर्च किए। 12,692 करोड़ रुपए रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनियों को ट्रांसफर किए। एसबीआई ने ये भी कहा कि हम इस मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के पास शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा अनिल अंबानी के खिलाफ पर्सनल इन्सॉल्वेंसी (दिवालियापन) की कार्रवाई भी नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) मुंबई में चल रही है।

ब्रिटिश व्हिस्की का सबसे बड़ा बाजार है भारत

सालाना 22 करोड़ लीटर की खपत, एफटीए से दोनों देशों को लाभ

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच संपन्न हुए हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के केंद्र में एक महत्वपूर्ण उत्पाद है व्हिस्की। दिलचस्प बात यह है कि भारत न केवल ब्रिटेन से बड़ी मात्रा में व्हिस्की मंगाता है बल्कि यह ब्रिटिश व्हिस्की के लिए दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी बन चुका है।स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन और कन्फेडरेशन का ब्रिटिश इंडस्ट्री (सीबीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया में सबसे ज्यादा व्हिस्की खपत करने वाला देश है, जहां हर वर्ष करीब 22 करोड़ लीटर से अधिक व्हिस्की का उपभोग होता है। भारत ब्रिटेन से हर साल करीब 13,000 करोड़ रुपए की प्रीमियम और स्टैंडर्ड स्कॉच ब्रांड्स जैसे जॉनी वॉकर, चिवास रीगल, बैलेनटाइंस, ग्लेनफिडिक और द मैकऐलन आयात करता है।

समझौते के तहत भारत द्वारा स्कॉच व्हिस्की पर लगाए गए 150% आयात शुल्क को चरणबद्ध रूप से 75% या उससे नीचे तक लाने पर सहमति बनी है। इससे भारतीय बाजार में स्कॉच की खुदरा कीमतों में 10 से 30 प्रतिशत तक की गिरावट आने की संभावना है। इससे जॉनी वॉकर ब्लैक लेबल, ग्लेनफिडिक जैसी प्रीमियम व्हिस्की आम ग्राहकों की पहुंच में आ सकती हैं। स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के अनुसार भारत में कर कटौती के साथ स्कॉच की बिक्री में 20-25% की वृद्धि संभव है जो निर्यात लक्ष्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अनुसार भारत को शराब से सालाना 2.5 लाख करोड़ से अधिक का कर राजस्व प्राप्त होता है, जिसमें से बड़ा हिस्सा विदेशी ब्रांड्स से आता है। कीमतों में गिरावट से भले ही शुरुआती तौर पर कर संग्रह में कुछ कमी हो, लेकिन मांग में वृद्धि के चलते कुल बिक्री और अंततः राजस्व में दीर्घकालिक वृद्धि संभव है।

रिलायंस समेत टॉप-10 में से छह कंपनियों की मार्केट वैल्यू में करोड़ों की गिरावट, निवेशकों को झटका

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी का असर देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों पर भी दिखा। टॉप-10 सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कंपनियों में से 6 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.22 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है, जिसका मार्केट कैप 1.14 लाख करोड़ तक घट गया। बीएसई सेंसेक्स पिछले सप्ताह 294.64 अंक यानी 0.36 फीसदी गिरा। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली, व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता और कुछ बड़ी कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन की वजह से बाजार में दबाव बना रहा। हालांकि बैंकिंग सेक्टर ने मजबूत नतीजों की वजह से थोड़ी राहत दी। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,14,687.7 करोड़ घटकर 18,83,855.52 करोड़ रह गया। यह टॉप-10 कंपनियों में सबसे बड़ी गिरावट है। इसके अलावा टीसीएस को 20,080.39 करोड़, इंफोसिस को 29,474.56 करोड़, एलआईसी को 23,086.24 करोड़, बजाज फाइनेंस को 17,524.3 करोड़ और हिंदुस्तान यूनिलीवर को 17,339.98 करोड़ की गिरावट झेलनी पड़ी। हालांकि कुछ कंपनियों ने बाजार में बढ़त भी दर्ज की। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 37,161.53 करोड़ बढ़कर 15,38,078.95 करोड़ हो गया। आईसीआईसीआई बैंक को 35,814.41 करोड़ की बढ़त मिली और उसका मूल्यांकन 10,53,823.14 करोड़ पहुंच गया।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर जागरूक करेगी सरकार

20 दिनों में 1,000 बैठकें, कार्यशालाएं आयोजित करेगी

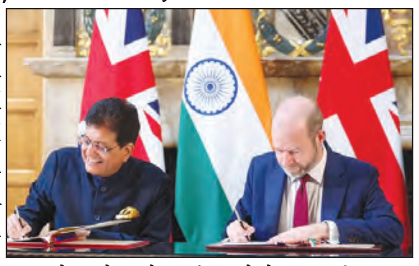

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। अब सरकार देशभर में हितधारकों के साथ बैठक कर लोगों को इस समझौते के बारे में जागरूक करेगी। सरकार अगले 20 दिनों में देश भर में हितधारकों के साथ बैठकें करेगी, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और फीडबैक सत्रों सहित 1,000 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कवायद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार समझौते के अधिकतम लाभ देश के लोगों को मिल सकें। व्यापार समझौते के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार की विभिन्न टीमें विभिन्न राज्यों का भी दौरा करेंगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को व्यापार समझौते पर चमड़ा और टेक्सटाइल सेक्टर के लोगों के साथ बैठक करेंगे। व्यापार समझौता लागू होने के बाद 99 प्रतिशत भारतीय सामान ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त हो जाएगा। इससे कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर भारत में भी शुल्क कम हो जाएगा।इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच 56 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार को दोगुना करना है।भारत ने ब्रिटेन की चॉकलेट, बिस्किट और सौंदर्य प्रसाधनों सहित विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं के लिए अपना बाजार खोल दिया है। वहीं भारत के कपड़ा, फर्नीचर, जूते, रत्न और आभूषण, खेल के सामान और खिलौनों जैसे उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में पहुंच मिलेगी। इसके अलावा, ब्रिटेन में कार्यरत टीसीएस और इंफोसिस जैसी भारतीय कंपनियों को भारत से आने वाले कर्मचारियों के लिए तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान नहीं करना होगा। समझौते के तहत, ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की पर भारत में शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया जाएगा और 2035 तक इसे और घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। भारत, ऑटोमोबाइल पर भी आयात शुल्क को पांच वर्षों में घटाकर 10 प्रतिशत कर देगा, जो वर्तमान में 110 प्रतिशत दर है। भारत ने व्यापार समझौते के तहत, घरेलू ऑटोमोटिव उद्योग का भी ख्याल रखा है और विशेष रूप से मध्यम और छोटी कारों और कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की रक्षा करते हुए, ब्रिटिश ऑटो निर्यातकों को केवल बड़े पेट्रोल और डीजल वाहनों और महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर ही शुल्क में रियायतें प्रदान की हैं। समुद्री उत्पाद (सी फूड), जिन पर वर्तमान में 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच कर लगता है, इस समझौते के लागू होने के बाद शुल्क-मुक्त हो जाएंगे। व्यापार समझौते से भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र को बड़ा फायदा होगा, जिसकी अब ब्रिटेन के बाज़ार में शुल्क-मुक्त पहुंच होगी। इससे ब्रिटेन के बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमत कम होगी और भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

एक और चीन के लिए जगह नहीं : भारत 'अगला ड्रैगन' बनने का सपना छोड़ दे, रघुराम राजन की चेतावनी

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को 'अगला चीन' बनने की महत्वाकांक्षा छोड़ने की नसीहत दी है। उनका मानना है कि भारत को मैन्यूफैक्चरिंग के बजाय सेवाओं और कौशल विकास पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है। दिग्गज अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत को मैन्युफैक्चरिंग में 'अगला चीन' बनने का सपना छोड़ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि ग्लोबल हालात और कुछ मजबूरियां बड़े पैमाने पर कम लागत वाली फैक्ट्री-आधारित तरक्की को मुश्किल बना रही हैं। राजन ने एक इंटरव्यू में अपनी ये राय रखी। उन्होंने कहा कि भारत को नौकरी देने की रणनीति के लिए सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अब एक और चीन के लिए जगह नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग तेजी से ऑटोमेटेड हो रही है। वियतनाम और चीन जैसे देश कम वेतन के साथ मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर भी दे रहे हैं। राजन के अनुसार, असेंबली जैसे कम स्किल वाले काम भी मशीनों से हो रहे हैं। कंपनियों को अब ऐसे लोगों की जरूरत है जो मशीनों की देखभाल कर सकें। उन्हें ठीक कर सकें। उन लोगों की नहीं जो मशीनों की जगह मैनुअल काम करते हैं। दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग को लेकर राष्ट्रवाद बढ़ रहा है। हर कोई अपना छोटा मैन्युफैक्चरिंग उद्योग चाहता है। लिहाजा, हम मैन्युफैक्चरिंग में ज्यादा नौकरियों की उम्मीद नहीं कर सकते। रघुराम राजन की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब भारत की अर्थव्यवस्था एक अहम दौर से गुजर रही है। भारत में युवाओं की बढ़ती आबादी के साथ नौकरियों के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़े हैं। राजन का कहना है कि देश 6-6.5% की धीमी रफ्तार से बढ़ रहा है। यह पहले अच्छा था। लेकिन, अब इतना काफी नहीं है। यानी भारत का इस ग्रोथ से अमीर देश बन पाना मुश्किल है। राजन ने मुताबिक, भारत को मैन्युफैक्चरिंग के पीछे भागने के बजाय कई दूसरे तरीकों पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही हाई-वैल्यू सर्विस में अच्छा कर रहा है। यह दुनिया के सर्विस एक्सपोर्ट का 4.5% है। हालांकि, यह सेक्टर सभी नौकरी चाहने वालों को नौकरी नहीं दे पाएगा। लेकिन, यह भविष्य में तरक्की का एक जरूरी हिस्सा है।उन्होंने यह भी कहा कि कम स्किल वाली घरेलू सर्विस जैसे लॉजिस्टिक्स, ट्रक ड्राइविंग, प्लंबिंग और रिपेयरिंग को बढ़ाना भी जरूरी है। अगर इन कामों के लिए लोगों को ट्रेनिंग दी जाए तो ये लाखों लोगों को नौकरी दे सकते हैं। राजन ने कहा, 'जहां भी नौकरी मिले, करो। जहां भी नौकरी बना सको, बनाओ।'आरबीआई के पूर्व गवर्नर के मुताबिक, भारत को तरक्की को बढ़ाने के लिए हर मौके का फायदा उठाना चाहिए। चाहे वह एक्सपोर्ट का सेक्टर हो या घरेलू। उन्होंने कहा, 'हम जी20 में सबसे तेजी से बढ़ने वाले देश हैं।

भारतीय 2420000 करोड़ की इस इंडस्ट्री की रीढ़, पर 'मेक इन इंडिया' ब्रांड क्यों नहीं, टॉप इकनॉमिस्ट ने किया खुलासा

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की ग्लोबल कंसल्टिंग इंडस्ट्री 280 अरब डॉलर (करीब 24.2 लाख करोड़ रुपये) की है। इसमें भारतीय भरे पड़े हैं। लेकिन, अभी तक भारत एक भी बड़ा 'मेक इन इंडिया' कंसल्टिंग ब्रांड स्थापित नहीं कर पाया है। यह एक बड़ा विरोधाभास है। इसे प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने उजागर किया है।

280 अरब डॉलर की ग्लोब इंडस्ट्री में भारत का योगदान सिर्फ 1.09 अरब डॉलर है। जबकि हजारों भारतीय सलाहकार मैकिन्से, बीसीजी और बिग 4 जैसी ग्लोबल कंपनियों में रणनीति संचालन में अहम भूमिका निभाते हैं। दिग्गज इकनॉमिस्ट संजीव सान्याल का कहना है कि भारतीय हर जगह ग्लोबल परामर्श में टैलेंट पूल पर हावी हैं। लेकिन, वे खुद की बराबर की भारतीय फर्म नहीं चला रहे हैं। सरकार भी इस स्थिति से अवगत है। भारतीय टैलेंट ग्लोबल कंसल्टिंग इंडस्ट्री की रीढ़ है। लेकिन, यह एक विडंबना ही है कि 2420000 करोड़ रुपये की इस विशाल ग्लोबल इंडस्ट्री में कोई भी भारतीय 'मेक इन इंडिया' कंसल्टिंग ब्रांड अपनी धाक नहीं जमा पाया है। भारतीय पेशेवर ग्लोबल दिग्गजों के लिए रणनीति बनाने और संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फिर भी भारत का अपना योगदान सिर्फ 1.09 अरब डॉलर है। सान्याल ने इसके पीछे की संरचनात्मक बाधाओं को उजागर किया है। सान्याल के अनुसार, भारतीय प्रतिभा ग्लोबल कंसल्टिंग सेक्टर में हावी है। आप उन्हें हर जगह पाएंगे। वे टॉप ग्लोबल फर्मों में महत्वपूर्ण पदों पर काम करते हैं। लेकिन, वे उन्हीं के बराबर की किसी भारतीय फर्म को नहीं चला रहे हैं। यह बड़ा विरोधाभास है। इसका सीधा मतलब है कि भारत के पास कौशल और मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है। लेकिन, एक मजबूत घरेलू ब्रांडिंग और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने में कहीं न कहीं कमी रह गई है।सान्याल ने उन प्रमुख कारणों के बारे में बताया जो भारतीय फर्मों को बड़ा बनने से रोकते हैं। उन्हें प्रतिस्पर्धा से बाहर रखते हैं। इनमें पक्षपातपूर्ण टेंडर मानदंड, अनुभव को मान्यता न मिलना व्यावसायिक क्षेत्रों का अलगाव, ब्रांडिंग पर प्रतिबंध और वैश्विक अवसरों की अनदेखी जैसे फैक्टर शामिल हैं।सरकार और निजी क्षेत्र के अनुबंधों के लिए निर्धारित ऊंची राजस्व सीमा (500 करोड़ रुपये और उससे अधिक) एक बड़ी बाधा है। यह नियम प्रभावी रूप से नई और उभरती भारतीय कंसल्टिंग फर्मों को बड़े अनुबंधों से बाहर कर देता है। इसका फायदा अक्सर बड़ी, स्थापित वैश्विक फर्मों को मिलता है। ये पहले से ही उस राजस्व सीमा को पार कर चुकी होती हैं।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच समावेशी विकास को बनाए रखना प्राथमिकता : निर्मला

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का सतत विकास बनाए रखना और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण सार्वजनिक पूंजीगत खर्च को बढ़ावा देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

उनका यह बयान इस मायने में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि वित्त वर्ष 2025 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ी है।अर्थव्यवस्था की यह गति पिछले चार वर्षों के दौरान सबसे कम है।अगर उसके पहले के वित्त वर्ष 2023-24 से तुलना करें तो तब आर्थिक रफ्तार 9.2 प्रतिशत थी.आर्थिक सर्वे में देश की जीडीपी के वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 6.3 प्रतिशत से लेकर 6.8 प्रतिशत के बीच बने रहने का अनुमान है।

हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने देश की जीडीपी रफ्तार के अपने पूर्वानुमान 6.7 प्रतिशत को कम करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए 6.5 प्रतिशत कर दिया है.एक किताब विमोचन कार्यक्रम के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश की रफ्तार को बनाए रखना ही प्राथमिकता है।विकास सबसे ऊपर है इसलिए इसका रोजगार से भी सीधा संबंध होगा।

उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की प्रासंगिकता बनाए रखना, नेतृत्व की स्थिति में बने रहना और अन्य देशों के साथ मिलकर आगे बढ़ना हमारी अन्य प्राथमिकताओं में शामिल है।इसके साथ ही, निर्मला ने कहा कि ग्लोबल साउथ की आवाज को फिर से परिभाषित करना भी हमारी प्राथमिकता होगी.निर्मला ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत खर्च सतत विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है।उन्होंनने कहा कि जब पूंजीगत खर्च लगातार बढ़ता है तो फिर रोजगार, निर्माण और निजी निवेश को बढ़ावा मिलता है।ये सभी मिलकर सतत आर्थिक विकास को संभव बनाते हैं। विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए अन्य फोकस एरिया है आकर्षिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति।इससे भारत में ज्यादा से ज्यादा निवेश लाया जा सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-57
भोग्य कलि वर्ष-426874 | सूर्यास्त 18-47
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क...	05-09 बजे
चन्द्र	सिंह	सिंह---	07-21 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	09-27 बजे
बुध	कर्क	तुला----	11-33 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक...	13-43 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु......	15-57 बजे
शनि	मीन	मकर...	18-03 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ....	19-53 बजे
केतु	सिंह	मीन....	21-31 बजे
		मेष.....	23-07 बजे
		वृष....	00-52 बजे
		मिथुन..	02-53 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 23-24 तक उपरान्त पंचमी
मास - श्रावण शुक्ल , सोमवार 28 July
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 17-35 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - परिघ 02-53 तक उप शिव
करण- वणिज 10-58 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष- वरद विनायक दूर्वा चतुर्थी
व्रत -त्यौहार - नव महोत्सव दिवस

विशेष- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07-32 से 09-09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05-55 - 07-32 शुभ	चंचल	18-50 - 20-13 शुभ
काल	07-32 - 09-09 अशुभ	रोग	20-13 - 21-36 शुभ
शुभ	09-09 - 10-46 अशुभ	काल	21-36 - 22-59 अशुभ
रोग	10-46 - 12-23 शुभ	लाभ	22-59 - 00-23 अशुभ
उत्पात	12-23 - 13-59 शुभ	उत्पात	00-23 - 01-46 शुभ
चंचल	13-59 - 15-36 शुभ	शुभ	01-46 - 03-09 अशुभ
लाभ	15-36 - 17-13 अशुभ	अमृत	03-09 - 04-32 शुभ
अमृत	17-13 - 18-50 शुभ	चंचल	04-32 - 05-56 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे ।आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं ।आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है ।आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — अपने वादों का सम्मान करें ।आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

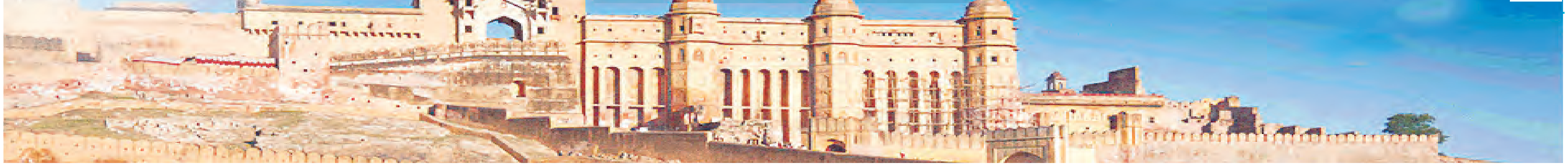

झालावाड़ हादसे के बाद सीएम भजनलाल का बड़ा फैसला

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी दिए निर्देश

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने विधायक निधि खर्च के नियमों में बदलाव किए गए है। इस निधि से सरकारी भवनों की मरम्मत भी हो सकेगी। इससे पहले विधायक निधि में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नियमों में बदलाव के साथ ही जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए।

वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकार ने विशेष स्थायी समितियां गठित की है। ये समितियां 15 जून से पहले असुरक्षित सरकारी भवनों एवं पुलों का मरम्मत कार्य पूर्ण किए जाने पर नजर रखेगी।

1936 स्कूलों के लिए 169 करोड़ मंजूर

शिक्षा विभाग ने मृतक बच्चों के परिजन को 10 लाख की सहायता की घोषणा की है। वहीं, विभागीय कार्यालयों में 7 दिन कोई आयोजन नहीं करने के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया, कक्षा-कक्षों के नाम इन बच्चों के नाम पर रखे जाएंगे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए।

वहीं, राज्य सरकार की ओर से 1936 राजकीय विद्यालयों में मरम्मत के लिए 169 करोड़ स्वीकृत किए हैं। इससे पहले शासन सचिव ने झालावाड़ में घायल बच्चों और उनके परिजन से मुलाकात की।

केन्द्र सख्तः स्कूलों में सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य

झालावाड़ हादसे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने निर्देश दिए कि सभी सरकारी स्कूल भवनों और सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करें। स्कूल भवनों की संरचनात्मक मजबूती, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली व्यवस्था का मूल्यांकन करें। साथ ही, छात्रों और कर्मचारियों को आपात स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण देने, मॉक ड्रिल, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल को भी अनिवार्य बताया है।

कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

4 जिलों में रेड अलर्ट; धौलपुर में स्कूलों की 3 दिन की छुट्टी

धौलपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने से राजस्थान में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है। प्रदेश के अधिकतर जिलों में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश का दौर जारी है। इसी बीच धौलपुर में बारिश की संभावना को देखते हुए कलक्टर ने 28 से 30 जुलाई तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है। मौसम विभाग ने आज चार जिलों में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे की बात करे तो प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश राज्य में दौसा में हुई। यहां बीते 24 घंटों में 158 मिलिमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, बांसवाड़ा के कुशलगढ़ में 136 मिमी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा अजमेर में 58.7, वनस्थली में 58.7, जयपुर में 36, सीकर में 31, चित्तौडगढ़ में 28, जोधपुर शहर में 22.4, करौली में 31 मिलीमीटर में बारिश दर्ज की गई।

धौलपुर में अगले तीन दिन तक अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की आशंका के चलते धौलपुर जिला कलक्टर श्रीनिधी बीटी ने तीन दिन स्कूलों की छुट्टी के आदेश जारी किए है। आदेश के मुताबिक 28 से 30 जुलाई तक कक्षा 1 से 12 तक सभी निजी व सरकारी स्कूल व सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में अवकाश रहेगा। आदेश की अवहेलना करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत कार्रवाई होगी।

पार्वती बांध के चार गेट खोले

करौली जिले में झमाझम बारिश का असर पार्वती बांध में देखने को मिला। पार्वती बांध में पानी की आवक बढ़ते ही सिंचाई विभाग ने पार्वती बांध के चार गेट तीन-तीन फीट खोलकर करीब 6500 क्यूसेक पानी रिलीज किया। सुबह 9 बजे पानी की आवक बढ़ती देख दो अतिरिक्त गेट तीन-तीन फीट तक और खोले गए। कुल छह गेटों से 9831.68 क्यूसेक पानी रिलीज किया गया।

मौसम विभाग ने आज प्रदेश के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़ और प्रतापगढ़ जिले में मेघगर्जन और वज्रपात के साथ अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, कोटा, राजसमंद, सिरोही और उदयपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अलवर दौरे पर प्रभारी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

अफसरों संग की योजनाओं की समीक्षा

अलवर27 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर जिले के प्रभारी एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा अलवर दौरे पर पहुंचे। दौरे के दौरान उन्होंने शाम को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और बजट में घोषित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान विभिन्न मुद्दों पर तीखे सवाल-जवाब भी हुए।

चांदोली और जयसमंद बांध को लेकर लंबित कार्रवाई पर पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. मीणा ने कहा कि इन मामलों को लेकर बैठक में चर्चा हो चुकी है और बातचीत के जरिए ही समाधान निकाला जाएगा। सरिस्का टाइगर रिजर्व से जुड़ी CTH रिपोर्ट पर उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से इस मुद्दे पर बातचीत हो चुकी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जहां टाइगर हैबिटेट है, उसे पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है और अभी तक किसी तरह का बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

सिलीसेढ़ झील क्षेत्र में अवैध होटलों के निर्माण के सवाल पर मंत्री ने कहा कि बीते एक महीने से वे नकली खाद और बीज के खिलाफ अभियान में जुटे थे। अब सिलीसेढ़ मामले को भी प्राथमिकता में लेते हुए मुख्यमंत्री को इस संबंध में अवगत कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कांवड़ यात्रा के दौरान करंट लगने से कांवड़ियों की मौत पर पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. मीणा ने कहा कि सरकार ने मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपये मुआवजा और पांच लाख रुपये आयुष्मान योजना से सहायता देने का निर्णय लिया है। इस प्रकार पीड़ित परिवारों को कुल दस लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

मीडिया द्वारा पूछे गए तीखे सवालों के दौरान डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने प्रतिक्रिया दी, “आप लोग मुझे उकसा रहे हो। अगर मुझे सस्पेंड कराना चाहते हो तो बताइए। नहीं तो कैमरे बंद करिए, फिर एग्रेसिव बातें भी बता दूंगा।” हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि संवाद ही समाधान का रास्ता है और सरकार किसी दोषी को नहीं बख्शेगी। नरेश मीणा द्वारा हाल ही में दिए गए “समाज ने नेता नहीं पैदा किए” वाले बयान पर डॉ. किरोड़ी ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे “नासमझी” करार दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जाति नहीं, बल्कि विचारधारा के आधार पर नेतृत्व तैयार करती है।

थप्पड़ कांड के आरोपी नरेश मीणा को 13 दिन बाद फिर जेल

अब झालावाड़ हादसे में फंसे

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। मनोहरथाना के पिपलोदी स्कूल हादसे के बाद जिला अस्पताल में हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने नरेश मीणा और उनके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में नरेश मीणा पर राजकार्य में बाधा पहुंचाने, अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं को बाधित करने, चिकित्साकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता करने का आरोप है। कोतवाली थाना प्रभारी रामकेश मीणा ने बताया कि जिला अस्पताल के डीन डॉ. संजय पोरवाल और अधीक्षक डॉ. अशोक शर्मा की ओर से शिकायत दी गई थी। शिकायत में कहा गया कि पिपलोदी स्कूल हादसे के बाद अस्पताल परिसर में नरेश मीणा और उनके सहयोगियों ने हंगामा किया, इमरजेंसी और आईसीयू सेवाओं को बाधित किया और अस्पताल स्टाफ के साथ गाली-गलौच व धक्का-मुक्की की। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर नरेश मीणा व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया। झालावाड़ एसपी अमित कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। शनिवार को पुलिस ने आरोपियों को एसीजेएम कोर्ट में पेश किया, जहां न्यायाधीश मीनाक्षी व्यास ने उन्हें 8 अगस्त तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। इससे पहले टोंक से निर्दलीय विधायक रहे नरेश मीणा को उपचुनाव के दौरान एक एसडीएम को थप्पड़ मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कुछ ही समय नरेश मीणा को सिर्फ इस शर्त पर जमानत मिली थी कि वे अपनी हरकतें दोबारा नहीं दोहराएंगे। मगर, 25 जुलाई को नरेश मीणा झालावाड़ अस्पताल आए और अस्पताल के अंदर धरना दिया, जिस वजह से आईसीयू में भर्ती को आने जाने में परेशान हुई। इसी कारण अब उन पर केस दर्ज हुआ है।

‘घर का काम नहीं, जो जेब से रुपए दे’

जर्जर भवनों की मरम्मत पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा बयान; इस्तीफे पर भी बोले

भरतपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले में सरकारी स्कूल की छत गिरने से 7 मासूमों बच्चों की मौत के बाद लगातार जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत की मांग उठ रही है। इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बड़ा बयान सामने आया है। प्रदेश के जर्जर सरकारी स्कूलों की मरम्मत के सवाल पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि ये कोई घर का काम तो है नहीं कि जेब से पैसे निकाल कर दे। साथ ही मदन दिलावर ने इस्तीफे के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी।

भरतपुर दौरे पर आए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूलों को मिलने वाले बजट के सवाल पर मीडिया से कहा कि रुपए पहुंच रहे हैं। ये सरकारी प्रोसेस होता है, टेंडर होता है। ये कोई घर का काम तो है नहीं कि जेब से पैसे निकाल कर दे दो। उन्होंने कहा कि मैंने नैतिकता के आधार पर घटना की जिम्मेदारी ली है। हमारे पास जर्जर स्कूलों की सूची आई उसमें झालावाड़ के स्कूल का नाम नहीं था। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछली बार मरम्मत के लिए 80 करोड़ रुपए दिए और इस बार भी 80 करोड़ रुपए दिए थे। इस बार 175 करोड़ की स्वीकृतियां जारी हो रही हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मीडिया ने मुझसे पूछा था कि क्या आप नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देंगे, इस पर मैंने कहा है कि मैंने इसकी जिम्मेदारी ली है। मैं मंत्री अपनी मर्जी से नहीं बना हूं। मुझे भाजपा और सीएम ने मंत्री बनाया है, वो जैसा कहेंगे, मैं वैसा कर लूंगा।

जिम्मेदारों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

दिलावर ने कहा कि हादसे में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए पांच जनों को निलंबित किया है। यह इसलिए किया गया कि बच्चों ने कंकड़ गिरने की बात कही, लेकिन उनकी बात को अनसुनी कर शिक्षक बाहर नाश्ता करने चले गए। मंत्री ने कहा कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाकर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी-कर्मचारी खिलाड़ियों की बल्ले-बल्ले

दैनिक भत्ते की नई दरें तय, आदेश जारी

जयपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने राज्य की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले राजकीय कर्मचारी व अधिकारियों (खिलाड़ी व मैनेजर सहित) के लिए दैनिक भत्ते की दरों में संशोधन किया है। यह आदेश राजस्थान राज्य खेल परिषद तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त प्रतियोगिताओं पर लागू होगा।

राजस्थान सरकार ने यह आदेश 27 सितंबर 2023 के आदेशों के अंतर्गत दिए हैं। इस आदेश के अनुसार विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे कि सीनियर/जूनियर/ सब-जूनियर राष्ट्रीय स्तर, इंटरनेशनल प्रतियोगिताएं और बीसीसीआई की रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी, ईरानी कप, वर्ल्ड कप, एशिया कप आदि में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अब उनके ग्रेड और प्रतियोगिता के स्तर के अनुसार संशोधित दैनिक भत्ता मिलेगा।

पदक पर विशेष वेतन वृद्धि

कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर पर पदक लाने पर व्यक्तिगत रूप से एक विशेष वेतन वृद्धि एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक लाने पर 2 विशेष वेतन वृद्धि का लाभ देय होगा। विशेष वेतन वृद्धि का लाभ कार्मिक के सेवाकाल में पांच बार से अधिक नहीं होगा।

'ऐसे लोगों का मुंह काला कर दो, गांव में मत घुसने दो' सांसद

राजकुमार रोत पर क्यों बरसे मंत्री बाबूलाल खराड़ी?

डूंगरपुर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में डूंगरपुर बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत और जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी के बीच एक बार फिर सियासी अदावत शुरू हो गई हैं। दोनों नेताओं ने एक दूसरे पर फिर से तीखी बयानबाजी शुरू कर दी है। इस बीच डूंगरपुर में मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने सांसद राजकुमार रोत को आड़े हाथ लिया। उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि 'हमारी बेटियों की शादी मुसलमान से करवाओ, ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह काला कर देना चाहिए। ऐसे लोगों को गांव में नहीं घुसने देना चाहिए।'

उन्होंने सांसद रोत की भील प्रदेश की मांग को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि जाति या भाषा के नाम पर राज्य की मांग कर करना गलत है, ऐसी मांग देश में अलगाववाद पैदा कर सकती है।

डूंगरपुर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री बाबूलाल खराड़ी 'बाप' पार्टी और कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों की शादी मुसलमान से करवाओ, ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह काला कर देना चाहिए और गांव में नहीं घुसने देना चाहिए। उन्होंने भारत आदिवासी पार्टी और कांग्रेस पर साधा निशाना साधते हुए कहा कि ये दोनों पार्टियां अवसरवादी होकर आदिवासियों के नाम पर सिर्फ व्यापार करती हैं।

'राजकुमार रोत सब बोलने का सिर्फ मुखौटा है'

बता दें, सांसद राजकुमार रोत लोकसभा में अलग से भील प्रदेश बनाने की मांग कर चुके हैं। इसको लेकर सियासत में बहस छिड़ी हुई। इस दौरान मंत्री खराड़ी ने सांसद राजकुमार रोत पर निशाना साधते हुए कहा कि ये सब बोलने वाले सिर्फ मुखौटा हैं। इससे पहले जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री व डूंगरपुर के प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी का डूंगरपुर पहुंचने पर सर्किट हाउस में पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान मंत्री का अधिकारियों व भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

ओमप्रकाश नागा तीसरी बार बने सीकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष

सीकर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) द्वारा सीकर जिले के लिए संगठनात्मक घोषणा की गई। जिसमें ओमप्रकाश नागा को एक बार फिर से सीकर एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नागा का यह लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। एनएसयूआई की प्रदेश और राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व द्वारा ओमप्रकाश नागा के जमीनी स्तर पर छात्र हितों के संघर्ष, संगठन के विस्तार और लगातार सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी पुनः सौंपी गई है। इस मौके पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश नागा ने कहा कि उनके लिए गर्व और ज़िम्मेदारी दोनों का मौका है। उन्होंने कहा कि वे हर छात्र की आवाज़ को बुलंद करने और शिक्षा, रोजगार व अधिकारों की लड़ाई को और तेज़ करने के लिए प्रतिबद्ध करेंगे। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस और एनएसयूआई से जुड़े छात्र नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और आशा जताई कि छात्र हितों के संघर्ष को और मजबूत बनाया जाएगा। विद्यार्थियों ने बताया कि ओमप्रकाश नागा के जिलाध्यक्ष बनने के बाद से छात्र संगठन एनएसयूआई जिले के साथ ही तहसील स्तर पर मजबूत हुआ है। हर कॉलेज में छात्र संगठन इकाई बनाकर आपसी समन्वय व तालमैल से संगठन को मजबूती प्रदान की है।

भूपेंद्र यादव बोले– अलवर होगा स्वच्छता में टॉप-10 शहरों में शामिल

अलवर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाली तीज के अवसर पर अलवर में बड़े स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की पहल की गई। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने 10 लाख पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी देखभाल और सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने ‘हरियालो राजस्थान’ अभियान को एक जनउत्सव के रूप में मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को हरा-भरा वातावरण देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अलवर को स्वच्छता में दिलाएंगे नई पहचानः भूपेंद्र यादव

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि अलवर को देश के टॉप-10 स्वच्छ शहरों में शामिल किया जाए। उन्होंने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में अलवर की रैंकिंग पहले 354 थी, जो अब सुधरकर 54 पर पहुंच चुकी है। यह सब जनसहभागिता और प्रशासन की सक्रियता से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि अलवर को पर्यटन, विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जाएगी। साथ ही उन्होंने महाराज भृतहरि बाबा की तपोभूमि को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की बात भी कही।

टाइगर रिजर्व और सीटीएच पर बोले मंत्री

वन्य संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए भूपेंद्र यादव ने बताया कि उनके कार्यकाल में रामगढ़ विषधरी क्षेत्र को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि रणथंभौर और सरिस्का टाइगर रिजर्व में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट की समस्या फिलहाल अधूरी है, जिसे पूरा करने में समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर फैसले दिए हैं।

कांग्रेस और राहुल गांधी पर साधा निशाना

राजनीतिक मंच से कांग्रेस पर हमला बोलते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि मंच से लगाए जा रहे आरोपों को यदि गंभीरता से लिया जा रहा है तो उन्हें हलफनामे के रूप में अदालत में दाखिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सच्चाई से डरने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए भूपेंद्र यादव बोले कि राहुल गांधी कहते हैं कि उन्हें ओबीसी की समझ नहीं है, जबकि अलवर ऐसी भूमि है जहां सर्वसमाज और सर्वजाति के लोग एक साथ रहते हैं।

अपने भाषण के अंत में भूपेंद्र यादव ने फिल्मी अंदाज में कहा कि 'सजन रे झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना है, वहां पैदल ही जाना है, और बही लिख-लिखकर क्या होगा, यही सब कुछ चुकाना है।' उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि जीवन का गूढ़ संदेश है जिसे नेताओं और जनता को आत्मसात करना चाहिए।

मोरेल नदी में पानी का स्तर बढ़ने से सड़क मार्ग पूरी तरह बंद

कई गांवों का संपर्क कटा

दौसा, 27 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में मोरेल नदी का जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पानी का स्तर पांच फिट के पार पंहुच गया है। नदी का जल स्तर बढ़ने से सड़क मार्ग पूरी तरह बंद है। कई गांवों का सपंर्क टूट गया। आज सुबह सवारियों से भरी बस यहां पहुंची। लेकिन, पानी का स्तर अधिक होने के कारण बस भी नहीं निकल पाई और वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि दौसा जिले में हुई भारी बारिश के बाद शनिवार से मोरेल नदी का जल स्तर बढ़ रहा है। लेकिन, प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। दो दिन गुजर जाने के बाद भी कोई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचा है और ना ही संकेतक बोर्ड लगाए जा रहे है। ऐसे हादसे का अंदेशा बना हुआ है।

1.40 करोड़ की हेरोइन और 6.50 लाख के डोडा पोस्त जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और जिला पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन सीमा संकल्प चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत राजियासर थाना व सूरतगढ़ शहर पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 1.40 करोड़ की हेरोइन और 6.50 लाख का डोडा पोस्त बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि राजियासर थाना प्रभारी एसआई सुखजीत सिंह ने अपनी टीम के साथ अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान कालुसर ऐटा रोही क्षेत्र से गुजर रही एक स्विफ्ट कार को रोककर पूछताछ की गई। कार सवार व्यक्ति संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। संदेह के आधार पर जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें छिपाकर रखा गया 43 किलो 300 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार सवार दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया और तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया। आरोपियों की पहचान आईदान राम उर्फ आदूराम (35) पुत्र जस्साराम, निवासी गोविंदपुरा डांवरा और भवानी सिंह (19) पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी तरड गोल ढाणियां, गोविंदपुरा डांवरा दोनों जिला जोधपुर के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से जब्त डोडा पोस्त की अनुमानित कीमत 6 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है।

सूरतगढ़ शहर थाना पुलिस के एसआई नगेंद्र सिंह ने टीम के साथ गश्त के दौरान चुना रोड, सूरतगढ़ में कार्रवाई करते हुए चनविंद्र सिंह (30) पुत्र कुलवंत सिंह, निवासी गांव 6 एमएसआर, थाना अनूपगढ़ को 280 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। इस अवैध मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए है। मामले की आगे की जांच राजियासर थानाधिकारी सतीश कुमार को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चनविंद्र सिंह के विरुद्ध पहले से ही थाना अनूपगढ़ व रायसिंहनगर में विभिन्न धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

छात्रों की मौत पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें मुख्य न्यायधीश

राज्य मानवाधिकार आयोग मामले को स्वत: ले संज्ञान : हरीश

नागर कर्नूल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने तेलंगाना उच्च न्यायालय और राज्य मानवाधिकार आयोग से गुरुकुलों में बार-बार हो रही फ़ूड पॉइज़निंग की घटनाओं और छात्रों की मौतों का स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने की अपील करते हुए, उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार को छात्रों की जान जोखिम में डालने के लिए निष्ठुर बताया। हरीश राव उय्यालवाड़ा पहुंचे और नागर कर्नूल जिले में महात्मा ज्योतिबा फुले गर्ल्स बीसी गुरुकुल स्कूल की छात्राओं से बातचीत की, जहां दूषित भोजन खाने से 111 छात्राएं बीमार पड़ गईं।

उन्होंने इस घटना को शासन-प्रशासन की एक दुखद विफलता बताते हुए सवाल उठाया, कुछ छात्रों को हमारे आने की खबर मिलने के बाद ही अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य का इलाज स्कूल में ही पेड़ों के नीचे किया जा रहा है। यह लापरवाही क्यों? पूर्व मंत्री ने जगतियाल, भद्राद्री कोत्तागुडेम, पेद्दाकोत्तपल्ली और हुस्नाबाद समेत अन्य जगहों पर इसी तरह की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस के 20 महीनों के शासन में 100 से ज़्यादा गुरुकुल छात्रों की मौत हो चुकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया, जबकि उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होने पर अधिकारियों को तुरंत निलंबित करने का वादा किया था। उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए उचित भोजन उपलब्ध कराने में सरकार की विफलता की आलोचना की, जबकि सौंदर्य प्रतियोगिताओं के दौरान प्रति प्लेट 1 लाख रुपये से ज़्यादा खर्च करने को तैयार हैं।

हरीश राव ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में गुरुकुल स्कूलों की संख्या 284 से बढ़कर 1,023 हो गई, जिनमें छह लाख से ज़्यादा छात्र पढ़ते थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार अनिवार्य मेनू का पालन नहीं कर रही थी, और छात्रों को मेनू के अनुसार पूरी या चपाती की बजाय कीड़ों वाले चावल और घटिया सांबर परोसा जा रहा था। उन्होंने सरकार पर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि लापरवाही जारी रही तो बीआरएस राज्यव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगी।

जिले में सीआरटी-एसजीटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने बताया कि जिले में आयोजित सीआरटी-एसजीटी परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। रविवार को उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित टी.जी. टी.डब्ल्यू.यू.आर.जे.सी. (पी.टी.जी.-बालक), आश्रम विद्यालय (बालिका)-आसिफाबाद (खेल विद्यालय) में स्थापित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को बिना किसी असुविधा के सभी सुविधाएं प्रदान की गईं, आपातकालीन सेवाओं के लिए चिकित्सा कर्मचारियों की नियुक्ति की गई और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं, साथ ही स्वच्छता, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की नियमानुसार जांच की गई और उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स - 50 वर्षों की परंपरा और विश्वास का स्वर्णिम उत्सव

वार्षिक धमाका सेल बनी ऐतिहासिक हजारों ग्राहकों का सैलाब उमड़ा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) द्वारा आयोजित वार्षिक धमाका सेल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि विश्वास और परंपरा जब एक साथ चलें, तो सफलता सुनिश्चित होती है। यह सेल केवल एक व्यावसायिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि वह स्वर्णिम अवसर बन गया जहां हजारों परिवारों ने वर्षों से संजोया गया सपना साकार किया।

इस सेल में केवल हैदराबाद ही नहीं, बल्कि निज़ामाबाद, तांडूर, कामारेड्डी, गुंटूर, मंचेरियल, विजयवाड़ा जैसे दूर-दराज़ के शहरों से भी ग्राहक भारी संख्या में पधारे। कहीं-कहीं से तो पूरे परिवार साथ लेकर ग्राहक आये, जो 5-6 महीनों से इस धमाका ऑफर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सबका उद्देश्य एक ही था- एसएलजे के विश्वसनीय डिजाइनों को देखने और अपनाने का अवसर पाना।

100 प्रतिशत फ्लैट रेट पर 22 कैरेट गोल्ड ज्वेलरी- यह ऑफर ग्राहकों के लिए किसी सुनहरे सपने से कम नहीं था।

खासकर दुल्हन सेट और राजसी नेकलेस डिज़ाइनों की इस बार चारों ओर चर्चा रही। एसएलजे के पास उपलब्ध कलेक्शन में ऐसा कुछ था, जिसे देखकर हर महिला की आंखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान आ गई। "इतना भव्य, ट्रेंडी और यूनिक डिज़ाइन- वो भी एक ही जगह!" ऐसी प्रतिक्रियाएं हर कोने से सुनाई दीं।

लेकिन एसएलजे को दूसरों से अलग क्या बनाता है?

एसएलजे सिर्फ आभूषण बेचने वाला नाम नहीं- यह एक डिजाइन हाउस है, जहां परंपरा और आधुनिकता का बेजोड़ संगम होता है।

यहां की हर ज्वेलरी को :

> हमारे इन-हाउस डिज़ाइनर्स द्वारा डिज़ाइन किया जाता है

> अच्छी तरह से योग्य प्रोफेशनल्स द्वारा बारीकी से तैयार किया जाता है

> और सबसे बड़ी बात- एसएलजे की कोई भी ज्वेलरी डबल बार नहीं बनती यानी इसकी कोई कॉपी नहीं होती।

हर एक पीस अपने आप में यूनिक है- विशेष, अनमोल और कस्टमर की पर्सनैलिटी से मेल खाता हुआ। यही तो वो भरोसा है जो एसएलजे को बाकी लोकल ज्वेलर्स से अलग करता है।

एसएलजे का मानना है- "ज्वेलरी सिर्फ पहनने की चीज़ नहीं होती, वो आपकी पहचान बनती है।" इसलिए हमारी डिज़ाइनों में हर किसी को उनकी खास झलक मिलती है।

कलेक्शन की भव्यता :

इस ऑफर में 20,000 से अधिक डिज़ाइनों का विशाल संग्रह उपलब्ध रहा- जिसमें पोल्की, कुंदन, डायमंड, मोती, चांदी और गोल्ड ज्वेलरी की वैरायटी ने ग्राहकों को अभिभूत कर दिया। हर डिज़ाइन में एसएलजे की 50 वर्षों की शिल्पकला और ग्राहक सेवा की परंपरा झलकती है।

यह ऑफर केवल 5 अगस्त तक ही वैलिड है।

जिनके घर पर शादी-ब्याह, मांगलिक कार्य या कोई खास अवसर आने वाला हो- उनके लिए यह एक स्वर्णिम अवसर है। एसएलजे सभी को आमंत्रित करता है- आप खरीदें या नहीं, एक बार पधार कर डिज़ाइनों का अनुभव अवश्य करें।

जल्द ही हकीकत बनने वाली है आदिलाबाद-आर्मोर रेलवे लाइन

आदिलाबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बहुप्रतीक्षित आदिलाबाद-निर्मल-आर्मोर रेलवे लाइन अंततः वास्तविकता बनने जा रही है, जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय रेल मंत्रालय आदिलाबाद से पटनचेरू तक 317 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को एक-दो महीने में मंज़ूरी दे सकता है। पहले चरण में, आदिलाबाद, निर्मल और अरमूर कस्बों के बीच 137 किलोमीटर लंबे हिस्से पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से काम शुरू होने की उम्मीद है। केंद्र इस बुनियादी ढांचे से जुड़ी पहल को उच्च प्राथमिकता देते हुए, इस परियोजना के लिए धन मुहैया कराने के लिए तैयार है।

आदिलाबाद के सांसद जी नागेश ने बताया कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने क्षेत्र के पिछड़ेपन का हवाला देते हुए अधिकारियों को पहले चरण में डीपीआर को मंज़ूरी देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जल्द ही परियोजना के तकनीकी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र पूरी लागत वहन करेगा और इसे क्षेत्र में कनेक्टिविटी सुधारने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

सांसद ने बताया कि मंत्रालय ने डीपीआर को मंज़ूरी देने और काम शुरू करने के लिए पहले ही कदम उठा लिए हैं। इस परियोजना में महबूब घाटों पर सुरंगों के ज़रिए रेल लाइनें बिछाना और नेराडिगोंडा मंडल में निर्मल और कुप्ती के पास गोदावरी नदी पर उच्च-स्तरीय पुलों का निर्माण शामिल है। इंजीनियरों ने सुरंगों और पुलों, दोनों के डिज़ाइन तैयार कर लिए हैं। इस रेलवे लाइन को 2023 में तब गति मिली जब इसे अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) के लिए पांच प्राथमिकता वाले मार्गों में सूचीबद्ध किया गया। भारतीय रेलवे ने निज़ामाबाद से निर्मल और अरमूर होते हुए आदिलाबाद तक ब्रॉड-गेज लाइन के लिए एफएलएस कराने हेतु निविदाएं आमंत्रित की थीं। स्थानीय निवासी लंबे समय से राज्य और केंद्र सरकार, दोनों से इस लाइन की मांग कर रहे थे।

कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए परियोजना :

यह रेलवे लाइन आदिलाबाद को पटनचेरू पर हैदराबाद से जोड़ेगी और इसे आदिलाबाद और निर्मल जिलों के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जहां अभी रेल संपर्क नहीं है। यह लाइन निर्मल को आदिलाबाद और निज़ामाबाद से भी जोड़ेगी , जिससे क्षेत्रीय परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे उत्तरी तेलंगाना के अविकसित जिलों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने और कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यात्रा दूरी में 120 किमी की कमी आएगी :

वर्तमान में, यात्री आदिलाबाद मुख्यालय से हैदराबाद पहुंचने के लिए रेल द्वारा महाराष्ट्र होते हुए लगभग 435 किलोमीटर की यात्रा करते हैं। जबकि सड़क मार्ग से दूरी केवल 300 किलोमीटर है। नई रेल लाइन चालू होने पर यात्रा के समय और दूरी में भारी कमी आएगी।

ग्रीन इंडिया चैलेंज ने सुंदरबन में मैंग्रोव वृक्षारोपण का उठाया बीड़ा

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने आठवें संस्करण के उपलक्ष्य में, ग्रीन इंडिया चैलेंज (जीआईसी) ने सुंदरवन में मैंग्रोव वृक्षारोपण अभियान चलाया। पूर्व राज्यसभा सांसद जे संतोष कुमार द्वारा 2018 में स्थापित, जीआईसी एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में उभरा है। रविवार को, अपने आठवें संस्करण के तहत, जीआईसी ने पुरबाशा इको हेल्पलाइन सोसाइटी और इग्नाइटिंग माइंड्स के सहयोग से सुंदरबन के गोसाबा क्षेत्र में 2,000 मैंग्रोव पौधे रोपे। ये पौधे परिवर्तनकारी लाभ प्रदान करते हैं, जिनमें बढ़ते समुद्र और चक्रवातों के विरुद्ध सुरक्षा को मजबूत करना, मछली पकड़ने और कृषि समुदायों के लिए आजीविका को स्थिर करना, लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए आवासों का पोषण करना, तथा भारत की सतत विकास प्रतिबद्धताओं में योगदान देना शामिल है।

सुंदरबन अभियान को उमाशंकर मंडल की उपस्थिति ने और भी बल दिया, जिन्हें 'बंगाल के मैंग्रोव मैन' के रूप में जाना जाता है। पुरबाशा इको हेल्पलाइन सोसाइटी के महासचिव के रूप में, मंडल ने इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्जीवित करने के लिए दो दशकों से भी अधिक समय समर्पित किया है, और हज़ारों हेक्टेयर क्षतिग्रस्त तटीय क्षेत्र को पुनर्स्थापित किया है। मंडल ने कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मैंग्रोव प्रकृति के प्रहरी हैं। वे जलवायु परिवर्तन के तूफ़ानों के विरुद्ध हमारी पहली रक्षा पंक्ति के रूप में खड़े हैं और जीवन और विरासत दोनों की रक्षा करते हैं।' जीआईसी के सहयोगियों ने इस पहल में गहरा तालमेल दिखाया। अध्यक्ष दीपांकर मंडल और महासचिव उमाशंकर मंडल के नेतृत्व में, पूर्वाषा इको हेल्पलाइन सोसाइटी लगभग 20 वर्षों से सुंदरबन में आशा की किरण बनी हुई है।

भारत ने हारा हुआ मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ कराया

जडेजा-सुंदर ने नाबाद 203 रन की साझेदारी करके पारी की हार से बचाया, दोनों के शतक

मैनचेस्टर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने दूसरी पारी में 143 ओवर बैटिंग कर मैनचेस्टर टेस्ट को हार से ड्रॉ में बदल दिया। टीम से शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने शतक लगाया। वहीं केएल राहुल ने 90 रन की पारी खेली। ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली पारी में भारत ने 358 और इंग्लैंड ने 669 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 425 रन बनाए और मुकाबला ड्रॉ करा दिया।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट ड्रॉ होने के बावजूद इंग्लैंड के पास सीरीज में 2-1 की बढ़त है। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के द ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां अगर इंग्लैंड जीता तो टीम सीरीज जीत लेगी, वहीं भारत जीता तो टीम यहां लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज ड्रॉ करा लेगी।

इंग्लैंड से जो रूट ने 150, बेन स्टोक्स ने 141, बेन डकेट ने 94, जैक क्रॉली ने 84 और ओली पोप ने 71 रन बनाए। स्टोक्स ने 5 और जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट लिए। पहली पारी में भारत से साई सुदर्शन ने 61, यशस्वी जायसवाल ने 58 और ऋषभ पंत ने 54 रन बनाए थे।

हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग आयोजित

विशाखापट्टनम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग प्रगति (विशाखापट्टनम शाखा) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

विशाखापट्टनम के वी-होटल में आयोजित बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष निर्मला वोम्मी और समिति के सदस्य डॉ. राधिका, साईं श्रीनिवास, श्री राम मूर्ति, सलाहकार श्रीनिवास चड्डा और एम. श्रीकांत व अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक में एचटूएच के संस्थापक गीतेश काटे, अध्यक्ष कुबेर रागिनी रविकिरण और अध्यक्ष दत्तात्रेय बेन्ने, अध्यक्ष चाणक्य भी शामिल हुए।

डॉ. के. संगीता को हिंदी विभाग के अध्ययन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आज उन्हें उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुमार मोलुगरम से नियुक्ति आदेश दिए।

अमीरपेट में दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक की 8वीं शाखा का किया उद्घाटन

अग्रसेन बैंक ने रचा इतिहास : चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि, अधिकाधिक नई शाखाएं खोलने से अग्रसेन बैंक ने शहरी बैंक में इतिहास रचा है। ग्रेटर हैदराबाद के असंख्य खाताधारकों को बैंकिंग सेवाएं देने में निरंतर प्रयासरत अग्रसेन बैंक ने अमीरपेट स्थित होटल ग्रीन पार्क के सामने, ग्रेटर हैदराबाद में 8वीं नई शाखा का उद्घाटन किया।

इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद के सिध्दिअंबर बाजार स्थित अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, इस शुभावसर पर, मुख्य अतिथि के रूप में सूचना एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, उद्योग और वाणिज्य व विधायी मामले मंत्री तेलंगाना सरकार डी. श्रीधर बाबू ने होटल ग्रीन पार्क के सामने अमीरपेट में दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. की 8वीं नई शाखा का उद्घाटन किया।

इस बारे में अमीरपेट में अग्रसेन बैंक की नई शाखा के उद्घाटन के अवसर पर, मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के सूचना एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, उद्योग और वाणिज्य व विधायी मामले मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने अपने संबोधन में कहा कि, शीघ्रातिशीघ्र बैंकों का विस्तार सराहनीय, खाताधारकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में अग्रसेन बैंक बेजोड हैसाथ ही उन्होने इस बात की भी सराहना की कि, अग्रसेन बैंक द्वारा खाताधारकों के लिए नई डिपाजिट स्कीम्स संचालित की जा रही है तथा आकर्षक लोन आफरिंग्स की भी व्यवस्था की जा रही है।

इस अवसर पर अध्यक्ष - अगरवाल समाज, तेलंगाना अनिरुध्द गुप्ता ने स्ट्रांग रूम एवं सेफ डिपाजिट लाकर्स फैसिलिटी का उद्घाटन किया।

एमडी- तिबारुमल जेवेल्स(प्रा.) लि. रामभरोसे गुप्ता तथा एमडी-सोमानी इस्पात (प्रा.) लि. अशोक कुमार सोमानी ने अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया।

इस उद्घाटन अवसर पर सम्माननीय अतिथियों में अध्यक्ष -अगरवाल समाज, तेलंगाना अनिरुध्द गुप्ता, एमडी- तिबारुमल जेवेल्स(प्रा.) लि. रामभरोसे गुप्ता, एमडी-सोमानी इस्पात (प्रा.) लि. अशोक कुमार सोमानी उपस्थित हुए।

इस शुभावसर पर, अग्रसेन बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने अमीरपेट में 8वीं नई शाखा के उद्घाटन पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि, ग्रेटर हैदराबाद के असंख्य खाताधारकों को डिजीटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में निरंतर प्रयासरत अग्रसेन बैंक द्वारा कई नई शाखाएं का खोली जा रही है। ताकि असंख्य खाताधारकों को सुचारू ढंग से सक्रिय बैंकिंग सेवाएं प्रदान की जा सके। उन्होंने अग्रसेन बैंक के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद में वर्तमान में बैंक की 8 शाखाएं हैं, जिनमें मुख्यालय सिध्दिअंबर बाजार सहित मलकपेट, रिकाबगंज, सिकंदराबाद, अत्तापुर, हिमायतनगर, बंजारा हिल्स, अमीरपेट शामिल हैं। साथ ही उन्होने यह भी बताया कि, अग्रसेन बैंक द्वारा ग्रेटर हैदराबाद में जल्द ही और तीन नई शाखाएं खोली जा रही है उनमें, राजेन्दर नगर गगन पहाड, मलिक प्लाझा केपीएचबी कालोनी कुक्कटपल्ली, विठ्ठलराव नगर माधापूर शामिल हैं।

इस दौरान अमीरपेट स्थित अग्रसेन बैंक की नई शाखा प्रमुख पी. मंजुलता ने उद्घाटन अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों व नये खाताधारकों का स्वागत किया।

अग्रसेन बैंक के तत्संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, बैंक के निदेशक मण्डल में चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए. नवीन कुमार अगरवाल, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार अगरवाल, चेयरमैन-बीओएम नारायण दत्त सहित

निदेशकगण में नरसिंग दास, महेश कुमार अगरवाल, अपूर्वा अगरवाल, मोहन अगरवाल, राजेश कुमार अगरवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गोपाल चंद अगरवाल, अन्जु केडिया, सीए. पंकज कुमार अगरवाल तथा महा प्रबंधक -सीईओ सीवी राव, उप महाप्रबंधक आनंद अगरवाल, अमीरपेट शाखा प्रमुख पी. मंजुलता सहित बैंक कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया।

कुमावत समाज तेलंगाना की आम सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना की आजीवन सदस्यों की आम सभा का आयोजन कुमावत समाज भवन, ज्ञयानबाग कालोनी, बेगम बाजार स्थित भवन में किया गया।

आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत द्वारा प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कोषाध्यक्ष पवन कुमार हांगर द्वारा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष सोनाराम तिलामचा द्वारा अपील की गई की कुमावत समाज तेलंगाना का आजीवन सदस्य बनने के लिए कोई भी समाज बन्धु बन सकते है। धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि समाज में शिक्षा को बढावा देना चाहिए एवं समाज में एकता का परिचय देकर संगठन को मजबूत बनाना होगा। समाज सेवी हनुमानलाल बाकरेचा ने कहा कि कुमावत समाज तेलंगाना द्वारा ओबीसी जाति प्रमाण पत्र का कार्य कर रहे हैं।

रामचन्द्र रेणवाल द्वारा बताया गया कि समाज के लिए हमारा परिवार कभी भी तन मन धन से सहयोग करते रहेंगे। सभा में उपस्थित सदस्यगण सोनाराम तिलामचा, धर्मीचन्द कुमावत, पवन पटेल हागंर, रामचन्द्र रेणवाल, हनुमानलाल बाकरेचा, धर्माराम डैय्य, नोरतनमल होतवाल, श्रवण कुमार मानणिया, ओमप्रकाश मण्डोरा, राकेश धमाणिया, कानारामू हांगर, रुपाराम भोपा, सुखराज घोडावड, ओमप्रकाश भोपा, दोलतराम हुबलदिया, नाथूराम लाबरिया, अणदाराम मनावत, प्रकाश मालिया, बुद्धाराम होतवाल, लुम्बाराम जालोरा, बाबुलाल आडाणिया, मांगीलाल बांवलिया, चेनाराम मानणिया, मांगीलाल हुबलदिया, मदनलाल दुबलदिया आदि बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मल्काजगिरी सांसद इटेला राजेंद्र ने बालमराय सिकंदराबाद में जैन समाज द्वार परिचलित गुरु गौतम मुनि चैरिटेबल हॉस्पिटल का दौरा कर वहां लोगों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। हॉस्पिटल द्वारा रियायति दरों पर जा रही चिकित्सा सेवा की भी सराहना की। अवसर पर मुख्य ट्रस्टी गौतम चंद करारिया एवं भानुका मल्लिकार्जुन आदि भी उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी टूर्नामेंट में भी नहीं खेलेंगे भारत-पाकिस्तान

भड़का दिग्गज, अपने ही देश पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला रद्द होने से नाखुश हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि शायद भविष्य में भारत एशिया कप, या आईसीसी इवेंट में पाकिस्तान से न खेले।

वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तान से ना खेले भारत

दानिश कनेरिया ने 'आईएएनएस' से कहा, 'डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान का मैच होने वाला था, जिसमें भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर शामिल थे, लेकिन उन्होंने इस मुकाबले का बायकॉट कर दिया। ऐसा लगता है कि शायद आने वाले समय में एशिया कप, या आईसीसी इवेंट में भारतीय टीम पाकिस्तान से न खेले।'

वर्ल्ड कप में भी पाकिस्तान से ना खेले भारत

दानिश कनेरिया ने 'आईएएनएस' से कहा, 'डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान का मैच होने वाला था, जिसमें भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर शामिल थे, लेकिन उन्होंने इस मुकाबले का बायकॉट कर दिया। ऐसा लगता है कि शायद आने वाले समय में एशिया कप, या आईसीसी इवेंट में भारतीय टीम पाकिस्तान से न खेले।'

पाकिस्तान की ओर से 61 टेस्ट और 18 वनडे मैच खेल चुके कनेरिया ने कहा, 'मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के भी चेयरमैन हैं। नकवी को ग्रीन सिग्नल मिला होगा, तभी उन्होंने भारत-पाकिस्तान मुकाबले की डेट दी। मेरा मानना है कि बीसीसीआई को सोचकर इस पर फैसला लेना था। इसमें स्पष्टता होनी चाहिए थी। इसमें दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। फैंस मैच रद्द होने से नाराज हैं। इस तरह से बायकॉट करना टूर्नामेंट के आयोजकों के लिए सिरदर्दी है।'

खिलाड़ियों के फैसले पर क्या बोले?

पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर्स में शुमार कनेरिया ने कहा, 'खिलाड़ियों ने जो फैसला लिया, वह अपने देश के लिए लिया। अगर आप देशभक्ति की बात कर रहे हैं, तो आपको उस पर लगातार कायम रहना होगा। विदेश में कई लीग खेली जा रही है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी भी खेलते हैं। भारत-पाकिस्तान के मुकाबलों में भारी व्यूअरशिप आती है। दोनों देशों के बीच मैच न होने से तगड़ा नुकसान होता है।'

भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच 20 जुलाई को वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेला जाना था, लेकिन शिखर धवन, हरभजन सिंह, इरफान पठान जैसे खिलाड़ी इस मुकाबले में खेलने से इनकार कर चुके थे। ऐसे में मुकाबला ही रद्द करना पड़ा।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर भड़के मोहम्मद अजहरुद्दीन

एशिया कप 2025 का शेड्यूल आने पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीम का आमना-सामना होगा। अब इस मैच को लेकर पीटीआई से बातचीत करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन कहा "मेरा मानना है कि अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलते हैं तो आपको इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में भी नहीं खेलना चाहिए। या तो सबकुछ होना चाहिए या फिर कुछ भी नहीं होना चाहिए, लेकिन होगा वहीं जो सरकार और बोर्ड तय करेंगे।"

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 को लेकर अजहरुद्दीन ने कहा "लीजेंड्स लीग कोई आधिकारिक नहीं है। उससे आईसीसी या बीसीसीआई का कोई लेना-देना नहीं है। इसके लिए आईसीसी या बीसीसीआई की मंजूरी नहीं लेनी पड़ती है। ये निजी तौर पर खेली जाती है, लेकिन एशिया कप को एशियन क्रिकेट काउंसिल द्वारा आयोजित किया जाता है।"

भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध खराब होने के चलते दोनों टीमों के बीच काफी सालों से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। साल 2012-13 में आखिरी बार भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी, उस वक्त पाकिस्तान की टीम भारत आई थी। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब पाकिस्तान के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश है, जिसका असर खेल के मैदान पर भी दिखने को मिलने लगा है।

क्या ब्रायडन कार्स ने की बॉल टैम्परिंग की कोशिश?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से मची सनसनी

मैनचेस्टर, 27 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। मैच में 4 दिन का खेल खत्म हो चुका है, वहीं मैच का आखिरी और निर्णायक दिन है। टीम इंडिया पर हार का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन भारतीय टीम पांचवें दिन तीनों सेशन खेलकर मैच को ड्रॉ करने की कोशिश करेगी, क्योंकि अब टीम इंडिया के लिए मैच को जीतना असंभव है। चौथे दिन कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 172 रनों की साझेदारी की। 2 विकेट जल्दी चटकाने के बाद इंग्लैंड के गेंदबाज विकेट के लिए तरसते दिखे। वहीं चौथे दिन तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स की एक हरकत कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद सोशल मीडिया बॉल टैम्परिंग का मामला तूल पकड़ा हुआ दिखाई दे रहा है।

ब्रायडन कार्स ने की बॉल टैम्परिंग?

ये पूरी घटना 12वें ओवर की है जो ब्रायडन कार्स डाल रहे थे। इस ओवर में शुभमन गिल ने कार्स की गेंद पर बैक टू बैक 2 चौके लगाए थे। इसके बाद फॉलो थ्रू में कार्स ने गेंद को अपने पैर से रोका। जिसके बाद ब्रायडन कार्स को जूते से गेंद को दबाते हुए देखा गया। उनकी हरकत को ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग ने भी नोटिस किया। स्काई स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान रिकी पोंटिंग ने कहा "ब्रायडन कार्स का वो आखिरी ओवर था, इस दौरान वे फॉलो थ्रू में ऐसा करते हैं, गेंद को रोक देते हैं... ऊप्स। गेंद पर जूते की स्पाइक्स से कुछ बड़े निशान बना देता है।"

टीम इंडिया ने चौथे दिन बनाए थे 172 रन

मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 669 पर समाप्त हुई थी। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट ने 150 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 141 रनों की पारी खेली थी। वहीं टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजी करते हुए रवींद्र जडेजा ने 4 विकेट चटकाए थे। इसके बाद टीम इंडिया ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट खोकर 172 रन बना लिए थे। टीम इंडिया को 2 झटके यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन के रूप में लगे थे। ये दोनों बल्लेबाज ही बिना खाता खोले आउट हो गए थे।

इसके बाद शुभमन गिल और केएल राहुल ने पारी को संभालते हुए शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए अर्धशतक लगाए। अब पांचवें दिन ये दोनों खिलाड़ी लंबी पारी खेलकर मैच को ड्रॉ करना चाहेंगे। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक केएल राहुल ने 87 और गिल ने 78 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल ने 18 गेंदों में निकाला वेस्टइंडीज का दिवाला

टी20 सीरीज में ओपनिंग करते हुए 8 छक्कों के साथ जमाए 79 रन

बारबाडोस, 27 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथा T20 भी जीत लिया है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 5 T20 की सीरीज में 4-0 की बढ़त ले ली है। चौथे T20 में ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो ग्लेन मैक्सवेल रहे, जिन्होंने बल्ले से गर्दा मचा दिया। उन्होंने सिर्फ 18 गेंदों की पारी से ही चौथे T20 में वेस्टइंडीज का दिवाला निकाल दिया। ग्लेन मैक्सवेल को उनकी विस्फोटक और मैच बनाने वाली पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

18 गेंदों में मैक्सवेल ने चौथे T20 में मचाया धमाल

अब सवाल है कि ग्लेन मैक्सवेल ने 18 गेंदों में क्या किया? तो मैक्सवेल ने सीरीज के पिछले 2 मुकाबलों की तरह चौथे T20 में भी ओपनिंग की। लेकिन फर्क ये रहा कि इस बार वो धमाका करने से पिछली 2 बार की तरह चूके नहीं। उन्होंने क्रीज पर कदम रखते ही वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना काम शुरू कर दिया। नतीजा ये हुआ कि वेस्टइंडीज की टीम ने जो टारगेट दिया था वो भी तेज रफ्तार से घटने लगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 205 रन बनाए थे. जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 206 रन के लक्ष्य को 4 गेंद पहले ही भेद दिया. ऑस्ट्रेलिया अपनी सफलता की कहानी लिखने में कामयाब रहा क्योंकि उसके लिए ग्लेन मैक्सवेल ने वो बुनियाद पहले ही रख दी थी, जिस पर जीत की बुलंद इमारत खड़ी की जा सके.

18 गेंद... ग्लेन मैक्सवेल ने ओपनिंग करते हुए सीरीज में उड़ाए 8 छक्के

ओपनिंग करने उतरे ग्लेन मैक्सवेल ने चौथे टी20 में 18 गेंदों में 261.11 की स्ट्राइक रेट से 47 रन बनाए, जिसमें 6 छक्के और 1 चौका शामिल रहा. वेस्टइंडीज के खिलाफ T20 सीरीज में ओपनिंग करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने अपना सबसे बड़ा स्कोर इसी मैच में बनाया. इस स्कोर के साथ T20 सीरीज में वतौर ओपनर खेले 3 मैचों में अब तक उन्होंने 35 गेंदों में 79 रन 8 छक्के की मदद से जड़े हैं.

'भारत को खेल महाशक्ति बनाना है'

मन की बात में पीएम मोदी ने लोगों को खेलने के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली, 27 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 124वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'मन की बात में एक बार फिर बात होगी देश की सफलताओं की, देशवासियों की उपलब्धि की। पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है।' उन्होंने लोगों को खेल के लिए प्रेरित किया और कहा कि भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। पीएम मोदी ने कहा, 'क्या आप जानते हैं ओलंपिक के बाद सबसे बड़ा खेल आयोजन कौन सा होता है? इसका उत्तर है - वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स। दुनिया भर के पुलिसकर्मी, फायर फाइटर्स, सिक्योरिटी से जुड़े लोग उनके बीच होने वाला स्पोर्ट्स टूर्नामेंट। इस बार ये टूर्नामेंट अमेरिका में हुआ और इसमें भारत ने इतिहास रच दिया। भारत ने करीब-करीब 600 मेडल जीते। 71 देशों में हम शीर्ष तीन में पहुंचे।' पीएम मोदी ने कहा, 'उन वर्दीधारियों की मेहनत रंग लाई जो दिन-रात देश के लिए खड़े रहते हैं। हमारे ये साथी अब खेल के मैदान में भी झंडा बुलंद कर रहे हैं। मैं सभी खिलाड़ियों और कोचिंग टीम को बधाई देता हूं। वैसे आपके लिए ये भी जानना दिलचस्प होगा कि 2029 में ये खेल भारत में होंगे। दुनिया-भर से खिलाड़ी हमारे देश आएंगे। हम उन्हें भारत की मेहमान-नवाजी दिखाएंगे, अपनी खेल संस्कृति से परिचय कराएंगे।' पीएम मोदी ने कहा, 'बीते दिनों, मुझे, कई युवा एथलीट्स और उनके परिवार वालों के संदेश मिले हैं। इनमें 'खेलो भारत नीति 2025' की खूब सराहना की गई है। इस नीति का लक्ष्य साफ है - भारत को खेल महाशक्ति बनाना।'

विश्वविद्यालय खेलों में तीरंदाज जाधव को स्वर्ण

ईसेन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। साहिल जाधव ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारतीय तीरंदाजों ने विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के तीरंदाजी स्पर्धा में पांच पदकों के साथ अभियान समाप्त किया। इससे पहले परनीत कौर महिला कंपाउंड के रोमांचक फाइनल में दक्षिण कोरिया की मून यौंजन के खिलाफ दबाव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इन दोनों के अलावा भारत ने कंपाउंड तीरंदाजों ने मिश्रित टीम स्वर्ण, पुरुषों की टीम रजत, महिलाओं की टीम कांस्य के साथ रिकर्व तीरंदाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन की काफी हद तक भरपाई भी कर दी। वहीं भारत के 24 वर्षीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने अपने दूसरे प्रयास में 16.66 मीटर की शानदार छलांग लगाकर त्रिकूद में रजत पदक जीता। वहीं, सीमा ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 15:35.86 का समय निकाला। वह जूलिया डेविड स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। भारत के कुल पदकों की संख्या नौ हो गई है। प्रतियोगिता का 32वां संस्करण 16 से 27 जुलाई तक जर्मनी के छह शहरों में आयोजित किया जा रहा है। चेंगदू में 2023 का संस्करण भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जहां देश 26 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा था। इसमें 11 स्वर्ण पदक शामिल थे, जिनमें से आठ निशानेबाजी में आए थे।

भुवनेश्वर का यह एथलीट ऑस्ट्रेलिया के कॉनर मर्फी से पीछे रहा जिन्होंने 16.77 मीटर की इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। भारत अपने पदकों की संख्या में और सुधार कर सकता है क्योंकि पुरुष और महिला दोनों चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई करके शानदार प्रदर्शन किया है। जाधव ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 में से 14 निशाने 10 अंक के लगाये। उनका आखिरी निशाना नौ अंक का रहा जिससे रोमांचक फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के अजय स्कॉट को 149-148 से हराया।

इंग्लैंड में बार-बार जीरो पर आउट हो रहा अंबाती रायडू

अब तक नहीं खोल पाया खाता

लंदन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा अब खत्म होने की ओर है। मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के बाद लीड्स में टीम इंडिया को दौरे पर अपना आखिरी टेस्ट खेलना है, जो कि 4 अगस्त को खत्म होगा। लेकिन, शुभमन गिल की कमान वाली टीम इंडिया से पहले इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी में खेल रही इंडिया चैंपियंस का सफर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स में थमता दिखेगा. वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के दूसरे सीजन का आयोजन इंग्लैंड में ही हो रहा है, जिसमें इंडिया चैंपियंस से खेल रहे एक भारतीय बल्लेबाज का अब तक खाता नहीं खुला है. वो हर मैच में जीरो पर आउट हो रहा है.

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स यानी डब्ल्यूसीएल के दूसरे सीजन में इंडिया चैंपियंस की हालत अच्छी नहीं है. डब्ल्यूसीएल के पिछले सीजन की चैंपियन इंडिया की टीम इस बार 6 टीमों के दंगल में सबसे नीचले पायदान पर है. उसने अब तक 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों में ही उसे हार का सामना करना पड़ा है. जबकि पाकिस्तान के खिलाफ लीग में अपने पहले मुकाबले को उसने खेलने से इनकार कर दिया था.

बार-बार जीरो पर आउट हो रहे अंबाती

इंग्लैंड की जमीन पर खेले जा रहे WCL 2025 के मुकाबलों में अब तक अपना खाता नहीं खोल सका है? इंडिया चैंपियंस ने डब्ल्यूसीएल 2025 में अब तक 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों में ही अंबाती रायडू जीरो पर ही आउट हुए हैं.

साउथ अफ्रीका चैंपियंस के खिलाफ 22 जुलाई को खेले मुकाबले में 2 गेंदों का सामना कर अंबाती रायडू खाता नहीं खोल सके. और ठीक वैसा ही उनके साथ 26 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के खिलाफ मुकाबले में भी हुआ. यहां भी वो 2 गेंदों में ही बिना खाता खोले आउट हो गए.

वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लेजेंड्स के दूसरे सीजन में इंडिया चैंपियंस का अगला मैच अब इंग्लैंड चैंपियंस के साथ है. 27 जुलाई को खेला जाने वाला ये मैच संभवतः इस सीजन में इंडिया चैंपियंस का आखिरी भी होगा. क्योंकि, पिछले दोनों मुकाबले हारकर इंडिया चैंपियंस पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है. देखना ये है कि अंबाती रायू का इस मुकाबले में भी खाता खुलता है या फिर उन्हें जीरो पर ही आउट होना पड़ता है.

न्यूजीलैंड ने टी-20 ट्राई सीरीज जीती

मैट हेनरी ने 20वें ओवर में 7 रन डिफेंड किए

हरारे, 27 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे में खेली गई टी20 इंटरनेशनल ट्राई सीरीज के रोमांचक फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 3 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। आखिरी ओवर का रोमांच देखने लायक था, जिसमें कीवी पेसर मैट हेनरी ने 7 रन डिफेंड कर अपनी टीम को जीत दिलाई. न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। टारगेट का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका की टीम पूरे ओवर खेलकर 177/6 रन तक ही पहुंच सकी।

फाइनल मुकाबला बेहद करीबी रहा और न्यूजीलैंड ने अंतिम ओवर में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की. दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में जीत के लिए सिर्फ 7 रनों की जरूरत थी और उनके पास विकेट भी बचे हुए थे. हालांकि, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने बेहतरीन गेंदबाजी की और सिर्फ 3 रन दिए. साथ ही दो महत्वपूर्ण विकेट भी झटके. आखिरी गेंद पर दक्षिण अफ्रीका को 4 रन चाहिए थे, लेकिन वे इसे हासिल नहीं कर पाए और न्यूजीलैंड ने 3 रनों से मैच जीत लिया. इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पूरे टूर्नामेंट में अपना अजेय क्रम बरकरार रखा और खिताब पर कब्जा किया.

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए. उनके लिए डेवोन कॉनवे (47 रन) और रचिन रवींद्र (47 रन) ने शानदार पारियां खेलीं, जबकि टिम साइफर्ट ने भी 30 रन का योगदान दिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन बीच के ओवरों में विकेट गंवा दिए. लुआन-ड्रे प्रिटोरियस ने 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. अंतिम ओवर में ड्वालड ब्रेविस ने कुछ बड़े शॉट लगाए, लेकिन मैट हेनरी की कसी हुई गेंदबाजी और माइकल ब्रेसवेल व डैरिल मिशेल के बेहतरीन कैचों ने न्यूजीलैंड को जीत दिला दी. दक्षिण अफ्रीका 20 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन ही बना सकी.

वेन्नाला कलागोटला, तन्वी शर्मा ने पीवी सिंधु के 13 साल बाद एशियाई जूनियर डब्ल्यूएस पदक जीता

सोलो, 27 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले दो दशकों में इस महाद्वीप से बैडमिंटन में भाग लेने वाले किसी भी खिलाड़ी ने एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीता है, जिस पर चीनियों ने काफी भरोसा जताया है।

इसलिए, जब तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलगोटला ने इंडोनेशिया के सोलो में हुए, इस टूर्नामेंट के नवीनतम संस्करण में कांस्य पदक जीते, और सेमीफाइनल में दो चीनी खिलाड़ियों से हार गईं, तो भारतीय बैडमिंटन में महिला एकल का पहिया फिर से सक्रिय हो गया – पीवी सिंधु के आखिरी बार खिताब जीतने के 13 साल बाद। वेन्नाला, जो सिकंदराबाद की उसी रेलवे कॉलोनी से आती हैं जहाँ कभी सिंधु रहती थीं, सीनियर खिलाड़ी की तरह दुबली-पतली और लंबी भी हैं,

जिनकी लंबाई 17 साल की उम्र में 5 फुट 8 इंच है।

जहाँ शर्मा सीनियर्स में धूम मचा रही हैं, वहीं हैदराबाद की शटलर वेन्नाला ने अपने जबरदस्त रिफ्लेक्टिव डिफेंस और दमदार पावर स्मैश के मिश्रण से कमाल कर दिया। चीनी प्रतिद्वंद्वी लियू सी या को 21-15, 21-18 से हरा का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन वेन्नाला ने तीन मैच पॉइंट बचाकर और इस हफ्ते अपने आश्च र्य ज न क जुझारू खेल से मज़बूत संभावनाएँ दिखाते हुए, मुकाबला जीत लिया।

कृष्णा खेतान प्रतियोगिता जीतने के बाद अनमोल खरब के साथ युगल में जोड़ी बनाने वाली वेन्नाला, एक रेलवे टिकट कलेक्टर की बेटी हैं और बॉल बैडमिंटन की खिलाड़ी भी हैं। यह टीम खेल, जो दक्षिण भारत में काफी लोकप्रिय है और खेलने में बेहद मज़ेदार है, दक्षिण रेलवे की टीमों में कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, और वेन्नाला और उनके भाई को बैडमिंटन खेलने के लिए भेजा गया, जो हैदराबाद के खेल क्लबों में एक संस्कृति के रूप में स्थापित हो गया है। उन्होंने आठ साल की उम्र में शुरुआत की और बाद में पुलेला गोपीचंद अकादमी में चली गईं।

मैं घर पर बैठे-बैठे बोर हो रही थी, इसलिए हमें रेलवे कॉलोनी वाले घर से 800 मीटर दूर बैडमिंटन खेलने के लिए भेज दिया गया। मेरे पिता चाहते हैं कि हम ओलंपिक में जीतें। मैं डबल्स भी खेलती हूँ, लेकिन मेरा ध्यान सिंगल्स पर है, उसने कहा। यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है, लेकिन मैं और बेहतर खेल सकती थी, वह कहती हैं।

लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया फाइनल में, रादुकानू और रिबाकिना हारीं

वॉशिंगटन, 27 जुलाई (एजेंसियां)। लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया।

कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा रादुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं। पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मिनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत चौथे वरीय बेन शेल्टन और 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी।

वन और पुलिस अधिकारी वनाधिकार मान्यता भूमि में प्रवेश न करें : भट्टी

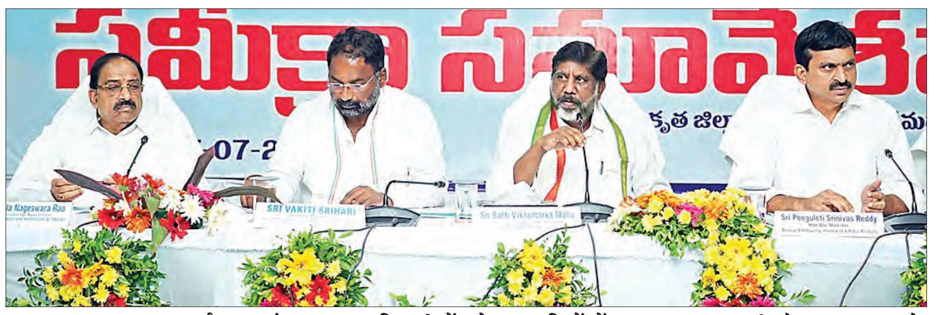

खम्मम, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि वन और पुलिस अधिकारी वनाधिकार मान्यता (आरओएफआर) भूमि में प्रवेश न करें।

उपमुख्यमंत्री ने रविवार को कोत्तागुडेम जिला मुख्यालय में मानसून के दौरान बाढ़ की तैयारियों, नागरिकों के लिए राहत उपायों, कल्याणकारी योजनाओं और आपातकालीन सेवाओं के प्रावधा के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री वकाती श्रीहरि (खम्मम जिला प्रभारी), तुम्मला नागेश्वर राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सांसद, विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने ज़ोर देकर कहा कि आरओएफआर अधिनियम के तहत, पुलिस और वन अधिकारियों को उन भूमियों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है जहाँ किसान खेती कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आरओएफआर के तहत खेती करने वाले किसानों को इंदिरा सौरागिरि जल विकास योजना के तहत सौर पंप सेट, स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई प्रणाली और बागवानी फसलें मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना के तहत अगले तीन वर्षों में 12,600 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है।" उपमुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि आरएंडबी और पंचायती राज सड़कों के प्रस्तावों में विधायकों द्वारा देरी की जा रही है, जबकि सरकार ने सड़क बुनियादी ढांचे के लिए पहले ही 20,000 करोड़ रुपये की योजना तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि यूरिया की कोई कमी नहीं है और सरकार मांग को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है - जनता को चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बताया कि सभी परिवारों को सब्सिडी वाला चावल दिया जा रहा है और 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के साथ, 85 प्रतिशत ग्रामीण परिवार अब बिजली बिल भुगतान से मुक्त हैं। उपमुख्यमंत्री ने इंदिराम्मा आवास योजना को भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर बताते हुए कहा कि पहले चरण में, राज्य भर में 6.5 लाख घरों का निर्माण शुरू होगा - प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3,500 घर, प्रत्येक घर के लिए 5 लाख रुपये का आवंटन, कुल मिलाकर 22,500 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। उन्होंने कहा कि अब केवल निर्माण शुरू होने में देरी है; सरकार सप्ताहवार धनराशि जारी करने की योजना के साथ तैयार है।

भट्टी विक्रमार्क ने सुझाव दिया कि विधायक हर त्योहार पर दो छोटी लड़कियों के साथ पारंपरिक मुग्गुलु (रंगोली बनाना) त्योहार मनाएँ। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक जिले में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की योजना तैयार करें। वर्तमान में, सरकार अन्य क्षेत्रों से खरीदकर सालाना 89 करोड़ मत्स्य बीज जलाशयों में छोड़ रही है।

इसके बजाय, यदि प्रत्येक जिले में स्वयं सहायता समूह के सदस्य मत्स्य पालन को अपनाएँ, तो इससे रोजगार सृजन होगा और यह एक बड़े पैमाने के व्यवसाय के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि कलेक्टरों को तदनुसार योजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि गोदावरी नदी में बाढ़ फिलहाल नियंत्रण में है और अभी तक कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालाँकि, अधिकारियों को व्यापक बाढ़ राहत उपाय करने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जीवन रक्षक जैकेट उपलब्ध हों। उन्होंने निर्देश दिया कि मानसून समाप्त होने तक एक नियंत्रण कक्ष चालू रहना चाहिए।

रेव पार्टी का भंडाफोड़, ड्रग्स के साथ नौ गिरफ्तार, दो फरार

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के राज्य टास्क फोर्स ने शनिवार रात कोंडापुर में एक रेव पार्टी पर छापा मारा और ड्रग्स का सेवन कर रहे नौ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 2.08 किलोग्राम गांजा, 50 ग्राम ओजी कुश, 11.57 ग्राम मैजिक मशरूम, 1.91 ग्राम चरस और 4 एलएसडी ब्लॉट्स जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में राहुल, उन्नति इमैनुएला उर्फ प्रवीण, अशोक नायडू, सम्मेला साई कृष्णा, नागेला लीला मणिकांठा, हिल्टन जोसेफ, यशवंत श्रीदत्त, थोटा कुमारस्वामी और नंदम सुमंत तेजा शामिल हैं। दो अन्य श्रीनिवास चौधरी और अखिल फरार हैं।

अधिकारियों के अनुसार, राहुल डार्क वेब के माध्यम से ड्रग्स खरीद रहा था और अपने सहयोगियों प्रवीण के माध्यम से इसे दूसरों को सप्लाई कर रहा था। रेव पार्टी का आयोजन अशोक नायडू ने किया था और बाकी संदिग्ध, जो ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं, उसमें शामिल हुए थे। यह पार्टी कोंडापुर के सर्विस अपार्टमेंट, एसवी निलयम में आयोजित की गई थी। गिरफ्तार किए गए सभी लोग आंध्र प्रदेश के मूल निवासी हैं।

भाजपा ने कृषि मंत्री को तेलंगाना में यूरिया की कमी पर बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा इकाई के अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव को यूरिया आपूर्ति की कमी पर बहस करने की सीधी चुनौती दी है। रविवार को गदवाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, रामचंदर राव ने बताया कि तेलंगाना यूरिया उर्वरक की एक अनोखी कमी से जूझ रहा है, ऐसी स्थिति देश के किसी अन्य राज्य में नहीं है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना को 12.2 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध कराया है, जबकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने केवल 9.5 लाख मीट्रिक टन की मांग की थी। रामचंदर राव ने कहा, "किसानों को कांग्रेस सरकार से पूछना चाहिए कि 2.5 लाख मीट्रिक टन का क्या हुआ और यूरिया की कमी के पीछे क्या कारण हैं। अगर कृषि मंत्री बहस के लिए सहमत होते हैं, तो हम केंद्र सरकार द्वारा आपूर्ति की गई यूरिया का विवरण प्रस्तुत करेंगे।" उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार यूरिया की कमी के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराकर अपनी विफलताओं और अक्षमताओं को छिपाने की कोशिश कर रही है, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के नज़दीक आने पर। भाजपा अध्यक्ष के अनुसार, राज्य सरकार बिचौलियों के साथ मिलकर काम कर रही है जो यूरिया की कालाबाज़ारी को बढ़ावा दे रहे हैं, किसानों को गुमराह कर रहे हैं और केंद्र सरकार पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने किसानों को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उर्वरक प्रबंधन में गंभीर लापरवाही के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, जिससे किसानों की आजीविका खतरे में पड़ रही है। भाजपा नेता ने किसानों से स्थानीय चुनावों के दौरान कांग्रेस प्रतिनिधियों को चुनौती देने और यूरिया उर्वरक की कमी के बारे में जवाब मांगने का आह्वान किया। इससे पहले, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक में बोलते हुए, उन्होंने उल्लेख किया कि जनता अब कांग्रेस पार्टी पर भरोसा नहीं करती है और सत्ता में रहते हुए किए गए उसके खोखले वादों के लिए उसे जवाबदेह ठहराने के लिए तैयार है। इस अवसर पर, रामचंदर राव ने महबूबनगर के सांसद और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी. के. अरुणा, जिला नेताओं रामंजनेयुलु, डॉ. सिगधरेड्डी, रामचंद्र रेड्डी, श्रीनिवास रेड्डी, भरत और अफसर पाशा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का 124वां एपिसोड भी देखा।

शी टीम्स ने महिलाओं को परेशान करने के आरोप में 198 लोगों को पकड़ा

जुलाई में रोके दो बाल विवाह

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले एक पखवाड़े में, राचकोंडा शी टीम्स ने कमिश्नरेट के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं को परेशान करने के आरोप में 115 नाबालिगों सहित 198 लोगों को पकड़ा। इस दौरान, उन्होंने आपराधिक और छोटे-मोटे मामले दर्ज किए और पकड़े गए लोगों की काउंसलिंग की गई। अधिकारियों ने बताया कि 1 से 15 जुलाई के बीच राचकोंडा में मेट्रो ट्रेनों, स्टेशनों, बस स्टॉप, कार्यस्थलों और कॉलेजों जैसे विभिन्न हॉटस्पॉट से सीधे, व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से विभिन्न स्रोतों से कुल 229 शिकायतें प्राप्त हुईं। पकड़े गए लोगों को एल.बी. नगर स्थित पुलिस आयुक्त के कैंप कार्यालय में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और पेशेवर मनोवैज्ञानिकों द्वारा आयोजित अनिवार्य परामर्श सत्रों में भाग लेना पड़ा।

अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए 198 लोगों में से 42 नाबालिग थे, जिनकी वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों ने काउंसलिंग की। इसके अलावा, मेट्रो ट्रेनों सहित विभिन्न स्थानों पर फर्जी कार्रवाई के दौरान छह लोगों को पकड़ा गया और उन पर जुर्माना लगाया गया। इस बीच, राचकोंडा पुलिस ने स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए और दो बाल विवाह रोके गए। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने शी टीम्स के काम की सराहना की और महिलाओं से आग्रह किया कि वे संकट की स्थिति में राचकोंडा व्हाट्सएप कंट्रोल नंबर - 8712662111 या 100 डायल करके शी टीम्स से संपर्क करें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस विधायक के खिलाफ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के शमशाबाद में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर की गई टिप्पणी के लिए बीआरएस विधायक पडी कौशिक रेड्डी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन रंगारेड्डी जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष नागेंद्र रेड्डी ने किया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर बीआरएस विधायक बिना शर्त माफी नहीं मांगते हैं, तो उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ेगा और उनकी गतिविधियों में बाधा डाली जाएगी। नागेंद्र रेड्डी ने कहा कि जहाँ लोग राज्य सरकार द्वारा की जा रही पहलों और विकास परियोजनाओं से खुश हैं, वहीं बीआरएस नेता इस प्रगति को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं और मुख्यमंत्री की निराधार आलोचना कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव ने टीटीडी अध्यक्ष से मुलाकात की

तिरुमला, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के. विजयानंद रविवार को तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के बाद टीटीडी अध्यक्ष शिविर कार्यालय गए और अध्यक्ष बी.आर. नायुडू से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर, अध्यक्ष बी.आर. नायुडू ने मुख्य सचिव को टीटीडी में हाल ही में शुरू किए गए विभिन्न विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने मुख्य सचिव को बताया कि टीटीडी सभी के समन्वय से श्रद्धालुओं को बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहा है।

हैदराबाद और जिलों में फिर से खिली धूप

व्यापक बारिश से पानी की कमी दूर हुई

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सप्ताह से अधिक समय से चल रही भारी और लगातार बारिश के बाद, हैदराबाद और पड़ोसी जिलों में फिर से धूप खिली है। सामान्य स्थिति धीरे-धीरे बहाल हो रही है, क्योंकि हैदराबाद में लोगों को रविवार को एक सप्ताह से अधिक समय तक छाए काले और उदास बादलों से राहत मिली। हालांकि, हैदराबाद और तेलंगाना के कई जिलों में व्यापक रूप से हुई भारी से बहुत भारी बारिश ने बारिश की कमी को प्रभावी ढंग से दूर कर दिया है। पिछले सप्ताह तक, हैदराबाद और मेडचल-मलकजगिरी सहित तेलंगाना के 20 से अधिक जिले कम बारिश से जूझ रहे थे, लेकिन केवल एक सप्ताह में, सभी जिले अब सामान्य स्तर पर पहुंच गए हैं।

दरअसल, राज्यव्यापी औसत अब कम बारिश से बढ़कर सामान्य बारिश की श्रेणी में आ गया है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के नवीनतम मानसून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक, इस मानसून सीज़न में तेलंगाना में सामान्य 334.0 मिमी की तुलना में 336.0 मिमी बारिश हुई है। वर्तमान में, केवल पाँच जिलों, मंचेरियल, निर्मल, जगतियाल, पेड्डापल्ली और जनगाँव, में कम वर्षा हुई है। वहीं, चार जिलों - सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, महबूबनगर और नागरकुरनूल - में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। तेलंगाना के शेष 24 जिले अब सामान्य वर्षा की श्रेणी में हैं।

हैदराबाद मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले सप्ताह के बाकी दिनों में इस महीने के अंत तक तेलंगाना में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। आईएमडी-हैदराबाद ने सोमवार को तेलंगाना के सभी जिलों में बिजली और तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश की चेतावनी भी जारी की है। आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान में कहा गया है कि तेलंगाना के जिलों में अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज और लगातार हवाएं चलने की संभावना है।

तेलंगाना में ग्रीन इंडिया चैलेंज का आठवां संस्करण शुरू

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन इंडिया चैलेंज (जीआईसी) के आठवें संस्करण का शुभारंभ इसके संस्थापक और पूर्व सांसद जे संतोष कुमार ने यहां किया। पूर्व सांसद ने कीसरगुट्टा स्थित श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर के शांत वातावरण में पौधारोपण करके इस पहल की औपचारिक शुरुआत की। उनके साथ पूर्व मंत्री सी. मल्ला रेड्डी भी मौजूद थे । उन्होंने नए संस्करण के लोगो का भी अनावरण किया। संतोष कुमार ने कहा कि मैंने ग्रीन इंडिया चैलेंज की शुरुआत इस इरादे से की थी कि मैं इसे अपने जीवन के अंत तक जारी रखूंगा। उन्होंने इस तरह की पहल की आवश्यकता पर बल दिया और सभी से इसे आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

सात वर्षों से फल-फूल रहा जीआईसी, नए जोश के साथ अपने आठवें संस्करण की शुरुआत कर रहा है। मूल रूप से एक व्यक्ति द्वारा तीन पौधे लगाने और तीन अन्य लोगों को ऐसा करने की चुनौती देने की एक साधारण सी पहल के रूप में शुरू हुआ यह अभियान अब एक विशाल आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसके परिणामस्वरूप 20 करोड़ से ज़्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में, आम नागरिकों, फिल्मी हस्तियों, कवियों, कलाकारों और विविध राजनीतिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों सहित सभी क्षेत्रों के लोगों ने इस पहल में भाग लिया है।

रेवंत रेड्डी 'निगरानी राज्य' चला रहे हैं : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी जगदीश रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना को एक 'निगरानी राज्य' में बदलने का आरोप लगाया है, जहां उनके अपने कैबिनेट सहयोगी अपने ही नेता द्वारा फोन टैपिंग से डरते हैं। उन्होंने कहा कि जब से सरकार का फोन टैपिंग विवाद उजागर हुआ है, एक मंत्री ने कथित जासूसी से बचने के लिए पुराने मॉडल का फोन इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में अविश्वास पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, 'रेवंत रेड्डी को डर है कि वह अपना पद खो देंगे। इसलिए, वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के फोन टैप कर रहे हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि वह पूरे कार्यकाल तक इस पद पर बने रहें, ताकि निकट भविष्य में कांग्रेस फिर कभी सत्ता में न आए।'

रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जगदीश रेड्डी ने रेवंत रेड्डी के बयानों पर निशाना साधा और उन पर दिवंगत कांग्रेस नेता एस जयपाल रेड्डी की विरासत का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'रेवंत रेड्डी ने एक बार कहा था कि जयपाल रेड्डी ने कभी तेलंगाना राज्य के लिए बात नहीं की, लेकिन अब उनका दावा है कि तेलंगाना राज्य का निर्माण दिवंगत कांग्रेस नेता की वजह से हुआ। वह जयपाल रेड्डी का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वरिष्ठ नेता ने रेवंत रेड्डी के चरित्र को सही ढंग से समझा था और उन्हें अपने जीवनकाल में ही दूर रखा था।

उन्होंने रेवंत रेड्डी के दोगलेपन का एक और उदाहरण दिया। हालाँकि मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मौजूदा कांग्रेस शासन में उन्होंने किसी भी विपक्षी विधायक को विधानसभा से निलंबित नहीं किया, लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा सत्र से अपने निलंबन का ज़िक्र किया। बीआरएस और भाजपा के बीच विलय की बातचीत के आरोपों पर, जगदीश रेड्डी ने ज़ोर देकर कहा कि पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि दोनों पार्टियों की विचारधाराएँ मूल रूप से विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस-भाजपा विलय के आरोप पूरी तरह से रेवंत रेड्डी और उनके गुरु एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा रचे गए थे, ताकि बीआरएस को कमज़ोर किया जा सके और जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाया जा सके।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'बीआरएस तेलंगाना के स्वाभिमान का प्रतीक है और केसीआर राष्ट्रीय राजनीति को आकार देने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। बीआरएस का किसी भी पार्टी में विलय करने या मध्यस्थता के लिए सीएम रमेश जैसे बिचौलियों से संपर्क करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।'

हरीश राव के दौरे से पहले छात्रों को दे दी गई छुट्टी

अभिभावकों ने लगाए कई आरोप

नागर कर्नूल, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को सरकारी जनरल अस्पताल में उस समय तनाव फैल गया जब अस्पताल प्रशासन ने उय्यालवाड़ा स्थित ज्योतिभा फुले गर्ल्स रेसिडेंशियल स्कूल में बासी दही खाने से बीमार पड़ी कुछ छात्राओं को छुट्टी दे दी। कथित तौर पर यह पता चलने के बाद कि पूर्व मंत्री टी. हरीश राव अस्पताल आने वाले हैं, छात्राओं को जल्दबाजी में छुट्टी दे दी गई।

अभिभावकों ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को अस्पताल से अचानक छुट्टी दे दी गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, जब अभिभावकों ने अस्पताल के कर्मचारियों से पूछताछ की, तो उन्होंने दावा किया कि छात्रों की हालत स्थिर है।

शनिवार को खाना खाने के बाद स्कूल में लगभग 79 छात्र बीमार पड़ गए। इनमें से 12 को आज छुट्टी दे दी गई और बाकी का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह भी पता चला है कि 50 अन्य छात्रों ने भी पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की थी और उन्हें आज सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया। बड़ी संख्या में अभिभावक अस्पताल पहुंचे और शिकायत की कि स्कूल स्टाफ ने छात्रों की हालत पर तुरंत ध्यान नहीं दिया। नतीजतन, और भी कई बच्चे बीमार पड़ गए।

452 पक्षी प्रजातियों का दस्तावेजीकरण

अध्ययन में भारत में पहली बार देखे जाने का रिकॉर्ड

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग की प्राध्यापक प्रो. चेलमाला श्रीनिवासुलु ने हैदराबाद बर्डिंग पाल्स के नागरिक-वैज्ञानिक श्रीराम रेड्डी के साथ मिलकर तेलंगाना में पक्षियों की 452 प्रजातियों का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण किया, जिसमें भारत के लिए पहला रिकॉर्ड भी शामिल है। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा में 26 जुलाई को प्रकाशित इस अध्ययन से तेलंगाना की पक्षी विविधता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है, जिसमें दुर्लभ दृश्य और भारत में पहली बार दर्ज किया गया स्पर-विंग्ड लैपविंग शामिल है।

इस शोधपत्र में वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त प्रजातियों जैसे कि गंभीर रूप से संकटग्रस्त भारतीय गिद्ध और लेसर फ्लोरिकन की उपस्थिति पर भी प्रकाश डाला गया है, तथा पक्षी संरक्षण के लिए इस क्षेत्र के महत्व को रेखांकित किया गया है।

ओयू के एक प्रमुख वन्यजीव जीवविज्ञानी प्रो. श्रीनिवासुलु ने कहा, 'पक्षी पर्यावरणीय स्वास्थ्य के उत्कृष्ट संकेतक हैं। हमारा काम न केवल पुराने रिकॉर्डों को सही करता है, बल्कि तेलंगाना के छिपे हुए जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्रों को भी प्रदर्शित करता है - आर्द्रभूमि से लेकर जंगलों तक, घास के मैदानों से लेकर शहरी झीलों तक।' सह-लेखक और नागरिक-वैज्ञानिक श्रीराम रेड्डी ने कहा कि यह चेकलिस्ट सिर्फ़ वैज्ञानिकों के लिए ही नहीं, बल्कि हर प्रकृति प्रेमी, छात्र और शौकिया पक्षी-प्रेमी के लिए है। उन्होंने कहा, 'हम हर वर्ग के लोगों को पक्षी-दर्शन के लिए आमंत्रित करते हैं - सिर्फ़ एक शौक के तौर पर नहीं, बल्कि हमारी प्राकृतिक विरासत से एक सार्थक जुड़ाव के तौर पर।'

यह शोधपत्र दशकों के क्षेत्रीय अवलोकनों, ऐतिहासिक अभिलेखों की समीक्षा और समुदाय द्वारा प्रदान किए गए आँकड़ों का परिणाम है। लेखक शौकिया पक्षीविज्ञानियों, शोधकर्ताओं और ईबर्ड तथा आईनेचुरलिस्ट जैसे मंचों की भूमिका को स्वीकार करते हैं।

प्रो. श्रीनिवासुलु ने आगे कहा, 'हम नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे अपने आस-पास के पक्षियों की कद्र करें और उनकी रक्षा करें। नीति निर्माताओं को शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करना होगा ताकि आवास की पहचान और संरक्षण को प्राथमिकता दी जा सके। कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खतरों के कारण हमारी पक्षी विविधता और आबादी घट रही है, इसलिए यह ज़रूरी है कि हम पक्षी प्रेमियों की एक नई पीढ़ी को विकसित करें।'

संपत्ति कर संग्रह में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 27 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि गैर-आवासीय संपत्ति और व्यापार लाइसेंस प्रमाण पत्र जारी करने के साथ-साथ शुल्क एकत्र करने की जिम्मेदारी सर्कल डिप्टी कमिश्नरों की है। अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक में, कर्णन ने कहा कि शहर में 3.50 लाख गैर-आवासीय संपत्तियाँ हैं और सभी को ट्रेड लाइसेंस प्रमाणपत्र जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जोनल कमिश्नरों को अपने अधिकार क्षेत्र में गैर-आवासीय संपत्तियों की संख्या, ट्रेड लाइसेंस जारी करने में प्रगति और कर संग्रह का विवरण हर हफ्ते उपलब्ध कराना चाहिए। गैर-आवासीय संपत्ति मालिकों से कहा गया कि वे ट्रेड लाइसेंस अवश्य प्राप्त करें। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि पिछले वर्ष जुलाई में संपत्ति कर के लक्ष्य की प्राप्ति के अनुरूप, इस माह भी कर वसूली की जाए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.